परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	राजस्व		**627.00**	**1498.00**			**611.60**	**1345.00**	
	पूंजी		**..**	**39.00**			**–**	**31.84**	
	योग		**627.00**	**1537.00**			**611.60**	**1376.84**	
1.	**क). सचिवालय सामाजिक सेवा**	मंत्रालय की सफल कार्यक्षमता के लिए कार्यालय का आधुनिकीकरण और सूचना एवं प्रौद्योगिकी सहायता को भी प्रदान करना। कार्यालय उपस्करों का अनुरक्षण तथा सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्टेशनरी की खरीद।	**23.55**	**2.30**	मंत्रालय के पुराने और अप्रचलित कम्प्यूटर फोटोकॉपियर, फैक्स मशीन को बदलना। सुव्यवस्थित कार्य वातावरण के लिए अनुभागों/एककों में पड़े पुराने अभिलेखों का डिज़िटाइजेशन। कार्यालय स्थल का आधुनिकीकरण। कमरों का नवीकरण।	मंत्रालय के कार्यालयी उपयोग के लिए 32 कम्प्यूटर, 1 लैपटॉप और 28 प्रिंटर खरीदे गए। मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों का आधुनिकीकरण किया गया और इन कमरों में लाइट फिंटिंग लगाई गई। मंत्रालय द्वारा कार्य पर रखे गए परामर्शकों के वेतनों का भुगतान किया गया।	**22.75**	**1.88**	सामान्यतः गैर–योजनागत अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय के लिए किया जाता है।
	ख). केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सीएसएल)	नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं आदि को अनुसंधान सेवाएं तथा सूचना उपलब्ध कराना। समस्त प्रयोजनों के लिए यह प्रमुख संदर्भ पुस्तकालय है। इसके पास 8.25 लाख दस्तावेजों का संग्रह है	**1.30**	**2.36**	डाटाबेस के लिए एनआईसी साइट पर उच्च स्तरीय सर्वर स्थापित किए जाने हैं, अप्रचलनीय कंप्यूटरों के स्थान पर नई प्रणालियों को लगाकर कंप्यूटरों का स्तरोन्नयन। अंग्रेजी और हिन्दी पुस्तकों की खरीद के लिए संग्रह विकास समिति की चार बैठकें आयोजित करने का	यूपीएस, फोटोकॉपी मशीन, माइक्रोफिल्म रीडर प्रिंटर, बुक सपोर्ट, फर्नीचर और कम्प्यूटर खरीदे गए। ए.सी. चिलर्स को बदला गया। साइन बोर्ड लगाए गए। वर्ष के दौरान 1372 पुस्तकों का परीक्षण किया गया। हिंदी और अंग्रेजी पुस्तकों की खरीद के लिए संग्रह विकास समिति की 2 बैठकें	**0.97**	**1.44**	सामान्यतः गैर–योजनागत अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय के लिए

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		जिसमें राजपत्र संबंधी दस्तावेज और भारत सरकार के अन्य दस्तावेज शामिल हैं			प्रस्ताव किया जाता है। सीएसएल के आधुनिकीकरण के लिए यह पुस्तक रैक और अन्य दस्तावेजों को प्रदर्शित करने की अपनी प्रणाली में सुधार लायेगा। यह अपने संग्रहों में दुलर्भ पुस्तकों के परिरक्षण और संरक्षण का कार्य जारी रखेगा।	की गईं। वित्तीय वर्ष के दौरान 2123 पुस्तकों का चयन किया गया।			किया जाता है।
	कला और संस्कृति का संवर्धन								
2.	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**	क्षेत्रीय सीमाओं के बंधनों से परे बुनियादी संस्कृति और सांस्कृतिक बंधुत्व को बढ़ावा देना तथा स्थानीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना और स्थानीय संस्कृति की जानकारी प्रेरित करना तथा उसका संवर्धन करना।	––	**39.50**	विभिन्न स्कीमों, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना।			**42.46**	
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का			एनसीईपी के अंतर्गत लगभग 905 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें बड़ी संख्या में कलाकारों, मंच कलाकारों, शिल्पकारों, संगीत–शास्त्रीयों विद्वानों, विद्धार्थियों और कला	लगभग 579 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे देश भर में सांस्कृतिक विविधता का प्रसार करने के लिए मेलों, उत्सवों, सांस्कृतिक उत्सवों में तैनात किए गए अनेक कलाकार लाभान्वित			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		आदान–प्रदान।			पारखियों के मध्य विचारों का आदान प्रदान किया जाएगा।	हुए।			
(ii)	प्रलेखन	विभिन्न लोक एवं जनजातीय कला रूपों विशेषतः लुप्त हो रहे कला रूपों के समुचित परिरक्षण हेतु प्रलेखन।			लुप्त हो रही कलाओं का प्रलेखन और प्रकाशन। शैक्षिक विस्तार और उपलब्धियों एवं लोक कलाकारों के योगदान को दिखाने के प्रयोजन से विभिन्न कलारूपों पर वृत्तचित्र सीडी तैयार की जाएगी।	लगभग 33 प्रलेखीकरण कार्य शुरू किए गए।			
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता के संवर्धन के लिए आयोजित किया जाता है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न भागों के लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है।	वर्तमान में लोक तरंग लोक नृत्योत्सव का आयोजन नहीं किया जा रहा है।			
(iv)	कुरुक्षेत्र उत्सव	महाभारत से संबंधित पावन स्थल कुरुक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करने का	एनजेडसीसी ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा सरकार के सहयोग से 9 से 13 दिसम्बर, 2013 के दौरान ''कुरुक्षेत्र उत्सव–गीता जयंती समारोह–2013" का आयोजन किया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अवसर प्राप्त होता है।				
(v)	गुरू शिष्य परंपरा	लुप्त हो रहे कला रूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करना।			वर्ष के दौरान लगभग 330 गुरूओं तथा 1382 शिष्यों के लाभान्वित होने की संभावना है। कला रूपों का निर्धारण समय–समय पर राज्य सरकारों के परामर्श से किया जाता है।	इस स्कीम के अंतर्गत लगभग 69 गुरू और 468 शिष्य लाभान्वित हुए।			
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ परस्पर विचार विमर्श करना।			लगभग 245 रंगमंच समूह अपने नाटक प्रस्तुत करेंगे और इससे 2112 से अधिक कलाकार और बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। रंगमंच संबंधी कौशल को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएंगी।	जेडसीसी ने विभिन्न कार्यक्रम जैसेकि रंगमंच शो, रंगमंच उत्सव, कार्यशालाएं उत्सव आयोजित किए। इस स्कीम के तहत 108 से अधिक नाटकों का मंचन किया गया।			
(vii)	युवा प्रतिभावान कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कला रूपों में युवा प्रतिभावान कलाकारों को सम्मान देना और उन्हें प्रोत्साहित करना।			लगभग 238 युवा कलाकारों को चुना जाएगा।	पर्याप्त संख्या में आगंतुक कलाकारों और आम लोगों को शामिल करके प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।			
(viii)	शिल्पग्राम	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा स्थापित शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होते हैं। बड़ी संख्या में लोगों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाती है।	46 कार्यक्रम और नियमित शिल्प प्रदर्शनी–सह–विक्रय कार्यकलाप आयोजित किये गये।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य शिल्पग्राम/कलाग्राम में कार्यकलापों को बढ़ावा देना है।							
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव–ऑक्टेव	पूर्वोत्तर के इस प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य समान्यतः लोगों की और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों के देश के मुख्य भाग से घनिष्ठ मेल–जोल बढ़ाने में सहायता करना है। इससे पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच की तथाकथित दूरी को कम करने में मदद मिलेगी।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, आदि सहित पूर्वोत्तर के लगभग 2350 कलाकार देश के विभिन्न भागों में आयोजित किए जाने वाले अनेक कार्यक्रमों में कला प्रदर्शन करेंगे।	पूर्वोत्तर उत्सव 'ऑक्टेव' का आयोजन सदस्य राज्यों में किया जाएगा।			
3.	**संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली**	अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य व नाटक के संवर्धन व विकास, मंच कलाओं में प्रशिक्षण के मानकों को बनाए रखने, संगीत नृत्य नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्रियों के पुनरूज्जीवन, परिरक्षण,	**9.85**	**13.00**	अकादमी भारत की मंच कलाओं को आगे बढ़ाने के प्रति समर्पित है और यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों तथा प्रख्यात अनुभवी कलाकारों की कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था करके तथा छात्रवृत्तियाँ प्रदान		**11.03**	**35.87**	सामान्यतः गैर योजनागत अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रलेखन तथा प्रसार के लिए और उत्कृष्ठ कलाकारों को सम्मान देने के लिए कार्य करती है।			करके और प्रलेखनों द्वारा अपने इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है।				के लिए किया जाता है।
(i)	मंच कलाओं की दृश्य–श्रव्य रिकॉर्डिंग, आंकडों का प्रलेखन एवं कंप्यूटरीकरण, राज्य / क्षेत्रवार सर्वेक्षण एवं सांस्कृतिक मानचित्रण, आईसीएच की राष्ट्रीय सूची का विकास एवं रख–रखाव, प्रलेखन में संगठनों एवं व्यक्तियों को विशेषज्ञता हेतु परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान	छात्रों और अध्येताओं के लिए मंच कलाओं की दुर्लभ परंपराओं की रिकार्डिंग का परिरक्षण और संग्रह, मंचकला के मानचित्रण हेतु सर्वेक्षण, अध्येताओं और आम लोगों के लिए आंकड़ों, सूचनाओं और रिकॉर्ड का प्रचार–प्रसार			1500 घंटे की श्रव्य और दृश्य रिकार्डिंग, 12 वीडियों सीडी, 3000 फोटों शामिल किए जाएंगे। 10–15 स्टूडियों और फील्ड रिकॉर्डिंग / अभिलेखागार सामग्री से संबंधित डाटाबेस के साफ्टवेयर / विकास कार्यक्रम / आईसीएच कार्य के लिए 4 राज्यों में मानचित्र परियोजनाएं / संसाधन केन्द्र और डाटाबेस स्थापित करना। वित्तीय सहायता दी जाने वाली 4 परियोजनाएं।	वीडियो रिकार्डिंग के 105 घंटे और ऑडियों रिकार्डिंग के 7 घंटे, 8741 श्वेत–श्याम और रंगीन चित्र जोड़े गए। विशेष प्रलेखन :– 1. चवित्तुनतकम (सांस्कृतिक कार्य विभाग, केरल सरकार के सहयोग से) 2. नई दिल्ली में देबू चौधरी और फैयाज खान 3. जनवरी और फरवरी के महीने में 'अमर सिंह राठेर' और 'देशज' पाक्षिक कार्यक्रम। वियतनाम में भारतीय नृत्यरूप–उत्सव का प्रलेखीकरण कार्य भी किया (नई दिल्ली में फुल ड्रेस रिहर्सल) और छऊ पर्व–इम्फाल (29–31 मार्च, 2014)			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	करना।								
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुस्तकालय नई दिल्ली मंच कला अभिलेखागार मंच कला पुस्तकालय	एक पृथक भवन/परिसर का अधिग्रहण करके अकादमी के मौजूदा संग्रहालय में संगीत उपकरण, कठपुतलियाँ, मुखौटे और अन्य कलावस्तुओं की व्यवस्था कर उसे मंच कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय में विकसित करना। अकादमी के अपने अभिलेखागार के समृद्ध संग्रह के अलावा देश में बिखरे हुए दुर्लभ संग्रहों को प्राप्त करके और अकादमी के मौजूदा विशिष्ट पुस्तकालय का विस्तार करके दक्षिण भारत में एक समानांतर अभिलेखागार सहित भारत की मंच कलाओं के श्रव्य–दृश्य और फोटोग्राफी रिकार्डों के एक संपूर्ण अभिलेखागार का			एनएमपीए के लिए डीडीए से भूमि, रबीन्द्र भवन में उपलब्ध स्थान का उन्नयन, कोलकाता में संगीत वाद्य यंत्र संग्रह बनाने के लिए केन्द्र। संगीत उपकरणों, मुखौटों, कठपुतलियों, पोशाकों आदि जैसी 200 संग्रहालय वस्तुओं का अधिग्रहण करना। 110 वस्तुओं के 3 सूची पत्रों का अधिग्रहण करना, 3 कार्यशाला आयोजित करना। गुवाहाटी, तिरूअनंतपुरम आदि में एसएनए केन्द्र में विषय–वार अभिलेखागारों के संग्रहों का डिजिटलीकरण। समाचार पत्रों क्लिपिंग्स, मौनोग्राफों और फोटोग्राफी आदि का डिजीटलीकरण।	वाद्ययंत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की पुनरीक्षा। पूर्वोत्तर क्षेत्रों के वाद्ययंत्रों का प्रापण। श्री श्रीनिवास मलिहा ट्रस्ट की गैलरी में कठपुतलियों, मुखौटों और अन्य प्रदर्शों की एक वीथि का प्रदर्शन किया जाएगा। पुस्तकालय को 44 पुस्तकें उपहार स्वरूप भेट की गई जबकि 41 पुस्तकें खरीदी गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		विकास करना। मंच कलाओं पर अकादमी के मौजूदा विशेषीकृत पुस्तकालय का विस्तार करना और इसके संपूर्ण संग्रह का डिज़िटलीकरण करना तथा इसे ऑन–लाइन उपलब्ध कराना।							
(iii)	भारत के विशिष्ट क्षेत्रों/रूपों के लिए राष्ट्रीय संस्थान और केन्द्र : जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, कथक केन्द्र, नई दिल्ली, कुटियट्टम केन्द्र, केरल, सतरिया केन्द्र, गुवाहाटी,	विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यवसायिक मानदंड के कथक नृतक तैयार करना। कुटियट्टम के लिए अकादमी की परियोजना सहायता का उन्नयन और विकास करना। पूर्वी क्षेत्र के छऊ नृत्यों को सहायता की चल रही परियोजना का उन्नयन और विकास करना। भारत के परंपरागत भूमि लोक रंगमंच रूपों–कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का			वर्ष में नृत्य नाट्य की 3–4 नई प्रस्तुतियाँ। विभिन्न राज्यों में 3–4 मंचकला उत्सव, नृत्य की 5–6 नई प्रस्तुतियां कथक पर सेमिनार, कथक केन्द्र रिपर्टरी कम्पनी का विस्तार 3 कथक उत्सव, कथक महोत्सव। कुटियट्टम की चल रही परियोजना, जिसमें कई परियोजनाएँ, प्रशिक्षण, प्रस्तुतियाँ, शोध और प्रदर्शन शामिल हैं, से संस्थाओं के अनेक कलाकारों और विद्वानों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। सतरिया नृत्य आदि नृत्य पर्व वार्षिक	उत्तर–पूर्वी राज्यों में कत्थक नृत्य के प्रशिक्षण कार्यक्रम। व केरल में नियमित मासिक कार्यक्रम तथा एक कार्यक्रम केरल से बाहर सरायकेला, रायरंगपुर और बारिपदा (14–16 अप्रैल, 2012), दिल्ली शाखा (20 अप्रैल, 2012) को दी गई छऊ सहायता की समीक्षा। जून में कचि धारणी उत्सव में निचुपदा मयूरभंज में राजा महोत्सव में पुरलिया छऊ में और श्रुति फाउंडेशन, चेन्नई में छऊ कलाकारों को प्रायोजित किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुतुल केन्द्र नई दिल्ली, छऊ केन्द्र, बारीपदा/जमशेद पुर, ध्रुपद केन्द्र, हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय परियोजना और अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएँ	भगवत मेला में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास करना। विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक मानदंड के मणिपुरी नृत्य तैयार करना। सतरिया नृत्य और संबंधित संगीत और रंगमंच परंपराओं के लिए अकादमी की परियोजना सहायता का विकास करना।			उत्सव/कठपुतलियां बनाने में प्रशिक्षण और कठपुतलियां नचाना और वार्षिक उत्सव का आयोजन। छऊ नृत्य की चल रही परियोजना जिसमें कई परियोजनाएँ, प्रशिक्षण, प्रस्तुतियाँ, शोध और प्रदर्शन शामिल हैं, से शहरी और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों के लगभग 300 कलाकारों और छात्रों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। ध्रुपद पर विशेष ध्यान देने सहित संगीत का फैस्टल/विशेष प्रलेखन और प्रशिक्षण शुरू करना। यूनेस्को के लिए 20 डॉजियर्स पर काम करना। ग्वालियर संगीत के लिए परियोजना केन्द्रों, कठपुतली केन्द्र, नई दिल्ली, ओडिसी नृत्य और संगीत केन्द्र, भुवनेश्वर आदि की स्थापना / विकास।	रायरंगपुर में अध्यापकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। रायरंगपुर में अध्यापकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। केरल के पवकत्थकली के प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रहे। विश्व कठपुतली दिवस मनाने के लिए कठपुतली सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें मार्च, 2014 के दौरान उत्तर–पूर्व राज्यों के कलाकार समूहों ने अपनी कला को प्रस्तुत किया। 2–23 मार्च, के दौरान पुतुल परम्परा विकास उत्सव तथा जनवरी 2014 के दौरान "अमर सिंह राठौर" कार्यक्रम में डोर वाली कठपुतली की प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस–29 अप्रैल, 2013 मनाया गया। सतरिया केन्द्र द्वारा राज्य में और उससे बाहर कार्यक्रमों / अध्ययन दौरों / "लीमा नमून खम्बी" नए नृत्य नाटक का निर्माण कार्य, गुवाहाटी में सतरिया पर्व का आयोजन किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	प्रशिक्षण एवं प्रस्तुतिकरण में सहायताः अनुसंधान और प्रकाशन (अनुसंधान, प्रकाशन, मंचकला, डाटा बेस, मंचकला का विश्वकोश और शैक्षणिक सेमिनार आपसी साक्षात्कार कार्यशाला)	संगीत, नृत्य एवं थिएटर के विभिन्न रूपों को सहायता देना। पारंपरिक कला के युवा सदस्यों को प्रोत्साहित करना। घरानों, पारंपरिक स्टाइल आदि, ऐसे रूपों को सहायता देना जो परिवर्तन से भयभीत हैं। मंचकला के सिद्धांत एवं शैक्षणिक ज्ञान का विकास, इस क्षेत्र के अनुसंधान अध्येताओं को सहायता, मंचकला संबंधी विचारों एवं तकनीकों का विस्तृत आदान–प्रदान।			करनाटिक संगीत संबंधी 3 अनुसंधान कार्य, तेलुगु नाटक/थियेटर और पूर्वी भारत का लोक गायन (झूमर) 6 पुस्तकें, 8 पत्रिकाएं, 12 समाचार बुलेटिन (हिन्दी और अंग्रेजी), 1 वार्षिक रिपोर्ट। विशिष्ट परियोजनाओं को चालू करने से पूर्व कलाकृतियों जैसे मुद्रित और अन्य संसाधनों के क्षेत्र का विस्तृत मानचित्रण। विश्वकोश के लिए 5 विद्वानों को लगाया जाएगा।	पंजाब में पंजाब के धांडी संगीत, जोड़ी पखावज में नए प्रशिक्षण शुरू करने के लिए आडिशन किए गए। नवम्बर, 2013 में आर वेदावल्ली के अधीन पदम और जवाली के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा। दिल्ली रू– मयूरी वीणा ठुमरी और सारंगी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा। 4 नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए। नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से प्रगति मैदान, नई दिल्ली में देशज नामक एक चार–दिवसीय लोक एवं जनजातीय प्रस्तुति उत्सव।			
(v)	**संगीत को सहायता :** संगीत की मुख्य क्षेत्रीय परंपराओं को सहायता। संगीत के चिन्हित रूपों/ विषयों में प्रशिक्षण	क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जीवंत अभ्यास में भारतीय संगीत, नृत्य, थिएटर और जनजातीय लोक परम्पराओं का अनुरक्षण, संवर्धन और विकास करना तथा संपूर्ण राष्ट्र में विचारों, विषयों और तकनीकों के आदान प्रदान को सहायता।			ब्राहदेसी और भांड परंपरा संबंधी 2 उत्सव एवं उत्तर पूर्व, पश्चिम, दक्षिण और केंद्रीय क्षेत्रीय परंपराओं के एक–एक राष्ट्रीय उत्सव। चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम और 12 नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संस्तुति करना। प्रयोगात्मक सर्जनात्मक कोरल एवं संगीत में समाविष्ट कार्य। पर जोर देने वाला 1 उत्सव।	सुर पूर्वा नामक उत्तर पूर्व भारत के संगीत उत्सव का कोलकाता में आयोजन मार्च 2014 में इम्फाल और गुवाहाटी में छऊ पर्व का आयोजन। जश्न–ए–जम्मू और कश्मीर नामक एक–दिवसीय क्षेत्रीय कला रूप उत्सव का मार्च, 2014 में गुवाहाटी में आयोजन। महाबोधि उत्सव, भोपाल के लिए पूर्वोत्तर समूह तथा अन्तरराष्ट्रीय रंगमंच			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम, संगीत में प्रयोगिक सृजनात्मक कोरल और समस्टी को सहायता, युवा कलाकारों को सहायता, उत्सव कार्यशाला/ सेमिनार आदि।				पूर्व एवं दक्षिण क्षेत्र में युवा संगीतज्ञों के लिए 2 उत्सव। भुवनेश्वर में संगीत संगम;ढुमरी और ध्रुपद उत्सव; टप्पा संबंधी उत्सव, सेमिनार एवं कार्यशाला। प्रस्ताव प्राप्त होने पर 5–6 अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता दी जाएगी। 250 से अधिक सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता द्वारा मदद दी जाएगी। आंध्र नाट्यम, मोहिनीअट्टम, पारंपरिक युद्धकला आदि संबंधी नृत्य पर्व उत्सव, प्रशिक्षण कार्यक्रम। पूर्वोत्तर में निर्देशकों द्वारा युवा नर्तकों हेतु उत्सव। मुख्य प्रायोगत्मक एवं नवोन्मेषी नृत्य उत्सव। 2–3 उत्पादोन्मुख नाटककारों की कार्यशाला। लोक/जनजातीय रूपों में 10 नए प्रशिक्षण कार्यक्रम, लोक उत्सव संबंधी 5 क्षेत्रीय उत्सव/ सेमिनार। 10 अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता दी जाएगी एवं लोक/जनजातीय कला	उत्सव, केरल के लिए एक यक्षगान समूह का प्रायोजन। जनवरी 2014 में देहरादून तथा इलाहाबाद में एक नृत्य प्रस्तुतीकरण – नृत्यरूप, नाट्य कुलम, जयपुर के सहयोग से पादतिक पूर्वोत्तर रंग महोत्सव के साथ मिलकर, दिल्ली में दो दिवसीय पूर्वोत्तर उत्सव, 31 मार्च से 4 अप्रैल, 2014 तक एक पांच दिवसीय थियेटर उत्सव। थियेटर तथा मीडिया केन्द्र के सहयोग से अहमदाबाद में 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					के लिए 100 संस्थानों/ पुस्तकों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।				
(vi)	पुरस्कार, सम्मान और ईनाम – एसएनए अध्येतावृत्तियाँ और पुरस्कार (अकादमी रत्न सदस्यता और पुरस्कार) बिस्मिल्ला खाँ युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार,	संगीत नृत्य और नाटक के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करना। अकादमी, अध्येतावृत्तियॉ और अकादमी पुरस्कार प्रदान करती है। अकादमी (अध्येतावृत्तियाँ 30 जीवित व्यक्तियों तक सीमित है।) अकादमी पुरस्कार प्रतिवर्ष अधिकतम 33 कलाकारों को दिए जाते हैं। अध्येतावृत्तियां एवं पुरस्कार स्वरूप 3,00,000/– रू. एवं 1,00,000/– रू., ताम्रपत्र एवं एक शॉल प्रदान किया जाता है। अकादमी ने वर्ष 2006 में 35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों को मान्यता और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए उस्ताद			33 अकादमी पुरस्कार, 2 अध्येतावृत्तियाँ और युवा कलाकारों को 33 युवा पुरस्कार।	राष्ट्रपति भवन में 28 मई, 2013 को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अकादमी अध्येतावृत्ति और पुरस्कार प्रदान करना जिसके पश्चात भारत के संगीत नृत्य, थियेटर और लोक कलाओं का एक सप्ताह का उत्सव आयोजित किया गया। फिक्की ऑडिटोरियम में 7 सितम्बर, 2013 को एसएनए के अध्यक्ष द्वारा एसएनए युवा पुरस्कार प्रदान करना जिसके पश्चात भारत के संगीत नृत्य, थियेटर और लोक कलाओं का एक सप्ताह का उत्सव आयोजित किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		बिस्मिल्लाह खाँ के नाम से उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ युवा पुरस्कार का आरंभ किया गया है। इस पुरस्कार के लिए 25,000 रू. की राशि प्रदान की जाती है।							
(vii)	अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, इंडो–एशियाई मंचकला परियोजना अन्य देशों के राष्ट्रीय मंच कला संस्थानों के साथ वार्ता। एनआरआई एवं पीआईओ कलाकारों एवं अध्येताओं के लिए उन्नयन एवं रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों के लिए सहायता।	भारत सरकार विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों का संचालन करती है जिससे प्रत्येक अन्य सांस्कृतिक विरासतों को बेहतर समझा जा सके। सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता। भारत एवं विदेशों में सांस्कृतिक संस्थानों के साथ बेहतर समझ के उद्देश्य और विचारों के आदान–प्रदान तथा वार्ता हेतु बेहतर अवसर सृजित करने के लिए मंचकला के अंतरराष्ट्रीय उत्सवों का			विदेशों के साथ कार्यक्रमों में शामिल सांस्कृतिक आदान प्रदान। पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त निष्पादन। प्रमुख एशियाई उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित करना। भारत और चीन के उत्सवों में सेमिनार / प्रदर्शनी आयोजित करना। प्रतिनिधिमंडल का चीनी दौरा, ब्राजील एवं मैक्सिको में भारत का उत्सव, आईएफसीईपी के तहत 6 पारस्परिक सांस्कृतिक आदान–प्रदान का कार्यान्वयन।	नृत्यरूपों की प्रस्तुति के लिए नर्तकों / तकनीकीविदों / अधिकारियों के एक 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने अक्तूबर, 2013 में पेरू और क्यूबा का दौरा किया। मार्च, 2014 में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के लिए 25 सदस्यीय भारत–वियतनाम उत्सव। चिकित्सा उपचार के लिए 8–20 कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	आईसीएच, एवं सांस्कृतिक विविधता के यूनेस्को सम्मेलन का कार्यान्वयन। भारत–विदेशी सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम। प्रदर्शनियां एवं सेमिनार तथा अंतरराष्ट्रीय उत्सव।	आयोजन करने का निश्चय किया है।							
(viii)	**भवन संरचना, विकास एवं रख–रखाव** मेघदूत थिएटर परिसर, रबीन्द्र रंगशाला, नई दिल्ली, कत्थक केन्द्र नई दिल्ली, के लिए नया कैम्पस,	केन्द्रीय दिल्ली में एक महत्वपूर्ण परिसर बनाए रखने, रबीन्द्र रंगशाला नई दिल्ली का रख–रखाव, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में कथक केन्द्र के लिए भवन का निर्माण करने, परिसर की संयुक्त सेवाओं द्वारा रबीन्द्र भवन सुविधाओं में सुधार, अकादमी के कार्य हेतु कलाकारों की बेहतर			कलात्मक प्रयोग के लिए एक मुक्त थिएटर, एक बंद थिएटर, एक प्रदर्शनी वीथि का रख–रखाव एवं सुधार किया जाएगा। रबीन्द्र रंगशाला का रख–रखाव। किराए पर लिए गए परिसर में कत्थक केन्द्र स्थापित किया गया। 5 तलों के एक भवन का निर्माण पूरा होने वाला है जिसमें सौन्दर्यीकरण आधुनिक तकनीकी	चाणक्यपुरी में एक 6 मंजिला भवन एसएनए को सौंपा गया और 18 दिसंबर, 2013 को माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। कत्थक केन्द्र को चाणक्यपुरी में स्थानान्तरित कर दिया गया है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एनएमपीए, नई दिल्ली के लिए कैम्पस, रबीन्द्र भवन सुविधाओं का विकास, एसएनए शिलांग का पूर्वोत्तर केन्द्र, कुटिअट्टम केन्द्र के लिए कैम्पस, सतरिया केन्द्र के लिए तिरूअनंतपुरम कैम्पस, **छऊ केन्द्र के लिए कैम्पस।**	पहुंच के लिए प्रस्तावित किए गए अकादमी के क्षेत्रीय केन्द्र, क्षेत्र में सफल कार्यकलापों के समन्वय एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करना। इंफाल, मणिपुर में जेएनएमडीए के लिए नया कैम्पस – जेएनएमडीए के कार्यकलापों के विस्तार को सुसाध्य बनाना और विद्यार्थियों को उपयुक्त हॉस्टल उपलब्ध कराना, अनेक कलारूपों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के परिरक्षण एवं विकास को सुविधाजनक बनाना। आसाम के पारंपरिक सतरिया नृत्य का संचालन।			उपकरणों से सुसज्जित कलाकृतियों के प्रदर्शन के लिए संग्रहालय, अनुसंधान कार्य के लिए अनुसंधान अध्येताओं हेतु स्थान जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इंफाल में जेएनएमडीए परिसर के लिए नए भवन का निर्माण/ नवीनीकरण का कार्य शुरू किया जाएगा। गुवाहाटी में किराए पर लिए गए परिसर में केन्द्र स्थित एवं स्थापित किया गया। तिरूअनंतपुरम में किराए के परिसर में स्थापित कुटिअट्टम केन्द्र चल रहा है। गुवाहाटी में किराए के परिसर में स्थापित एवं चल रहा सतरिया केन्द्र। किराए के परिसर में चल रहा छऊ केन्द्र।				
4	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा प्लास्टिक कलाओं का संवर्धन। इसका उद्देश्य आधुनिक और समकालीन कला की गहरी समझ को	**9.60**	**8.00**	स्थापना शीर्ष के तहत के.स.स्वा. स्कीम का भुगतान, चिकित्सीय व्यय, सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान भी गैर–योजना बजट से		**10.08**	**9.15**	सामान्तया गैर योजनागत अनुदान का

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रोत्साहित करना है।			किया जाता है।				इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(i)	दृश्य तथा प्लास्टिक कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। **कला विकास/कला संवर्धन** सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आवक प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, कला संचार व प्रसार, अभिलेख व	अकादमी के मुख्य उद्देश्य विशेषतः समकालीन कला के क्षेत्र में देश के कला संबंधी कार्यकलापों के विकास हेतु कलाकार समुदाय को बुनियादी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना है।			प्रदर्शनी : राष्ट्रीय – 1 सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत शिष्टमण्डल कार्यक्रमों का आदान–प्रदान – 5 बाहर जाने वाली प्रदर्शनियाँ – 5 आने वाली प्रदर्शनियाँ – 4 चल प्रदर्शनी – 3 संग्रहाध्यक्षित/विशेष प्रदर्शनी– 2 शिविर एवं कार्यशालाएं – 10 निवासी कलाकार कार्यक्रम –3 कुमार स्वामी स्मारक व्याख्यान – 1 एलकेए दीर्घा में प्रदर्शनी– 170 कला संगठनों को सहायता अनुदान – 25 कला कृतियों का संरक्षण/जीर्णोद्धार – 150 12वां ट्रायनल इण्डिया–1 छात्रवृत्तियां–40, अध्येतावृत्ति–1,	राष्ट्रीय प्रदर्शनियां –1 सी.ई.पी. / पारस्परिक कार्यक्रम के अन्तर्गत शिष्टमंडल कार्यक्रमों का आदान–प्रदान :– (i) विदेश दौरे पर गए शिष्टमंडल –01 (ii) भारत के दौरे पर आए शिष्टमंडल–शून्य बाहर आयोजित प्रदर्शनी –01 देश में होने वाली प्रदर्शनी– मोबाइल / विशेष प्रदर्शनी–2 शिविर और कार्यशालाएं–01			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्लाइड व्यय, व्याख्यान व सेमिनार, शिविर व कार्यशालाएं, साहित्य अकादमी व कलाकार संगठनों को अनुदान, मुख्यालय कला विधि, वातानुकूलन व्यय, जावक प्रदर्शनी, विशेष प्रदर्शनी, लोक जनजातीय व पारम्परिक कला पर सर्वेक्षण, संरक्षण व पुनरुद्धार, पूर्वोत्तर के कार्यक्रमों के अलावा कला				कला फिल्म–शो/सलाइड शो/व्याख्यान – 50 प्रकाशन–25, **क्षेत्रीय** कार्यक्रम–35, आर्ट फिल्म–शो/स्लाइड शो/व्याख्यान–30, पूर्वोत्तर कला का कॉन्क्लेव– 1 राष्ट्रीय कला उत्सव–1 'आक्टेव' के तहत पूर्वोत्तर आदान–प्रदान कार्यक्रम–1, पूर्वोत्तर कैम्प एवं कार्यशाला– 3, पूंजीगत कार्य–3, गढ़ी स्टूडियो, नई दिल्ली व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता के पहले चरण का निर्माण, **जनजातीय कार्यक्रम** राष्ट्रीय आदिवासी कैम्प –1, आदिवासी और लोक कला प्रदर्शनी –1 क्षेत्रीय कैम्प – 3, सामान्य परिषद का चुनाव।	एल के ए कार्यक्रम के स्थापना दिवस केनवस संगीत प्रस्तुति पर प्रदर्शनी – रागा रागमाला पेंटिंग्स पर कार्यशाला राग पर कला संबंधी कलाकार भारतीय कला संस्कृति और भाषा कार्यक्रमों की रूपरेखा (क) पीएलएसआई संस्करण का विमोचन (ख) 24 भारतीय भाषा पुस्तकों की प्रदर्शनी (ग) पारम्परिक और समकालीन मुखौटों पर एक प्रदर्शनी (घ) प्रदर्शन, दुर्लभ पाण्डुलिपियां तथा संगीत और नृत्य संबंधी श्रव्य दृश्य संकलन, कला संबंधी फिल्म–शो / कलाकार / कला संबंधी अन्य लोग –48 एलकेए गैलरी में प्रदर्शनी –138 कला संगठनों को सहायतानुदान			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उत्सव 19वें राष्ट्रमण्डल खेल, कार्यक्रम व बुनियादी ढांचागत सुविधाएं अध्येतावृत्ति व शिक्षावृत्ति प्रकाशन व प्रलेखन, क्षेत्रीय केन्द्र, पूर्वोत्तर कार्यक्रम, नए क्षेत्रीय केन्द्रों, कोलकाता, गढी की स्थापना।					–03 कला शिक्षा पर कार्यशाला – सह–संगोष्ठी राष्ट्रीय कला महोत्सव : कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) छात्रवृत्तियां –40 प्रकाशन –30 पुस्तकालय पुस्तक क्रय –150 **क्षेत्रीय केन्द्र** क्षेत्रीय प्रदर्शनी –21 शिविर और कार्यशालाएं –19 आवसीय कार्यक्रमों में कलाकार –09 कला महोत्सव –01 **सहयोगात्मक कार्यक्रम :** प्रदर्शनी –04 रंगशाला कार्यशाला / नृत्य उत्सव / फिल्म शो –09 2 वर्ष की अवधि के प्रलेखीकरण कार्यक्रम 1 कोलकाता परियोजना के चितपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों की लोकप्रिय दीर्घकालिक स्थानीय कला का प्रलेखीकरण।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						2 परिरक्षण और कला अंकीकरण –पूजा उत्सव में दीर्घकालिक कार्यकलाप व्याख्यान फिल्म शो–23 पूर्वोत्तर कार्यक्रम :– ग्यारहवां राष्ट्रीय कला महोत्सव, गुवाहाटी पूर्वोत्तर के चित्रकारों का शिविर –आइजोल पूर्वोत्तर के कलाकारों की कला प्रदर्शनी – अगरतला जनजातीय कार्यक्रम राष्ट्रीय जनजातीय कला विचारगोष्ठी जनजातीय / लोक / पारम्परिक चित्रकला शिविर और कार्यशाला, पुरी की चित्रकारी संबंधी विरासत शिविर, XIIवें भारतीय त्रैवार्षिक महोत्सव की तैयारी संबंधी कार्यशाला –02			
5	**साहित्य अकादमी**	24 भाषाओं में भारतीय साहित्य का प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य करना। नई दिल्ली और क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता,	**8.10**	**13.00**	स्थापना शीर्ष के अधीन के.स. स्वा.यो. (सीजीएचएस) अंशदान का भुगतान, सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान भी गैर–योजना बजट से किया जाता है।		**9.48**	**17.27**	सामान्तया गैर योजनागत अनुदान का इस्तेमाल

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		मुम्बई और बंगलौर स्थित पुस्तकालयों का निर्माण और उन्नयन करना।							प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(i)	पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन।	पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना और एक ही स्थान पर भारत में लेखकों तथा साहित्यिक कार्य*कलापों* के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र बनाना।			विदेशी पुस्तकों सहित 6000 पुस्तकों की खरीद, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, जर्नल्स, फोटोकॉपी मशीन का किराया प्रभार, पुस्तकालय सॉफ्ट्वेयर के लिए एएमसी, यूपीएस, सर्वर, सीसीटीवी, पांच कंप्यूटरों की खरीद, प्रिंटर और कोलकाता, मुम्बई, बंगलौर और मुख्यालय में 3 क्षेत्रीय पुस्तकालयों के लिए 2 स्कैनर, पुस्तकालय एवं पठन कक्ष का विकास जिसमें सामान्य भंडारण, ऑन लाइन डाटाबेस, प्रलेखन, ग्रंथ सूची जिसमें 24 भाषाओं एवं ग्रंथ सूची परियोजना में रेट्रो रूपांतरण सहित पुस्तकालय विकास के लिए प्रावधान शामिल होंगे। भारतीय लेखक – प्रकाशन कौन क्या के 2 खंड।	(क) पुस्तकालयों का विकास और वाचनालय संबंधी खर्चे। i. विदेशी पुस्तकों सहित 2672 पुस्तकें खरीदीं। ii. समाचार पत्र, पत्रिकाओं (मुख्य कार्यालय, और तीन क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय)–सतत प्रक्रिया iii. फोटो कॉपी मशीन के किराये पर लेने का प्रभार–सतत प्रक्रिया iv. पुस्तकालय साफ्ट्वेयर, यूपीएस, सर्वर, सीसीटीवी आदि के लिए एएमएसी–सतत प्रक्रिया v. कोलकाता, मुंबई, बैंगलूरू और मुख्य कार्यालय में कम्प्यूटर, प्रिंटर खरीदे। (ख) प्रलेखन और ग्रंथ सूची केन्द्र i. 2 भाषाओं में रेट्रो रूपांतर पूरा कर लिया गया है। ii. ग्रंथ सूची परियोजना (रवीन्द्र नाथ टैगोर की महत्वपूर्ण पुस्तक सूची प्रकाशित कर दी गयी है और			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						पूर्वोत्तर साहित्य प्रकाशन की प्रक्रिया में है) (ग) भारतीय लेखकों के विवरण (भारतीय लेखकों के विवरण की सूची के दो खण्डों का प्रकाशन मुद्रण रूप और सीडी) यह एक चालू परियोजना है।			
(ii)	**प्रकाशन स्कीम**	भारतीय साहित्य के अकादमी प्रसार के बुनियादी उद्देश्य को पूरा करना और बहुभाषी सोसाइटियों को अन्य भाषा से भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि के संग्रह।			इन प्रकाशन स्कीम के तहत कागजातों की खरीद, छपाई, बाइंडिंग, संपादन, डिजाइनिंग, प्रूफ रीडिंग, प्रसंस्करण अथवा साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाएं इत्यादि शामिल हैं। इसमें पुस्तक प्रयोग पुरस्कार, नवोदय श्रृंखलाएं, बाल साहित्य, भारतीय श्रेण्य ग्रंथ, विदेशी श्रेण्य ग्रंथ आदि भी शामिल होंगे। इसके अलावा जर्नल्स भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची और रॉयल्टी विषयक मुद्दे शुरू किए जाएंगे जिसके तहत विभिन्न जर्नल्स भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय सूची के पांच खंडों की प्रिंटिंग आदि शुरू की जाएगी।	(क) पुनर्मुद्रण सहित 562 पुस्तकों को प्रकाशित किया गया है। (ख) पत्रिकाऐं भारतीय साहित्य–4 और समकालीन भारतीय साहित्य–4 प्रकाशित किए गए हैं। (ग) 225 लेखकों को रॉयल्टी का भुगतान किया गया।			
(iii)	**साहित्यिक**	महान लेखकों की जयंतियाँ			24 भाषाओं में 111 सेमिनार	लगभग 404 कार्यक्रमों अर्थात्			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्य तथा कार्यक्रम	मनाना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ आदि आयोजित करना। 'लेखक से भेंट' पुरूष और पुस्तकें आदि योजित करके समय–समय पर मेलजोल के लिए लेखकों को मंच प्रदान करना।			आयोजित किए जाएंगे जबकि प्रत्येक भाषा में 30–40 भागीदार भाग लेंगे। 2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार उर्दू में / 2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार अंग्रेजी में। 75 साहित्यिक मंच, 60 लेखक बैठक, 40 व्यक्ति एवं पुस्तकें, पूरे भारत, पूर्वोत्तर से 24 भाषाओं में 48 परिसंवाद आयोजित किए जाएंगे। 4 राष्ट्रीय सेमिनार अथवा युवा लेखक बैठक और 2 महिला लेखक बैठक आयोजित की जाएगी।	संगोष्ठी, राष्ट्रीय संगोष्ठी, लेखक से भेंटवार्ता, कवियो से भेंटवार्ता, परिसंवाद, साहित्यिक मंच, अस्मिता, कथासंधि, पूर्वोत्तर कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया गया।			
(iv)	**लेखकों को सेवाएं/ पुरस्कार**	भारतीय भाषा के सृजनात्मक युवा और अनुभवी लेखकों को, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत विदेश भेजना और विदेशी लेखकों के शिष्टमंडल की मेजबानी करना, अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में उन साहित्यिक कार्यों को			क) लेखकों को यात्रा अनुदान (24 भाषाओं में 10 लेखकों के लिए 15000/–रू. की राशि प्रति लेखक)। ख) साहित्यिक आदान–प्रदान ग) लेखकों और अध्येताओं को वार्षिक पुरस्कार (24 भाषाओं में 24 लेखकों के लिए 1,00,000/–रू. की राशि के 1–1 पुरस्कार)। घ) सदस्यों को यात्रा भत्ता	(क) 12 लेखकों को यात्रा अनुदान दिया गया है। (ख) 5 साहित्यिक आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। (ग) मार्च, 2014 में आयोजित समारोह में साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में 24 लेखकों को और अध्येताओं को वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए। (घ) 1 जनरल कांउसिंल की बैठक, 3 कार्यकारी बोर्ड की बैठकों 2			अकादमी विभिन्न भारतीय उत्सव, विभिन्न देशों के साथ सहयोग और पुस्तक मेलों में सक्रिय रूप से भाग लेगी जिनकी

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पुरस्कार देना जिनकी गुणवत्ता की सराहना की गई है और जो उत्साहवर्धक हों। प्रसिद्ध लेखकों को भारतीय साहित्य में उनके योगदान के लिए मानद अध्येतावृत्तियाँ देना।			ड.) राज्य अकादमियों को सहायता (3 प्रख्यात लेखकों के लिए यात्रा भत्ता एवं मानदेय उपलब्ध कराना)। च) 70 लेखकों/ विद्वानों जो भारतीय नागरिक हों के लिए 6 माह के लिए 25000/– रू. की दर से 105 लाख रू. निवासी लेखकों को) छ) लेखकों को चिकित्सीय सहायता (प्रख्यात भारतीय लेखकों जो स्थायी बीमारी से पीडित हों)	वित्त समिति की बैठकों, भाषा सलाहकार बोर्ड की 24 बैठकों में उपस्थित होने के लिए सदस्यों को यात्रा भत्ता प्रदान किया गया है। (ड.) 36 राज्य अकादमियों को टी. ए. और मानदेय के लिए सहायता दी गयी। (च) रायटर्स इन रजिडेंस स्कीम के अंतर्गत 8 लेखकों को वजीफा दिया गया है।			आई.सी.सी. के जरिए मेजबानी की जा रही है।
(v)	**अकादमी प्रकाशनों/पुस्तक की बिक्री/ प्रदर्शनियों का संवर्धन**	इसका उद्देश्य गहन रूप से अकादमी के प्रकाशनों की बिक्री बढ़ाना और साहित्यिक जर्नलों के माध्यम से अकादमी के प्रकाशनों का विज्ञापन करना है। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना और उनमें भाग लेना।			पुस्तक प्रदर्शनी एवं मेले (अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों समेत नामतः विश्व पुस्तक मेला, अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भागीदारी सहित पूरे देश में 160 प्रदर्शनियां आयोजित की जानी हैं)	(क) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों नामतः सियोल फ्रैंकफर्ट और शारजाह विश्वपुस्तक मेला सहित देश भर में 176 प्रदर्शनियां आयोजित की गयीं। फ्रेंकफर्ट अंतराष्ट्रीय पुस्तक मेला आदि में भाग लिया। राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के अवसर पर देश भर में राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की गयी है। (ख) अकादमी प्रकाशन के विक्रय को बढ़ावा देने के लिए प्रचार आदि			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						के लिए राष्ट्रीय दैनिक में विज्ञापन जारी किए गए।			
(vi)	अनुवाद स्कीम क्षेत्रीय साहित्य अध्ययन परियोजनाएं भाषाओं का विकास, अध्येतावृत्ति, कुमार स्वामी व प्रेमचंद, बाल साहित्य पुरस्कार और युवा, पुरस्कार।	यह स्कीम की साहित्यिक गतिविधियों की धुरी है जिसके अधीन वार्षिक रूप से 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार दिए जाते हैं अन्तर–क्षेत्रीय अध्ययन स्वीकार करने के लिए 4 क्षेत्रीय बोर्डों का गठन करना, 24 मान्यता प्राप्त भाषाओं का विकास और प्रोत्साहित करना। भाषाओं के विकास के लिए अकादमी द्वारा बड़ौदा में स्थापित एक प्रोजेक्ट कार्यालय विभिन्न साहित्यिक गतिविधियां चलाता और आयोजित करता है और अनुवाद कार्यशालाएं आयोजित करता है। विदेशी लेखक और विद्वान उनकी विशिष्ट अवधि के लिए आमंत्रित किए जाते हैं ताकि			इसके 4 अनुवाद केन्द्र बैंगलोर, कोलकाता, नई दिल्ली और अहमदाबाद में हैं तथा आधुनिक–पूर्व प्राचीन और आधुनिक भारतीय श्रेण्य ग्रंथों का अनुवाद शुरू किया गया है और नियमित कार्यशालाएं भी चल रही हैं। 50,000/–रू. के प्रत्येक पुरस्कार देते हुए 24 भाषाओं में उत्कृष्ठ अनुवाद के लिए अनुवाद पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार पाने वाली पुस्तकों का अनुवाद और बाल साहित्य का अनुवाद शुरू किया जाएगा। क्षेत्रीय साहित्यिक अध्ययन परियोजना के तहत 4 और कार्यशालाएं वार्षिक आधार पर 4 सेमिनार भी 4 क्षेत्रीय बोर्डों के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे। मध्यकालीन एवं प्राचीन भारतीय साहित्य संबंधी कार्य भी नए सिरे से शुरू किए जाएंगे। भाषा विकास बोर्ड ने सिफारिश की है	(क) अनुवाद केन्द्रों ने प्राचीन, पूर्व–आधुनिक और आधुनिक भारतीय श्रेष्ठ कृतियों का अनुवाद किया है और नियमित कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। (ख) साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में 24 पुरस्कार विजेताओं को अनुदान पुरस्कार 2012 प्रदान किया गया। (ग) अन्य सभी भारतीय भाषाओं से पुरस्कार विजेता पुस्तकों का अनुवाद किया गया। – चार क्षेत्रीय बोर्डों द्वारा क्षेत्रीय आधार पर कार्यशालाएं/संगोष्ठी/कवि सम्मेलन और अन्य साहित्यिक आयोजन किए गए हैं। मध्यकालीन और प्राचीन भारतीय साहित्य पर कार्य चल रहा है। (क) अकादमी को और भाषाओं को मान्यता प्रदान करने संबंधी अनुरोध प्राप्त हुए हैं। भाषा विकास बोर्ड ने इनके अनुरोध पर विचार किया और यह सिफारिश की कि			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भारतीय/साहित्य/भाषाओं के संबंध में उनकी साहित्यिक जागरूकता को बढ़ाया जा सके, युवा सृजनात्मक लेखकों बच्चों को पुरस्कार देना।			कि अकादमी को 24 भाषाओं में साहित्य को बढ़ावा देना चाहिए जिसके लिए पृथक परियोजना कार्यालय की स्थापना की जानी चाहिए। अकादमी ने लेखकों, विद्वानों, संपादकों आदि के लिए 50, 000/– का भाषा सम्मान पुरस्कार संस्थापित किया है। यह प्रकाशन और रिकॉर्डिंग के माध्यम से राष्ट्रीय मिशन के रूप में जनजातीय साहित्य के सुदृढ़ीकरण एवं प्रोन्नयन का कार्य भी शुरू करेगा। अकादमी ने आनन्द कुमार स्वामी अध्येतावृत्ति, प्रेम चंद अध्येतावृत्ति शुरू की है और इसमें इसका अध्येता बनाकर लेखकों को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता है और एक बार में इसकी अधिकतम सीमा 21 लेखकों की है। युवा लेखको को प्रोत्साहित करने के लिए 24 भाषाओं में नए युवा पुरस्कारों की शुरूआत की है।	अकादमी को इन भाषाओं में साहित्य को प्रोत्साहित करना चाहिए। (ख) भाषा सम्मान – भाषा सम्मान प्रदान करने के लिए अकादमी ने पासीघाट, ईस्ट सियांग, अरूणाचल प्रदेश में अदी भाषा पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। वेलेडिक्टरी सेक्शन समेत इसमें 6 और अनुभाग भी थे जहां अदी भाषा के बहुत से विद्वानों ने भाग लिया। (ग) जनजातीय साहित्य और मौखिक परंपरा – अकादमी ने जनजातीय साहित्य के मुख्य विषय पर बहुत सी संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजित की। बहुत से प्रकाशनों को पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में लेखकों को बाल साहित्य पुरस्कार 2013 प्रदान किए गए है। अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						22 भाषाओं में युवा पुरस्कार 2013 को फरवरी, 2014 में प्रदान किया जाएगा।			
(vii)	प्रशासनिक कार्यकलापों का आधुनिकीकरण/ सुधार	इसका उद्देश्य मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में साहित्यिक क्षेत्रों में कंप्यूटर अनुप्रयोग मुहैया करना है। पुराने उपकरण/कंप्यूटर बदले जाएंगे।			एएमसी सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए कंप्यूटरों, स्कैनरों आदि की खरीद। भारतीय साहित्य और सभी कार्यालयों के विक्रय अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण। कार्यालयों का सुधार एवं रख–रखाव।	(क) कम्प्यूटरीकरण मुख्य कार्यालय, विक्रय कार्यालय और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में एएमसी सहित कम्प्यूटरों, प्रिंटरों की खरीद की। (ख) कार्यालय का सुधार और रखरखाव : क्षेत्रीय कार्यालय और मुख्यालय के लिए फर्नीचर खरीदे गए ; एएमसी सहित विक्रय कार्यालय के लिए फोटो कॉपियर खरीदे गए तथा कार्यालय के लिए स्टेशनरी का सामान खरीदा गया।			
(viii)	**नई परियोजनाएं/ स्कीमें : भारतीय** साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची, भारतीय साहित्य का विश्वकोश, भारत के श्रेष्ठ ग्रंथो का	इसका उद्देश्य पुस्तकाध्यक्षों, प्रकाशकों और संदर्भ के मूल्यवान साधन के रूप में पुस्तक संसार में रूचि रखने वालों को सेवाएं प्रदान करना है। विश्वकोश के जरिए भारतीय साहित्य की वृद्धि और विकास के विषय में व्यापक समझ प्रदान करना। तर्कमूलक सामग्री के			विश्वकोश भारतीय साहित्य की वृद्धि और विकास की व्यापक समझ प्रदान करता है। सभी लेखक, पुस्तकें और सामान्य विषय से संबंधित प्रविष्टियों को सलाहकारी बोर्ड द्वारा सारणीबद्ध किया गया है और संचालन समिति द्वारा इन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। पूरे देश के सैंकडों लेखक अनेक विषयों पर अपने लेख प्रदान करेंगे। विश्वकोश के	साहित्य अकादमी ने डा. सत्यव्रत शास्त्री, प्रतिष्ठित संस्कृत लेखक, श्री रघुवीर चौधरी, प्रतिष्ठित गुजराती लेखक, श्री अरजान हासिद, प्रतिष्ठित सिंधी लेखक, डा. सीताकांत महापात्रा, प्रतिष्ठित उड़िया लेखक को अपनी अध्येतावृत्ति प्रदान की है। तीसरी पुस्तक संबंधी कार्य साहित्य अकादमी क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता में चल रहा है और			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	यूरोपियन भाषाओं में अनुवाद, भारतीय विमर्श का मानव संग्रह	विशिष्ट निकाय से संबंधित भिन्न – भिन्न प्रकार के व्यापक विचारों को एक साथ लाना।			6 खंड परियोजनाओं की योजना बनाई गई है जिसमें से 2 खंड पहले ही प्रकाशित किए जा चुके हैं और अधिकाश खंड प्रकाशित किए जा रहे हैं। 1000 पृष्ठ अर्धचौपेजी आकार के हैं। एनबीआईएल की दूसरी श्रृंखला 1954 – 2000 की अवधि को कवर करते हुए विद्वानों, पुस्तकालयाध्क्षों, प्रकाशकों, पुस्तक विक्रेताओं और संदर्भ के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में पुस्तक जगत में रूचि रखने वाले लोगों की सेवा के लिए शुरू की जाएगी। दूसरी श्रृंखला 1 जनवरी 1954 और 31 दिसम्बर, 2000 के बीच प्रकाशित साहित्य और संबंधित विषयों के क्षेत्र में साहित्यिक विशिष्टताएं और स्थायी महत्व रखने वाली सभी साहित्यिक पुस्तकों को शामिल करेगी। यह परियोजना 24 भारतीय भाषाओं के ग्रंथ सूची संबंधी आंकड़ों का संकलन करने की योजना रखती है। साहित्य	इसके शीघ्र ही प्रकाशित होने की आशा है। असमिया, बांग्ला और उड़िया के संबंध में एनबीआईएल प्रकाशित किए जाते हैं।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अकादमी संग्रहविज्ञान संबंधी 4 परियोजनाओं को शुरू करने का प्रस्ताव रखती है।				
(ix)	डीडीए द्वारा आबंटित भूखण्ड पर कार्यालय भवन का निर्माण	इसका उद्देश्य बिक्री कार्यालय के बेसमेंट में अलग गोदाम रखना और पहली और दूसरी मंजिल पर कार्यालय रखना।			दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एचएएफ, पॉकेट बी, सेक्टर–11 द्वारका, नई दिल्ली में 2011.65 वर्ग मीटर का प्लाट आबंटित कर दिया है। बेसमेंट में गोदाम और प्रथम तल पर बिक्री कार्यालय रखने का प्रस्ताव है और द्वितीय तल को लेखक गृह के रूप में उपयोग किया जा सकता है।	निर्माण कार्य योजना को अनुमोदित कर दिया गया है और सीपीडब्ल्यूडी द्वारा शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।			
6	**भारत महोत्सव**	चुनिंदा देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करना ताकि और अधिक समझ और सहयोग बढ़ सके।	**2.00**	–	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियां, साहित्यिक सेमिनार रंगमंच/कला प्रस्तुतियां/सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित करके।	भारत महोत्सव को छः देशों नामतः पेरू, क्यूबा, लोलाओस पेडियार, कम्बोडिया, वियतनाम और थाईलैण्ड में आयोजित किया गया।	**1.27**		
7	**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए)**	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की स्थापना स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की स्मृति में की गई थी। इसकी परिकल्पना अनुसंधान, शैक्षिक अनुसरण और कला	––	**31.63**				**61.50**	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		के क्षेत्र में प्रसार करने वाले एक केन्द्र के रूप में की गई है।							
(i)	**समग्र निधि**	समग्र निधि पर अपेक्षित आय की वृद्धि के संबंध में अपेक्षित समग्र निधि को बढ़ाना जो कि आईजीएनसीए के आय का मुख्य स्रोत है।			यह राशि वर्तमान समग्र निधि 50.00 करोड रूपये से बढ़कर 100.00 करोड रूपये हो जाएगी।				
(ii)	क. विविध कलाओं के बीच बहुविषयात्मक अनुसंधान और आलोचनात्मक संवाद का संवर्धन।	इसके शोध कार्यक्रम को बढ़ाना तथा मूल पाठों, सन्दर्भ पुस्तकों, शब्दावलियों, शब्दकोशों, वृहतकोशों, भारतीय कलाओं के तुलनात्मक इतिहास, मूल शब्दों के शब्दकोश, अन्तर – उपभाषा, अन्तर–विषयक शब्दावलियों तथा शब्दकोशों का प्रकाशन, कला और विज्ञान के बीच संबंधों की खोज करना। भारत तथा विश्व की कलाओं के बीच आयामों और संबंधों की खोज, पूर्वोत्तर तथा इसके			**निम्नलिखित आयामों पर अध्ययन :–** (क) अभिज्ञान के बहुविध स्तर और कलाओं में उनकी अभिव्यक्ति (ख) भाषा और सांस्कृतिक विविधता (ग) ज्ञान परम्परा, परिस्थिति विज्ञान, स्त्रोत प्रबंधन और सतत विकास (घ) धार्मिक विशिष्टताएं, परम्पराओं का संगम और मिश्रित संस्कृतियां (ड.) अन्तर –सांस्कृतिक संवाद (च) भारतीय कला और संस्कृति में महिलाओं का योगदान।	वर्ष 2013–14 के दौरान केन्द्र द्वारा परियोजना अनुसंधान और क्षेत्र अध्ययनों से संबंधित कार्यों को जारी रखा गया जिसके अन्तर्गत 4 प्रकाशनों / पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। बहुत–सी संगोष्ठियों/ बैठकों / व्याख्यानों / कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। वर्ष के दौरान केएमएस–परियोजनाओं / पाठ्य सामग्रियों (पुनर्मुद्रण सीडी) के प्रकाशन का कार्य भी शुरू किया गया। पूर्वी एशिया कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न सांस्कृतिक अध्ययनों पर 6 प्रकाशनों को प्रकाशित किया गया। महाभारत की			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ख) संसाधनों का स्तरोन्नयन एवं आधुनिकीकरण।	सांस्कृतिक आयामों पर विशेष मुख्य बल। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की मौलिक स्त्रोत सामग्री – लिखित, मौखिक, श्रवण संबंधी, श्रव्य दृश्य और चित्रात्मक संग्रह को बढाना, ताकि ये कला और संस्कृति के लिए राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में सेवाएं प्रदान कर सकें तथा इसके अन्तर्गत आने वाले अन्य प्रभागों के अनुसंधान और प्रकाशन कार्यों में सहायता करना, प्रौद्योगिकी उपकरणों और पद्धतियों तथा आधुनिक प्रबंधन को बढ़ाना तथा स्तरोन्नत करना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अधीन विभिन्न केन्द्रों में स्रोत सामग्री के पुनर्निर्माण को बढ़ाना, प्रौद्योगिकी का उन्नयन तथा प्रदर्शन और			(क) निम्नलिखित की खरीद – (i) पुस्तकें (ii) जरनल्स (iii) दुर्लभ पुस्तकें (iv) निजी संकलन (ख) आंतरिक डिजीटल फोटोग्राफी के जरिए स्लाइडों का संकलन और स्लाइडों की खरीद (ग) पांडुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग (घ) सांस्कृतिक अभिलेखीय सामग्री का प्रापण (ड.) इनका आधुनिकीकरण (i) डिजीटल पुस्तकालय सूचना प्रणाली (ii) एन्नोनेटेड ग्रंथसूची इंडेक्स (iii) रिपोग्राफिक इकाई (iv) श्रव्य–दृश्य उपस्करे (च) सांस्कृतिक सूचनांकिकी (छ) वीथियों का सृजन फोटोकॉपियर्स, फैक्स मशीन, मेज, अलमारी, स्थापित कार्यस्थल का प्रापण और सूचना	कुंडलित चित्रकारी संबंधी सूचीपत्र के निर्माण संबंधी 2 परियोजनाएं तथा एनएचआरएम, कोहिमा के संग्रह से नागा विरासत की वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआती तैयारी संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। लोक परम्परा के अन्तर्गत, 16 विषयों के संबंध में श्रव्य–दृश्य प्रलेखीकरण कार्य शुरू किए गए। ''एक दो–दिवसीय परिसंवाद और परिवर्तन के सूत्र : पूर्वोत्तर भारत की वस्त्र संस्कृति'' नामक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इंडियन फॉकलोर कांग्रेस और मणिपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी–सह–परिसंवाद का आयोजन किया गया। जेएनयू के सहयोग से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अन्तर्गत एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। केन्द्र ने वर्ष के दौरान बहुत–सी संगोष्ठियों और व्याख्यान प्रस्तुतियों, पैनल विचार–विमर्श रॉक आर्ट उत्सव, हमारे घराना प्रोजैक्ट की डीवीडी प्रस्तुति, जनजातीय संगीत			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ग) आईजीएनसीए में कार्यालयी उपकरणों का आधुनिकीकरण।	प्रदर्शनी के लिए स्थायी वीथियाँ बनाना। नवीनतम भवन की डिजाइन और संरचना को ध्यान में रखते हुए कार्यालय को फर्नीचर और उपस्कर से सुसज्जित रखना।			प्रौद्योगिकी तंत्र और उपकरण प्रदान करना। (i) एक प्रकोष्ठ की स्थापना (ii) अनुसंधान तथा क्षेत्र अध्ययन (iii) एटलस का निर्माण	एवं नृत्य, कत्थक नृत्य आदि का आयोजन किया। 13 एबीआईए बैठक और कार्यशालाओं का आयोजन किया तथा एबीआईए की पुस्तक–IV का सम्पादन कार्य चल रहा है। आईजीएनसीए के सांस्कृतिक आंकड़ों की अंकीय परिरक्षण परियोजना के लिए सेंटर फार डेवलप आफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी–डेक,पुणे) के साथ वर्ष 2011 में एक सहयोगात्मक परियोजना शुरू की गई। डाटान्तर और संस्कृति डिजीटालय की मदद से अब तक 1100 दुर्लभ पुस्तकों को अपलोड किया गया।			
	(घ) सांस्कृतिक मानचित्रण	भारत के विविध समुदायों में प्रचलित कला और शिल्पों की परंपराओं के विशिष्ट पहलुओं के साथ उसके पारिस्थितिकी तथा सांस्कृतिक रूप का चित्र तैयार करना।				रेप्रोग्राफी यूनिट विभिन्न विरासत पुस्तकालयों / संस्थानों में माइक्रोफिल्मिंग परियोजना का कार्य करती है। श्री शंकर स्मारक ग्रंथशाला, केरल के लिए वालिया नारायणन दक्षिण ट्रस्ट, पलकड के लिए 482 एमएसएस को शामिल			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						करते हुए कुल 51 रोल्स का माइक्रोफिल्मीकरण किया गया। अरबिंदो आश्रम पॉंडिचेरी के लिए आन्तरिक कार्यदल द्वारा कुल 284 माइक्रोफिल्मों की नकल भी तैयार की गई। 399 सन्दर्भ पुस्तकें खरीदी गई। भेंटस्वरूप संग्रह के लिए 25 पुस्तकें प्राप्त की गई। लिबसिस डाटाबेस में जनरलों की 450 प्रतियों को शामिल किया गया। लिबसिस डाटाबेस में 3400 संस्कृत पाण्डुलिपियों की भी प्रविष्टि की गई। कार्य निष्पादन को बढ़ाने तथा बेहतर कार्य दशाओं के सृजन के लिए आधुनिक उपकरणों का अधिष्ठापन। प्रकोष्ठ के सृजन, अनुसंधान एवं क्षेत्र अध्ययन तथा एटलस निर्माण हेतु यह एक चालू कार्यक्रम है।			
7 (क)	**राष्ट्रीय दृश्य–श्रव्य सामग्री**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी केन्द्रीय डाटा बैंक और एकीकृत जानकारी	––	––	इस स्कीम के लिए ब्यौरा को अंतिम रूप दे दिया गया है और यह अभिलेखागार एसएनए,	इस परियोजना के लिए संस्कृति मंत्रालय का अनुमोदन अप्रैल, 2014 में ही प्राप्त हुआ था। इस			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अभिलेखागार	एवं वास्तविक प्रलेखित सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।			आईजीएनसीए अथवा किसी अन्य संस्थान द्वारा चलाया जाएगा।	स्कीम को आईजीएनसीए को हस्तांतरित कर दिया गया है।			
8.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**9.04**	**16.25**		विद्यालय ने द्वारोंधा, बीरभूमि (पश्चिम बंगाल), देशपाण्डे कला अकादमी, (मुम्बई) में जनजातीय कला एवं प्रस्तुतिकर्ताओं के लिए 2 राष्ट्रीय स्तर के जनजातीय उत्सवों का आयोजन किया।	**10.87**	**37.00**	सामान्तया गैर योजनागत अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय के लिए किया जाता है।
(i)	देश के विभिन्न भागों में रंगमंच कार्यशाला और अंशकालिक कार्यशाला / पाठ्यक्रम आयोजित करना तथा	विभिन्न राज्यों में विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			पूरे देश में 55 रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। इनमें अल्पावधि और गहन रंगमंच कार्यशालाएं शामिल हैं।	रंगमंच कला के सभी पक्षों को शामिल करते हुए देश के विभिन्न भागों में 18 गहन रंगमंच कार्यशालाओं का संचालन किया गया जिसमें अल्पकालिक और गहन रंगमंच कार्यशालाएं शामिल थी।			पूर्वोत्तर क्षेत्र में गहन निर्माण उन्मुख रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।								
(ii)	दिल्ली और दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच कार्यशालाएं / प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करना।	बच्चों का व्यक्तित्व विकास करना तथा उनकी अभिव्यक्तियों और आत्मविश्वास को उद्घाटित करने के अवसर प्रदान करना।			वर्ष के दौरान लगभग 8 बाल रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रस्ताव है।	इस कार्यकलाप के अन्तर्गत एनसीआर दिल्ली में स्कूली बच्चों के साथ एक बाल रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया गया।			
(iii)	गांवों में पारंपरिक समूह के सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन	गांवों में परम्परागत समूहों के साथ सहयोगी कार्यशालाएं आयोजित कर देश के विभिन्न क्षेत्र में अपनाए जा रहे कला रूपों सहित नाट्य कला में 3 वर्षीय डिप्लोमा प्रदान करना, रंगमंच उत्सव और प्रदर्शनियां।			पारंपरिक समूहों के साथ रंगमंच कार्यशालाएं और अभिनय। – विद्यार्थियों, अध्येताओं और सहयोगी रंगमंच समूहों द्वारा अभिनय। – प्रदर्शनी का प्रदर्शन – विद्यार्थियों के प्रस्तुतियों सहित सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत विदेशी दौरे। – सहयोगी रंगमंचोत्सव और रंगमंच संस्थानों के साथ सहयोगात्मक उत्सव / अभिनय, अन्य देशों आदि के साथ	**विद्यार्थियों द्वारा निर्माण कार्य** प्रथम वर्ष के छात्रों और द्वितीय वर्ष के डिजाइन छात्रों द्वारा दृश्य कार्य (माच और वीर अभिमन्यु) **द्वितीय वर्ष के नाटक निर्देशक छात्रों द्वारा निर्माण कार्य** वान्या–त्रिपुरारी शर्मा कुट्टियट्टम – जी वेणुगोपाल **तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा नाटक**			एनएसडी के त्रिपुरा केन्द्र में एक वर्षीय टीआईई रंगमंच प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चल रहा है। उपरोक्त कार्यशाला के अलावा सिक्किम

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					सांस्कृतिक आदान–प्रदान।	**निर्माण** रद्दी बाजार – काला खट्टा चुस्की, खोली, कोलचा खोपचा, किचन इन द कॉर्नर ऑफ द हाउस, अजब जज गजब इंसाफ, एक कुत्ते की मौत, पेनाल्टी किक, अ क्लॉक वर्क ओरेंज आदि। बहुत – सी स्नातक प्रदर्शनी नाटक और प्रदर्श प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया गया।			प्रशिक्षण केन्द्र, गंगटोक तीन चरणों में एक नौ महीने का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। प्रशिक्षण के लिए शैक्षिक दौरों का आयोजन किया गया। तेजपुर और जोरहाट में पूर्वोत्तर रंगमंच महोत्सव अर्थात् पूर्वोत्तर नाट्य समारोह का आयोजन

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									किया गया।
(iv)	लोक, जनजातीय कलाओं और शैक्षिक यात्राओं का संवर्धन	विद्यमान लोक संगीत और जनजातीय कला से विद्यार्थियों को परिचित कराना।			पारम्परिक समूहों के साथ कार्यशाला और पहले, दूसरे, तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए शैक्षिक भ्रमण।	प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें से एक उत्तर प्रदेश में और दूसरा महाराष्ट्र में था। –पुणे में तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एक 15–दिवसीय फिल्म विवेचन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। –गुवाहाटी में 45 दिनों की एक नाटक केन्द्रित मंचकला कार्यशाला का आयोजन किया गया।			
(v)	बच्चों के समक्ष प्रदर्शन के लिए वयस्कों की रंगमंडल कम्पनी का गठन। (टीआईई क.)	बच्चों के समक्ष प्रस्तुति हेतु युवा रिपर्टरी कंपनी के गठन के माध्यम से बच्चों के लिए रंगमंचीय प्रदर्शनों के बढ़ावा देने का लक्ष्य।			दिल्ली/एनसीआर में स्कूल में नाटक प्रदर्शन करना। दिल्ली में लगभग दस केन्द्रों में बच्चों के साथ ग्रीष्म – कालीन रंगमंच कार्यशाला, रविवार क्लब कार्यकलाप (प्रत्येक समूह के साथ 30 सत्र) सहयोजित बाल उत्सव में भाग लेना। दिल्ली से बाहर टीआईई कं. का दौरा शो। टीआईई अभिनेता एवं अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम, नई प्रस्तुतियां। नई प्रस्तुतियों का	**स्कूलों के साथ कार्यशालाएं** दिल्ली के स्कूलों के साथ 3 कार्यशालाएं। टीआईई तकनीकों और कार्य पद्धतियों पर विदेशी विशेषज्ञों के साथ कार्यशाला। **बच्चों के साथ ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला** दिल्ली में 5 केन्द्रों में आयोजित की गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रदर्शन।	**विद्यालयों में नाट्क का मंचन** नाटक – एक्रॉस द सी **रविवार क्लब गतिविधियां** कक्षाएं, कार्यशालाएं और स्कूल शोज़ बच्चों के साथ बहुत–सी गतिविधियों के माध्यम से एनएसडी–टीआईई कम्पनी के रजत जयंती समारोह, टीआईई कलाकारों के साथ संगोष्ठियां।			
(vi)	रंगमंडल कम्पनी का गठन –राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव और समानांतर रंगमंच महोत्सव – राष्ट्रीय बाल रंगमंच महोत्सव– बाल संगम/ जश्न–ए–	भारत तथा देश के बाहर भारतीय नाटकों का प्रचार रंगमंच प्रस्तुतियों को बुनियादी स्तर तक ले जाना			दिल्ली में और दिल्ली से बाहर नाटकों का मंचन, नई निर्माण प्रस्तुतियों के प्रदर्शन, ग्रीष्मकालीन उत्सव में प्रदर्शन, प्रयोजन अभिनय, बीआरएम में भागीदारी, समूहों के साथ सहयोगात्मक अभिनय, हिंदी चल थिएटर–सह–रिपर्टरी का विकास, नवीनतम अवंत गार्दे नाटकों का निर्माण, नए लेखन और निर्माण पद्धति को बढ़ावा देना। – राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव का आयोजन	टीआईई तकनीकों तथा कार्य पद्धतियों पर दिल्ली के विद्यालयों के साथ तीन कार्यशालाएं आयोजित की गई तथा वर्ष के दौरान 5 केन्द्रों में ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। विद्यालय ने स्कूल में प्रस्तुतियों के स्थान की व्यवस्था की और रविवार क्लब गतिविधियों का भी संचालन किया। बच्चों के साथ बहुत–सी गतिविधियों और टीआईई कलाकारों के साथ संगोष्ठियों के माध्यम से एनएसडी–टीआईई			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बचपन स्वतंत्र कैंपस की स्थापना, क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र बंगलौर/ विद्यार्थियों और अध्येताओं के लिए समालोचन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं/ ि"ावृत्तित और अध्येतावृत्तियां/ पुस्तकालय का विकास। – अनुसंधान कार्य एवं प्रकाशन कार्यक्रम				– भारत रंग महोत्सव। – राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रत्येक वर्ष बच्चों के लिए जश्न–ए–बचपन/बाल संगम आयोजित करता है। अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम ओजित करना। बाल तथा युवा दोनों द्वारा प्रस्तुत बाल रंगमंच के क्षेत्रों को कवर करते हुए कार्यक्रम करना। प्रख्यात रंगमंच हस्ती पर सेमिनार आयोजित करना। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रकाशन कार्यक्रम। 2–3 समालोचन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। पुस्तकालय के लिए पुस्तकों, जर्नलों आदि की खरीदारी। – अध्येताओं, विद्यार्थियों और रंगमंच प्रेमियों के लिए रंगमंच साहित्य का प्रचार और प्रसार। ज्ञान और अनुभव के संदर्भ में	कम्पनी का रजत जयंती समारोह मनाया गया। 4 से 19 जनवरी, 2014 के दौरान बीआरएम–14 अन्तरराष्ट्रीय रंगमंच उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें भारत और विदेशों से 70 से अधिक रंगमंच समूहों ने उनके द्वारा निर्मित कार्यक्रम पेश किए। इसके साथ–साथ ही दिल्ली से बाहर गुवाहाटी और मणिपुर में समानान्तर बीआरएम का भी आयोजन किया गया। ऐसा अनुमान है कि इस महोत्सव में इन प्रस्तुतियों को देखने 50,000 से अधिक लोग आए। एनएसडी द्वारा 14 से 20 नवम्बर, 2013 के दौरान बाल संगम–2013 उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से 17 बाल रंगमंच समूहों ने भाग लिया और अभिमंच, सम्मुख और एनएसडी खुला रंगमंच जैसे तीन स्थलों पर अपने नाटक प्रस्तुत किए। इन नाटकों को दर्शकों द्वारा बहुत सराहना मिली।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						–ईएफसी प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय के विचाराधीन है। – तीन प्रकाशनों को मुद्रित किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		– प्रसिद्ध निर्माणों सहित हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी मोबाइल रंगमंच एवं रंगमंडल का विकास करना। –विभिन्न भाषाओं में रंगमंच पद्धति की सुविधा देना और दर्शकगणों में लगातार वृद्धि करना। – अधिक और बेहतर पैमाने पर सांस्कृतिक गतिविधि सुविधाए मुहैया करना। – नए तौर तरीकों और रंगमंच पद्धति के लिए सांस्कृतिक आदान–प्रदान करना।			– अभिलेखीय रंगमंच संगीत, रंगमंडल कंपनी और टीआईई कंपनी के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय निर्माण। – दूरदराज क्षेत्रों में मोबाइल रंगमंच शो आयोजित करना। – राज्य सरकारों के सहयोग से विभिन्न भाषाओं में क्षेत्रीय कं. की स्थापना करना। – वास्तुकार द्वारा तैयार किए गए अनुमान के अनुसार किए जाने वाले जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य।				
9	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय**	सामान्य रूप से भारतीय लोगों में दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति	**5.17**	**14.00**			**4.34**	**12.11**	सामान्तया गैर योजनागत

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(एनजीएमए)	समझ और संवेदनशीलता पैदा करना तथा विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुसार समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।							अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(i)	नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलुरु स्थित आधुनिक कला संग्रहालय का उन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण	अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के समतुल्य समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।			दिल्ली, मुम्बई और बंगलोर में अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर कला वस्तुओं के शानदार प्रदर्शन के रूप वाली आधुनिक कला के सुसंगठित संग्रहालय का अनुरक्षण। 15 विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। सभागार में कला पर न्यूनतम 700 फिल्म शो आयोजित करना। लगभग 300 दौरे आयोजित करना। प्रत्येक रविवार को संग्रहालय परिसर में आर्ट क्लब स्केच का आयोजन किया जाता है। ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का आयोजन किया जाना। कला प्रयोग पर प्रख्यात कलाकारों द्वारा 20 सेमिनार आयोजित किया जाना। विशेष	एक सुव्यवस्थित संग्रहालय के रख–रखाव के अलावा, वर्ष के दौरान एनजीएमए नई दिल्ली, मुम्बई, बंगलौर में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय समकालीन कलाकारों तथा साथ ही विदेशी कलाकारों दोनों के लिए विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। वर्ष के दौरान सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के अन्तर्गत भारतीय समकालीन कलाकारों तथा विदेशी कलाकारों दोनों के लिए दिल्ली, मुम्बई और बंगलौर में 7 विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। –आम लोगों तथा छात्र समूहों के			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रदर्शनियों के 3 सूचीपत्र एवं विशेश प्रदर्शनियों के 10 पोर्टफोलियों जारी किए जाने हैं। एनजीएमए, मुम्बई, बंगलुरू और दिल्ली में संग्रहालय शॉप को कला संबंधित प्रकाशनों और स्मृति चिन्हों से अच्छा भंडार इकट्ठा किया जाएगा। कला संदर्भ पुस्तकालय का आधुनिकीकरण, कला संग्रह का डिज़िटलाइजेशन और प्रलेखन, वर्ष के दौरान कलाकृतियों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार तथा आरक्षित संग्रहों की सफाई एवं उनका सुधार किया जाना है। लगभग 25,0000 कला प्रेमियों द्वारा संग्रहालय का दौरा करने की आशा है।	लिए एनजीएमए द्वारा 650 फिल्म शो का आयोजन किया गया। –जून, 2012 के दौरान आयोजित ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला में 200 स्कूली बच्चों ने भाग लिया। – प्रत्येक रविवार को लगभग 220 छात्रों का एक आर्ट स्कैच क्लब आयोजित किया जाता है। – विभिन्न स्कूलों से 132 छात्र समूहों के लिए गैलरियों के दिशा निर्देशित दौरों का आयोजन किया गया और विभिन्न आयु समूहों के कुल 13786 बच्चों ने गैलरी को देखा। – प्रतिष्ठित कलाकारों / समालोचकों और कला विशेषज्ञों द्वारा कला एवं कला व्यवहारों पर 10 व्याख्यान / वीथि भ्रमणों का आयोजन किया गया। भारत और विदेशी प्रतिनिधिमण्डलों के विभिन्न प्रायोजित समूहों के लिए 2 संचालित दौरों, प्रेस सम्मेलन, प्रेस समीक्षाओं का			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						आयोजन किया गया। एनजीएमए के कला वस्तु विक्रय पटल के माध्यम से विक्रय हेतु प्रतिष्ठित कलाकारों के विभिन्न तरह के 5 पोर्टफोलियो और 2 सूचीपत्रों को तैयार, प्रकाशित किया गया। –छात्रों, शोधकर्ताओं और ललित कला के अध्येताओं के लाभ हेतु कला संबंधी 23,133 सन्दर्भ पुस्तकों का संग्रह रखने वाले एक सुव्यवास्थित कला संदर्भ पुस्तकालय का रख–रखाव किया जा रहा है। – अवधि के दौरान कला कृतियों के समुचित रख–रखाव को सुनिश्चित करने के लिए परिरक्षणात्मक एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए और संचित संग्रहों का वास्तविक सत्यापन किया गया। 153 कला कृतियों का पुनर्स्थापन किया गया और प्रदर्शनी और विशेष प्रदर्शनियों के लिए 1733 कलाकृतियों की सफाई की गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
10	**एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता**	इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। भाषा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक-आर्थिक पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।	9.67	7.55			9.87	4.88	सामान्यत: प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए योजनेतर अनुदान का इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	पुस्तकालय प्रणाली का विकास	मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान के संवर्धन के लिए संस्थान स्थापित करना, तैयार करना और उसका रख-रखाव करना।			पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं आदि का अर्जन, पाठकों को पुस्तकें और संदर्भ उपलब्ध कराने के लिए उनका परिरक्षण और अनुरक्षण करना।	लइब्रेरी सुविधाएं प्रदान करने हेतु 150 विदेशी और 406 भारतीय आगंतुकों सहित कुल 1487 पुरूष पाठकों और 2021 महिला पाठकों को सेवाएं प्रदान की गईं।			
(ii)	संग्रहालय तथा उपभोक्ता सुविधा का विकास	संग्रहालय में पाण्डुलिपियों का परिरक्षण जिनमें अभिलेख रिकार्डों, सिक्कों, शिलालेखों तथा अत्यधिक मूल्यवान अश्म लेखों का समृद्ध संग्रह है। एम.एस.एस.			एमएसएस पुरावस्तुओं, चित्रों, सिक्कों आदि का अधिग्रहण, एमएसएस, पुरावस्तुओं , पेंटिंग, सिक्के आदि की प्राप्ति। चालू और पिछले दोनों के साथ-साथ अभिलेखीय सामग्री का कैटलॉग	109 भारतीय तथा 70 विदेशी आगंतुक/ अनुसंधान अध्येता संग्रहालय आए।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		के इस प्रदर्शन का बहुत अधिक संख्या में शोधकर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।			बनाना तथा प्रलेखन करना।				
(iii)	दुर्लभ पुस्तकों, एमएसएस का संरक्षण एवं परिरक्षण तथा रेपोग्राफिक यूनिट का विकास	सोसाइटी के संग्रहालय और पुस्तकालय में रखी गई खराब और नष्ट हो रही पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और अन्य प्राचीन वस्तुओं के परिरक्षण के लिए प्रभावी उपाय करना। उनकी माइक्रो फिल्म सुविधाएं और माइक्रोफिश सेवाएं।			कार्यात्मक और सेवा विभाग की दुर्लभ पुस्तकों, सामान्य पुस्तकों, एमएसएस आदि का परिरक्षण, दुर्लभ पुस्तकों और एमएसएस का प्रलेखन।	पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य सेवा विभागों को सेवाएं दी जाएंगी। पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य विभागों की दुर्लभ पुस्तकों, एसएसएस चित्रों आदि का परिरक्षण।			
(iv)	प्रकाशन कार्यक्रम	उच्च शैक्षिक स्तर का प्रकाशन करना जिसके लिए संस्था अध्येताओं के बीच जानी जाती है। बिबिलियोथिका इंडिका श्रृंखला के अन्तर्गत पुस्तकों के प्रकाशन पर विशेष रूप से			वर्ष के दौरान 12 पुस्तकों, 4 जर्नलों, 10 एम. बुलेटिनें और 5 पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया जाना है।				यह एक सतत प्रक्रिया है

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		ध्यान दिया जाता है।							
(v)	अनुसंधान संवर्धन	विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण देना, सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशालाओं आदि का आयोजन।			विभिन्न क्षेत्रों में अनसंधान कार्य, प्रशिक्षण देना और सेमिनार व्याख्यान तथा कार्यशाला आदि आयोजित करना। 35 परियोजनाएं, 20 बाहरी परियोजनाएं, 15 सेमिनार, 30 व्याख्यान, 5 प्रदर्शनियां/कार्यशालाएं	26 परियोजनाएं, 2 बाहरी परियोजनाएं, 1 सेमिनार, 3 व्याख्यान।			यह एक सतत प्रक्रिया है।
(vi)	विकासात्मक कार्य और सुरक्षा प्रबंध	इसकी स्थान बाध्यताओं से निपटने के लिए विस्तार कार्यक्रम			भवन निर्माण, विद्युतीकरण और अन्य सुविधाओं के प्रबंधन सहित वर्तमान सुविधाओं का विस्तार। सिक्योरिटी प्रबंध के उपकरण की खरीद, आधुनिकीकरण और कंप्यूटरीकरण।	कंप्यूटर का उन्नयन, पुस्तकों, एमएसएस, कलाकृतियों आदि का सुदृढ़ीकरण और रखरखाव।			
11	**सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली**	संस्कृति के साथ शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में कार्यरत अकादमियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य।	**4.21**	**16.00**	केन्द्र, सांस्कृतिक स्वैच्छिक स्कीम और सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन केन्द्र स्कीम का भी कार्यान्वयन कर रहा है।		**3.83**	**19.33**	सामान्यत: प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर-योजनागत अनुदान

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	स्कूली छात्रों में संस्कृति का प्रचार	देश के विभिन्न भागों में स्कूली अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों आदि के लिए अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमीनार, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदि जैसे विभिन्न सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित करना। सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के स्कूली छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करना। पुनर्स्थापित और बस्ती कॉलोनियों के बच्चों और शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए कार्यशालाएं			- 6500 शिक्षकों/ शिक्षक प्रशिक्षकों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाना है। - 6000 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाना है। - 60000 छात्रों को समुदाय और विस्तार कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया जाना है। - देश के विभिन्न राज्यों में 250 नए संस्कृति क्लबों की स्थापना की जानी है। - भारतीय कला और संस्कृति पर 50 व्याख्यान आयोजित किए जाने हैं। निर्माण : - सीडी रोम के निर्माण सहित 4 वीडियों निर्माण करना। - वर्कबुक और पुनर्मुद्रण सहित 20 प्रकाशनों का प्रकाशन करना।	-6419 शिक्षकों/ शिक्षक प्रशिक्षकों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है। - 5716 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। - 63357 छात्रों को और प्रशिक्षित किया गया। -देश के विभिन्न राज्यों में 250 नए संस्कृति क्लबों की स्थापना की गई। - भारतीय कला और संस्कृति पर 50 व्याख्यान आयोजित किए गए हैं। निर्माण:- -1100 शैक्षिक किटों का निर्माण किया गया है। -पुनर्मुद्रण सहित 20 प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया।			सीसीआरटी गुवाहाटी स्थित अपने क्षेत्रीय केन्द्र के जरिए एन.ई.आर. में विभिन्न प्रशिक्षण/ शैक्षणिक सेमिनार/ कार्यशाला भी आयोजित करता है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		आयोजित करना।			- 1100 शैक्षिक किटों का निर्माण करना।				
(ii)	सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सीटीएसएस)	10-14 वर्ष आयु वर्ग के उत्कृष्ट युवा बच्चों के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करके उनको सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य।			सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत 520 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। छात्रवृत्ति प्राप्त बच्चों के लिए 2 संस्कृति उत्सवों का आयोजन।	-पूर्वोत्तर सहित देश के सभी भागों से 544 छात्रवृत्तियॉ प्रदान की गई हैं। -छात्रवृत्ति धारकों के लिए ०1 सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया।			
(iii)	राष्ट्रीय संस्कति एवं विरासत प्रबंधन संस्थान (एनआईसीएचएम)	सांस्कृतिक संगठनों, संस्थाओं से कार्मिकों, पुस्तकालय कार्मिकों, पर्यटन संगठनों के अधिकारियों, टूर गाइडों और नौकरशाहों हेतु अल्प-कालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम			नौकरशाहों, पुस्तकालय व्यावसायिकों और सांस्कृतिक संगठनों के अधिकारियों के लिए 3 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।	-नौकरशाहों, पुस्तकालय व्यावसायिकों और सांस्कृतिक संगठनों के अधिकारियों के लिए 3 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम। -प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना, जिसमें सांस्कृतिक परम्पराओं की समझ, उनकी अंतर-सम्बद्धता और वित्तीय बजट सहित सांस्कृतिक संस्थाओं का प्रबंधन शामिल हो।			
11 (क)	सांस्कृतिक विरासत स्वयंसेवी	युवा लोगों की उनके सामाजिक समावेश तथा नागरिक और सांस्कृतिक	--	--	यह स्कीम सांस्कृतिक युवा नेतृत्व कार्यकम के लिए पुन: तैयार की गई है और 12वीं योजना के पहले	इस स्कीम का सीसीआरटी के कार्यकलापों में विलय कर दिया गया है।	--	--	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(सीएचवी) स्कीम/ सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व कार्यकम	कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करके उन्हें उपेक्षा और दरकिनार होने से बचाना।			वर्ष में कार्यान्वित की जाएगी।				
11 (ख)	राष्ट्रीय संस्कृति और विरासत प्रबंधन संस्थान (सांस्कृति संसाधन प्रबंधन केन्द्र)।	सांस्कृतिक और इसके प्रबंधन पर विशेषीकृत पाठ्यक्रमों की पेशकश करने का उद्देश्य।	--	--	यह स्कीम 11वीं योजना में कार्यान्वित नहीं की जा सकी और अब 2012-13 में कार्यान्वित की जाएगी। राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान का विशेषीकृत पाठ्यक्रम चलाने के लिए विस्तार किया जाएगा।	इस स्कीम का सीसीआरटी में विलय कर दिया गया है।			
12	**कला एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता**		**4.30**	**65.30**	इस स्कीम में क्रम संख्या (i) से (iv) में दिए गए ब्यौरे के अनुसार 6 संघटक शामिल हैं।		**3.47**	**55.25**	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		(i) गुरू-शिष्य परंपरा का संवर्धन तथा मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।	--	--	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है। लगभग 500 गुरूओं और 4500 कलाकारों को 2013-14 के दौरान सहायता दी जाएगी।	मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत 1590 व्यक्तियों/ गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता दी गई।			महिलाओं के लिए 30% प्रावधान और टीएसपी के अधीन आने वाले अनुसूचित जनजाति आवेदकों के लिए भी प्रावधान शामिल है।
		(ii) राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलाप में कार्यरत संस्थानों/संगठनों को सहायता देना।	--	--	यह अनुदान आर. के. मिशन, इन्टैक तथा स्पाइकमैके आदि जैसे प्रख्यात संस्थानों को दी जाएगी।	आर0के0 मिशन को योजना और योजनेतर कार्यकलापों हेतु अनुदान दिया गया।			क्र.सं.. 12 (क) के तहत योजना प्रावधान में शामिल।
		(iii) जनजातीय कला और संस्कृति का संवर्धन तथा प्रचार करना।	--	--	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की	यह स्कीम 2008-09 से बंद कर दी गई है। वर्ष के दौरान, पूर्ववर्ती वर्ष की अनुमोदित परियोजनाओं हेतु कोई			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है। योजना प्रावधान क्र.सं. 12 (क) के तहत शामिल।	भी अनुदान जारी नहीं किया गया है।			
		(iv) महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार एवं परिसंवाद आयोजित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए राष्ट्रीय ख्याति के स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान प्रदान करना।	--	--	विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुसार संगठनों को अनुदान दिया जाना है।	सांस्कृतिक कार्यकलापों और भारतीय संस्कृति की विभिन्न विधाओं पर अनुसंधान में लगे हुए गैर-सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता।			क्र.सं. 12 (क) के तहत योजना प्रावधान में शामिल।
		(v) हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, प्रसार और परिरक्षण करना।	--	--	पात्र आवेदनों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सिफारिशों पर निर्भर करता है।	कुल 28 गैर-सरकारी संगठनों को सहायता अनुदान जारी किया गया।			विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या, परियोजना की गुणवत्ता और संगठन की क्षमता

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									पर निर्भर करेगी।
		(vi) उपर्युक्त प्रणाली के लिए प्रतिष्ठित व्यावसायिक एजेन्सी को नियुक्त करना और इसके बाद ऑन लाइन आवेदन का विकास करना।	--	--	अनवरत कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए मंत्रालय अन्य स्तर पर मामला उठाएगा ताकि संस्कृति मंत्रालय द्वारा अनुदान जारी करने के लिए पूर्णतया आनलाइन प्रणाली का इस्तेमाल करके पूर्ण पारदर्शिता लाई जा सके।	इस स्कीम के तहत 2013-14 के दौरान कोई निधि जारी नहीं की गई है।			इस स्कीम का जारी स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।
13	**गांधी शांति पुरस्कार**	भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के एक भाग के रूप में अहिंसा और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक	**1.55**	--	इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले का चयन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक ज्यूरी द्वारा किया जाता है।	श्री चाँदी प्रसाद भट्ट, प्रसिद गांधीवादी और पर्यावरणविद् को दिनांक 18.2.2014 को गांधी शांति पुरस्कार, 2013 प्रदान करने की घोषणा की गई थी। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र और	--	--	2005 से कोई जीपीपी नहीं दिया गया है। प्रत्येक नामांकित

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		परिवर्तन के लिए वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार की घोषणा की है।				1.00 करोड़ रूपए की राशि शामिल है।			व्यक्ति के संबंध में सारांश तैयार किया जाता है। जिसके बाद पुरस्कार के चयन का कार्य ज्यूरी करती है।
14	**राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ)**	राष्ट्रीय संस्कृति निधि का उद्देश्य स्वयं खोजबीन करना, अधिक से अधिक लोगों के साथ काम करना, नियमित क्षेत्र के साथ अधिक सहयोग के लिए पहल करना और लोगों को इस बात से अवगत कराना है कि उनके सहयोग से संस्कृति समृद्ध होगी।	--	0.01	एनसीएफ को 4 परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं और 3 नई परियोजनाएं शुरू की हैं। अनेक नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना प्रस्तावित है। एनसीएफ के अध्यक्ष द्वारा संस्वीकृत परियोजनाओं के कार्यान्वयन भी शुरू किए जाने हैं।	वर्ष 2013-14 के दौरान नई परियोजनाओं हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और इन परियोजनाओं में से 12 परियोजनाएं समीक्षाधीन अवधि में पूरी की गई।	--		--
15	**शताब्दियां एवं**	महत्वपूर्ण हस्तियों और	2.31	90.00	महत्वपूर्ण हस्तियों और उत्सवों की	इन दो महान विभूतियों के बारे में	1.02	91.25	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	वर्षगांठ स्कीम	उत्सवों की शताब्दी/वर्षगांठ समारोहों को मनाने के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।			शताब्दी/वर्षगांठ मनाने के लिए वित्तीय सहायता हेतु अनेक स्वैच्छिक संगठनों की पहचान की गई। (गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ मनाने और स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती मनाने हेतु विलयित प्रावधान 2013-14 के दौरान शताब्दी और वर्षगांठ स्कीम में समाहित हैं।)	विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने और इनकी अवसंरचना सुदृढ़ करने और जागरूकता सृजित करने एवं संवर्धन करने हेतु भी 84 संगठनों को अनुदान जारी किया गया।			
16	**खालसा विरासत परियोजना को वित्तीय सहायता**	खालसा विरासत संबंधी महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जनता विशेषत: युवाओं में इन महान घटनाओं के महत्व के प्रति भावना पैदा करना।	--	--	खालसा विरासत परियोजना के लिए निधियां केन्द्र सरकार (योजना) के 1/3 भाग के रूप में पंजाब सरकार को दी जानी है क्योंकि परियोजना पर खर्च की गई राशि की प्रतिपूर्ति तिमाही आधार पर की जाती है। इस स्कीम के लिए प्रावधान शताब्दियां और वर्षगांठ की स्कीम के तहत शामिल है।	योजना के अंतर्गत इस स्कीम के तहत खालसा विरासत परियोजना हेतु 2.18 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई थी।			यदि चालू वर्ष के दौरान 6.00 करोड़ रू. की पूरी राशि जारी की जाती है तो 1.55 करोड रू. की शेष राशि भारत सरकार की वचनबद्धता के अनुसार देय

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									होगी।
17.	**अन्य स्कीमें/संस्थान (कला और संस्कृति का संवर्धन)**								
(क)	**केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय।**	भारत के तिब्बत और हिमालयी सीमा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के विचार से संस्थान स्थापित किया गया है।	**9.75**	**7.50**			**12.70**	**7.50**	सामान्तया प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर-योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	पुस्तकालय का	पुस्तकें और जर्नल ई. प्रलेख			2400 पुस्तकों और जर्नलों, ई.	लक्ष्य किए गए परियोजना कार्य			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास	और उपकरण खरीदे जाएंगे।			प्रलेख और कुछ उपकरणों की खरीद की जाएगी।	लगभग पूरे किए गए और वार्षिक रखरखाव कार्य एजेंसियों को दिए गए।			
(ii)	प्रकाशन और मुद्रण	पुस्तकों का प्रकाशन			12 पुस्तकों का प्रकाशन।	9 पुस्तकें प्रकाशित की गई।			
(iii)	दुर्लभ बौद्ध पाठों का अनुसंधान, अनुवाद एकक को पुन: स्थापित करना, भाषा और प्रयोगशाला की स्थापना, बौद्धिक करार का संवर्धन, विद्वानों, सम्मेलनों, सेमिनारों का आदान प्रदान, दरभंगा संस्थान के महायान बौद्ध संस्कृत श्रृंखला पाठ पीरियोजना	भारतीय सीमा क्षेत्र के विद्यार्थियों, जिन्होंने पहले तिब्बत में उच्चतर शिक्षा प्राप्त की है, को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा की पेशकश करना।			दीह का वार्षिक प्रकाशन, एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी, 34 अध्यायों का सम्पादन और पाण्डुलिपि का सर्वेक्षण किया जाएगा, ग्रंथ के 625 पृष्ठों (तिब्बती और संस्कृत) का अनुवाद और पुन: मुद्रण करना/एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। भाषा प्रयोगशाला आयोजित की जाएगी/राष्ट्रीय सेमिनार परिसंवाद आयोजित किए जाएंगे। एम.बी.एस.एस.टी. दरभंगा के पुन: मुद्रण का कार्य प्रगति पर है। तिब्बती मेडिकल कोश 7200 शब्द प्रविष्टि। तिब्बती संस्कृत ज्योतिष -3550 शब्द प्रविष्टि, विनय कोश 2500 शब्द प्रविष्टि, संस्कृत तिब्बत कोश	एक वार्षिक जर्नल प्रकाशित किया गया और 25 अध्यायों का संपादन किया गया 815 पृष्ठों का अनुवाद और जीर्णोद्धार किया गया। 1 सेमिनार/बैठक आयोजित की गई। 2 राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए गए। कुछ असुपुर्द कार्यक्रम विषयक कार्य पूरे किए गए। तिब्बती- संस्कृति आयुर्विज्ञान कोश 8500 शब्द प्रविष्टि, तिब्बती संस्कृत ज्योतिष -4800 शब्द प्रविष्टि, छात्र तिब्बती - संस्कृति-3000 शब्द प्रविष्टि, विनय कोश 2800 प्रविष्टि और वार्तालाप शब्द 4000 शब्द।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	का पुन-: संपादन और प्रकाशन, विश्वकोश और तकनीकी शब्द कोशों का संकलन।				35000 शब्द प्रविष्टि, नामा कोश 2000 शब्द प्रविष्टि। तिब्बती संस्कृत ज्योतिष - 5000 शब्द प्रविष्टि				
(ख)	**केन्द्रीय बौद्घ अध्ययन संस्थान, लेह**	बौद्ध विचारों और साहित्य की शिक्षा के प्रसार के माध्यम से छात्रों के बहुपक्षीय व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें आधुनिक विषयों से अवगत कराना। इसके साथ दुर्लभ पुस्तकों का प्रकाशन, अनुवाद परिरक्षण, संग्रहण करना तथा बौद्ध अध्ययनों आदि से संबंधित अनुसंधान कार्य करना।	**6.90**	**7.85**	147 कर्मचारियों के लिए वेतन और विद्यार्थियों के लिए वजीफे योजनेतर शीर्ष के तहत कवर किए गए हैं। योजना के तहत प्रावधान में टीएसपी के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यकलाप के लिए निधियां शामिल हैं।		**6.83**	**6.05**	सामान्यत: प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर-योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	भवन निर्माण	सी.आई.बी.एस और डी पी एस, जांस्कर के लिए वास्तविक अवसंरचना का निर्माण।			सीआईबीएस और डीपीएस जांस्कर के लिए के.लो.नि.वि. और राज्य लोक निर्माण विभाग के जरिए चरणबद्ध रूप से निर्माण कार्य इस	सीआईबीएस और डीपीएस जांस्कर हेतु अवसंरचना का निर्माण कार्य वर्ष के दौरान जारी रहा।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					वर्ष जारी रहेगा।				
(ii)	वर्तमान गोन्पा/मठीय विद्यालयों के लिए प्रावधान, दुर्लभ पुस्तकों / पाण्डुलिपियों का प्रकाशन, पारम्परिक लद्दाखी कला व संस्कृति का परिरक्षण हिमालय की बौद्ध संस्कृति के विश्व कोश का संकलन।	विद्यार्थियों के लिए शिक्षक नियुक्त करके और वजीफा देकर गोन्पाओं के शैक्षिक कार्यकलापों को सहायता देना।			नए सृजित संकाय और गैर संकाय पदों के लिए वेतन का प्रावधान। 50 गोंपा/ननरी स्कूल चल रहे हैं। डी.पी.एस. जांस्कर के लिए अध्यापकों के पदों का वेतन और विद्यालयों के स्तरोन्नयन के लिए 4 अनुसंधान विद्वान प्रोफेसर (यूजीसी के स्वीकृत पैटर्न के अनुसार आकस्मिक व्यय) छात्रवृत्तियों एवं अध्येतावृत्तियों के लिए शोध कर रहे हैं। – दुर्लभ पुस्तकों/पाण्डुलिपियों का प्रकाशन, सेमिनार/ विचारगोष्ठी , व्याख्यानमाला का आयोजन, पारंपरिक लद्दाखी कला और संस्कृति का परिरक्षण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम चलाना, पुस्तकालय के लिए पुस्तकों आदि की खरीद, रसोई ईंधन, भवन के लिए साज–सज्जा फर्नीचर के लिए प्रावधान सेवाकालीन	संबंधित नियुक्त किए गए संकाय सदस्यों को वेतन का भुगतान किया गया था। गोन्पा/मठीय विद्यालयों में सुधार/हिमालयी बौद्ध संस्कृति विश्वकोश का संकलन प्रगति पर है। बौद्ध दार्शनिक पाठ का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद प्रगति पर है। हिंदी - तिब्बती और तिब्बती-हिंदी शब्द कोश का संकलन कार्य। लैब विकसित करते हुए कंप्यूटरीकरण, इंटरनेट और नेटवर्किंग। बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय केलांग का सीआईबीएस का शाखा विद्यालय के रूप में अधिग्रहण किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रशिक्षण और अनुरक्षण और सेवा प्रदान करना। 3 बौद्ध ग्रंथों का अनुवाद। -हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोश के संकलन का कार्य प्रगति पर है। -हिंदी और अंग्रेजी में दार्शनिक पाठ। -हिंदी–तिब्बती एवं तिब्बती–हिंदी शब्दकोश का संकलन। -संस्थान के इंटरनेट एवं नेटवर्किंग का कंप्यूटरीकरण -बौद्ध दर्शन संस्कृति विद्यालय केलांग को सीआईबीएस विद्यालय लेह की एक शाखा के रूप में अधिग्रहण किया गया है।				
(ग)	**गांधी स्मृति और दर्शन समिति**	विभिन्न सामाजिक - शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके महात्मा गांधी के जीवन, मिशन और विचारों का प्रचार करना।	**4.68**	**8.40**			**5.04**	**8.69**	सामान्तया प्रशासनिक एवं स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप :- 1. शैक्षिक संस्थाओं के साथ नियमित कार्यक्रम क) विद्यालयों में गांधी शिक्षण। ख) युवाओं के बीच गांधी विचारों का प्रसार। ग) महिलाओं के लिए कार्यक्रम। घ) यादगार कार्यक्रम ड.) अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ	महात्मा गांधी के जीवन संदेश और सामाजिक विषय के मामलों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराना। महात्मा गांधी के जीवन संदेश और सामाजिक विषयों के मामले के बारे में युवाओं को अवगत कराना, रचनात्मक कार्य का संवर्धन करना। महात्मा गांधी के जीवन संदेश और सामाजिक विषयों के मामलों के बारे में अवगत करना, रचनात्मक कार्य का संवर्धन। रचनात्मक कार्य का संवर्धन और लाभ से वंचित			इस पहल के भाग के रूप में बच्चों के साथ नियमित पारस्परिक बातचीत करना; गांधी स्मृति का प्रदर्शन दौरा; सामाजिक और विकासात्मक अनेक मामलों पर विचार विमर्श और प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वर्ष के दौरान युवाओं के पास पहुंच के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करना; विभिन्न मामलों में महिलाओं के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम; विकासात्मक प्रक्रिया आरंभ करने के लिए बातचीत शुरू करना; विकासात्मक प्रक्रिया शुरू करने के लिए कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित	देश के विभिन्न भागों में और गांधी स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न राज्यों में युवाओं से संबंधित कार्यक्रम/ प्रशिक्षण/ कार्यशालाएं आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समिति ने विभिन्न रचनात्मक और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए देश के विभिन्न राज्यों में संपर्क करते हुए महिलाओं को शामिल किया। गांधी जयंती, शहीदी दिवस, निर्वाण दिवस (सेवा यज्ञ) विनोबा जयंती आदि के दौरान कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनेक क्षमता निर्माण कार्यक्रम/ व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित किए गए।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम	महिलाओं का सशक्तिकरण /आबादी समूह में गांधी का संदेश देना इसका उद्देश्य है और महात्मा गांधी के जीवन के महत्वपूर्ण दिनों का स्मरणोत्सव अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ समिति के विभिन्न कार्यकलाप शुरू करना।			किए जाएंगे और विभिन्न व्याख्यानों, सेमिनारों, रचनात्मक कार्यों के माध्यम से महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी से संबंधित महत्वपूर्ण तारीखों पर समारोह आयोजित किए जाएंगे।				
	प्रसार बुनियादी ढांचा, पूर्वोत्तर कार्यक्रम	ऐसे कार्यकलाप शुरू करना जो महात्मा गांधी के जीवन, कार्य और विचारों की बेहतर समझ पैदा करे। गांधीवादी कार्य में कार्यरत अन्य सरकारी संगठनों के परामर्श और सहयोग से महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित वैयक्तिगत कागजात और अन्य ऐतिहासिक सामग्री का अधिग्रहण, रख-रखाव और परिरक्षण करना। गांधी स्मृति और गांधी दर्शन परिसर के			प्रकाशन आवधिक रूप से प्रकाशित किए जाएंगे : समिति के कार्यक्रम से संबंधित नए प्रकाशन भी प्रकाशित किए जाएंगे। गांधी स्मृति और गांधी दर्शन दोनों परिसरों में विकास कार्य शुरू किया गया था : गांधी संबंधी विरासत के पुनर्स्थापन का कार्य शुरू किया जाना है। नई पुस्तकें खरीदी जाएंगी; स्मृति की अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए उपकरणों की खरीद की जाएगी। वर्ष के दौरान समिति द्वारा सम्मेलन/निर्माण कार्यक्रम	वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रकाशनों को प्रकाशित किया जाएगा :– 1. वार्षिक रिपोर्ट 2. अनाशक्ति दर्शन 3. अंतिम जन 4. मोनिया श्रृंखला 5. अन्य रिपोर्ट/प्रकाशन इन प्रकाशनों के माध्यम से महात्मा गांधी के संदेश और अन्य मुद्दों को सामने रखा गया और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीको से लगभग 20,000 बच्चों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों तक पहुंच बनाई गई। - वर्ष के दौरान विभिन्न विकास कार्य शुरू किए गए।			पूर्वोत्तर में समाज के कमजोर वर्गों के लिए जीविका के अवसरों में सुधार करने के लिए बच्चों की भागीदारी कार्यक्रम।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		मण्डप में शहीदी स्तम्भ का परिरक्षण और अनुरक्षण। इस पहल का उद्देश्य पूर्वोत्तर के लोगों में इसको पहुचाना है।			आदि आयोजित किए जाएंगे।	पूर्वोत्तर राज्यों में भी महात्मा गांधी के संदेश/विचारों के प्रचार-प्रसार पर कार्यक्रम आयोजित किए।			
(घ)	**नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार**	प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व प्रसिद्धि को पुनर्जीवित करना। पाली भाषा, साहित्य और बौद्ध शास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान शुरू करना।	**3.54**	**5.00**			**3.89**	**5.55**	सामान्यत: प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए योजनेतर अनुदान का इस्तेमाल किया जाता है।
i.	पुस्तकालय सेवा में सुधार और उसका विकास	पाली, बौद्ध दर्शन, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि की नई पुस्तकें खरीदकर पुस्तकालय का विकास करना।			1000 से अधिक पुस्तकें खरीदे जाने की आशा है और पुस्तकों का कम्पयूटरीकरण और अंकीकरण किया जाएगा।	छात्रों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अनेक पाठ्य पुस्तकों की खरीद की गई।			ताई, खामती, मोनापा, आदि बौद्ध समुदाय धार्मिक जीवन आदि के प्रलेखन पर एन.ई.आर कार्यकलाप और एन.ई. में राष्ट्रीय सेमिनार
ii.	जुआनजांग मेमोरियल हॉल का विकास	एक्स जेड एम के ऊपर और बाहर भित्तिचित्र कलाओं तथा भू-दृश्य निर्माण आदि जैसे			नियमित विकास व अनुरक्षण के कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा, जुआनजांग के अवशेषों को	युआन जंग के जीवन से संबंधित विभिन्न चित्रकला एवं भित्तिचित्रों को स्मारक में जोड़ा गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सृजन कार्यों को पूरा करना।			रखने व उनका परिरक्षण करने के लिए अलग भवन का निर्माण करने का प्रस्ताव है। अन्य रचनात्मक कला कार्यों को भी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।				आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है।
iii.	सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन	अंतर-संस्थान आदान-प्रदान के आधार पर सेमिनार, कार्यशालाएं आदि आयोजित करके बौद्घ विचारधारा का प्रचार और प्रसार			प्रत्येक वर्ष एन.एन.एम. द्वारा स्वतंत्र रूप से अथवा अन्य संस्थाओं के सहयोग से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करना। इन कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि से एकत्रित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सामग्री को मुद्रित किया गया है और अध्येताओं एवं शोधार्थियों के लिए उपलब्ध है।	कार्यशालाएं, सेमिनार, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम एवं व्याख्यान आयोजित किए गए हैं। वार्षिक स्थापना दिवस और विशेष दीक्षांत समारोह में प्रकांड विद्वान, उच्च अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।			
iv.	(i) कम्पयूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग बढ़ाना। (ii) महाविहार के	संस्थान में कंप्यूटर और नेटवर्क प्रणाली सहित पूर्णतया सूचना प्रौद्योगिकी की स्थापना करना। उत्कृष्ट छात्रों की सहायता करना।			पहले से मौजूद कंप्यूटरों के संचालन एवं रख-रखाव पर होने वाले खर्च का वहन और नए कंप्यूटरों की खरीद भी की जाएगी। भारतीय और विदेशी विद्यार्थियों को इससे लाभ मिलेगा।	पहले से मौजूद कंप्यूटरों के संचालन एवं रख-रखाव पर होने वाले खर्च का वहन और नए कंप्यूटरों की खरीद भी की जाएगी। भारतीय और विदेशी विद्यार्थियों को इससे लाभ मिलेगा।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उत्कृष्ट छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।								
v.	पुराने और नए प्रकाशनों का मुद्रण तथा प्रलेखन प्रदर्शनी	इसका मुख्य उद्देश्य पूर्व सेमिनारों और अन्य अनुसंधान अभिमुख सामग्री को मुद्रित और पुन:मुद्रित करना तथा प्रदर्शनियों का आयोजन और उनका प्रलेखन करके बुद्घ की शिक्षा का संवर्धन व प्रचार-प्रसार करना है।			वार्षिक और लेखा परीक्षा रिपोर्टों, सेमिनारों की कार्यवाही का मुद्रण और पुरानी पुस्तकों का पुन:मुद्रण शुरू किया जाएगा।	पहले की सेमिनार, पाली ग्रंथों आदि की कार्यवाही से संबंधित मुद्रण कार्य किए गए।			
vi.	पाली-हिंदी शब्दकोश परियोजना	यह स्कीम केवल पाली-हिंदी शब्दकोश तैयार करने पर केन्द्रित है।			पाली-हिंदी शब्दकोश जो अपने प्रकार का अद्वितीय है एक जारी परियोजना है जिसके तहत खण्ड -I, II, III जोकि पहले ही जारी किया जा चुका है और एक दूसरा खंड वर्ष के दौरान आने की अपेक्षा है।	बीओएम के अनुमोदन से नियत पारिश्रमिक पर तीन प्रसिद्घ विद्वानों को नियुक्त किया गया है। उनकी सहायता के लिए 3 और सहायकों की नियुक्ति की गई है।			
vii.	100 बिस्तरों वाले नई धात्रावास और कन्वेंशन हाल	विदेशी छात्रों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करना और आस-पास विकासात्मक वातावरण एन.एम.एम. के			निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, पटना द्वारा किया जा रहा है। 64 एकड से अधिक भूमि में फेले एक्सएचएम परिसर में	केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के माध्यम से निर्माण कार्य प्रगति पर है। महाविहार की रसोई सह भोजन कक्ष का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया			निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, पटना द्वारा

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	का निर्माण उद्यान का विकास और आवासीय परिसर में भूमि का अधिग्रहण (10 एकड़)	स्टाफ के लिए रहने की बेहतर सुविधाएं।			अनियमित श्रमिकों द्वारा बगीचों की कटाई-छंटाई, पोषण, रोपण, पानी देने का और सामान्य रख-रखाव किया जाना है।	है।			किया जाएगा।
(ङ.)	**मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता**	19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, संस्कृति और राजनैतिक आर्थिक आंदोलन के अध्ययन सहित मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन और कार्यों का अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करना।	**1.24**	**6.30**			1.02	4.54	सामान्तया प्रशासनिक व स्थापना व्यय के लिए योजनेतर अनुदान का इस्तेमाल किया जाता है।
i.	पूर्वोत्तर सहित अनुसंधान परियोजना/अध्येतावृत्ति और अन्य संवर्धनात्मक	भारत तथा अन्य एशियाई देशों में अनुसंधान कार्यकलाप शुरू करना तथा सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक परिवर्तनों का प्रकाशन।			(i) 35 पूर्णकालिक आवासीय अध्येता पूर्वोत्तर भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों पर अनुसंधान कार्य करेंगे। परियोजनाओं, पुस्तकालय, सम्मेलन सुविधा एवं अंतरराष्ट्रीय छात्रवास का स्थान संस्थान के साल्ट लेक परिसर	i) 26 पूर्ण कालिक आवासीय अध्येता पूर्वोत्तर भारत सहित अनुसंधान अध्ययन कर रहे हैं। ii) 6 परियोजना अध्येता मुख्यत: पूर्वोत्तर भारत में कार्यरत हैं। 7 सेमिनार और 13 अंतरराष्ट्रीय स्तर			शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत तिमाही प्रगति रिपोर्ट और पांडुलिपि में विलंब।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यकलाप				में है। (ii) मुख्य रूप से पूर्वोत्तर भारत में 10 से अधिक परियोजना कार्य अध्येता करेंगे। दौरे और सेमिनार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होंगे। संस्थान सेमिनार आयोजित करने में अन्य निकायों की मदद करेगा। 14 सदस्यों का नियमित स्टाफ इस संस्थान के स्थापना कार्य को चलाएगा। (iii) विरासत भवन से 1 प्रलेखन केन्द्र संचालित होगा। (iv) संविदा स्टाफ प्रशासनिक लेखा संबंधी एवं पुस्तकालय और संग्रहालय का कार्य कर रहा है। (v) साल्ट लेक परिसर में पूर्वोत्तर केन्द्र सृजित किया जाएगा। (vi) ई–पुस्तकालय और पुस्तकों तथा परियोजनाओं का अंकीकरण।	के सेमिनार आयोजित किए गए। संस्थान ने सेमिनार आयोजित करने के लिए 9 संस्थाओं को सहायता दी है। iii) 11 बाह्य परियोजनाएं चल रही हैं। iv) नियमित कार्मिकों के 14 सदस्य इस संस्थान की स्थापना कार्य की देख रेख कर रहे हैं। v) एक प्रलेखन केंद्र विरासत भवन में कार्यरत है। एमएकेएआईएएस के पास उपलब्ध मौलाना आजाद से सम्बद्ध कागज-पत्रों अभिलेखों का अंकीकरण कार्य प्रगति पर है। vi) संविदात्मक कार्मिक प्रशासन, लेखा, पुस्तकालय और संग्रहालय के लिए कार्य कर रहे हैं। vii) सिक्किम में एमएकेएआईएएस उत्तर-पूर्व केंद्र का प्रचालन करने हेतु सिक्किम			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन किया गया है। viii) ई-पुस्तकालय और पुस्तकों की सूची का अंकीकरण प्रगति पर है। ix) एमएकेएआईएएस वेबसाइट का पुन: डिजाइन प्रक्रियाधीन है।			
ii.	पुस्तकों का प्रकाशन/अर्जन।	विभिन्न विषय क्षेत्र में शोधार्थियों के अनुसंधान कार्य का प्रकाशन।			10 पुस्तकों और एक जर्नल का प्रकाशन किया जाएगा।	मार्च, 2014 के अंत तक, 15 पुस्तकों और एक पत्रिका का प्रकाशन किया गया है।			
iii.	मौलाना आज़ाद संग्रहालय	इस संग्रहालय ने कोलकाता के लोगों को प्रभावित किया है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में मौलाना आज़ाद के योगदान और उनकी स्मृति का संग्रह आगंतुकों के लिए प्रदर्शित किया गया है।			संग्रहालय का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। संग्रहालय निम्न का रख-रखाव करता है :- (1) मौलाना आजाद का स्मरणीय (2) एल.सी.डी., टी.वी. तथा (3) मौलाना आजाद पर दृश्य सामग्री (4) मौलाना आजाद के जीवन और कार्य पर अभिलेख सामग्री। संस्थान मौलाना आजाद के जीवन और समय से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों का प्रबंध करेगी	मौलाना आजाद से सम्बद्ध 44 काष्ठ कलाकृतियों को शामिल करते हुए संग्रहालय के संग्रह को सुदृढ किया गया है। उन पुरातन वस्तुओं का जीर्णोद्धार प्रक्रियाधीन है।			निधियों की उपलब्धता तथा कला कृतियों की आसान उपलब्धता

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					(5) संग्रहालय का स्वतंत्र सेमिनार कार्यक्रम होगा।				
iv.	नए परिसर और छात्रावास का रख-रखाव एवं उन्नयन (साल्ट लेक परिसर के रख-रखाव सहित)	कार्यालय स्टाफ के लिए स्थान उपलब्ध कराना, अध्येताओं के लिए कार्य स्टेशन, सेमिनार हॉल और आगंतुक संकाय एवं विद्वानों के लिए प्रावधान।			(1) के.लो.नि.वि. एवं अन्य निकायों द्वारा शुरू किए गए कार्य में तेजी लाने हेतु नियमित जानकारी लेना। 2) कार्यालय वाहन (3) फर्नीचर, कंप्यूटर आदि की खरीद।	साल्टलेक में नए तीन मंजिला भवन का केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रखरखाव किया जा रहा है। पुस्तकालय भवन और हॉस्टल भवन दोनों के भूतों का मरम्मत कार्य चल रहा है।			के.लो.नि.वि. एवं अन्य निकाय द्वारा कार्य में विलंब।
(च)	**कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई**	रूकमणि देवी अरूणदले द्वारा 1936 में कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान की स्थापना की गई थी और यह विशेष तौर से नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भारतीय कला के परम्परागत मूल्यों का परिरक्षण के लिए सांस्कृतिक अकादमी के रूप में कार्य करता है। इस संस्थान के प्रकट उद्देश्य कला के सभी रूपों और इसके क्षेत्रीय रूप भेदों का समन्वय करना है	**5.19**	**4.00**			**5.59**	**3.59**	सामान्यत: योजनेतर अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		और परिणामस्वरूप सही कला के मानक स्थापित करना है।							
i.	रंगमच उन्नयन - कूथाम्बलम	भारतीय/ अन्तरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए अन्तरराष्ट्रीय मानकों के समकक्ष उन्नत श्रव्य एवं प्रकाश व्यवस्था से संबंधित उपस्कर प्रदान करना।			सिविल कार्यो में वृद्धि एवं परिवर्तन सहित साउंड एवं स्टेज प्रबंधन में अत्याधुनिक प्रौद्यौगिकी संस्थापित करने के लिए कूथाम्बलम का नवीकरण।	प्रशासनिक औपचरिकताएं प्रक्रियाधीन थी।			
ii.	रंगमंच उन्नयन - रूकमणि आरंगम	परिसर में आइकोनिक प्रदर्शन स्थानों के एक स्थान पर सुविधाओं का उन्नयन करना।			ऑडिटोरियम की छत सुविधा, रोशनी की सुविधा, आवाज प्रणाली, ग्रीन रूम, इलेक्ट्रानिक लाइन और बैठने की सुविधा का उन्नयन करना।	आपूर्ति आदेश दे दिया गया है और उपकरण प्राप्त किए गए।			यह परियोजना वर्ष 2013-14 दौरान शुरू की जाएगी।
iii.	संग्रहालय परियोजना	कलाक्षेत्र की संस्थापक श्रीमती रूकमणि देवी के जीवन और समय रेखांकित को करने वाले फोटो, पुरावस्तुओं और स्मरणीय वस्तुओं की विश्वस्तरीय प्रदर्शन व्यवस्था का सृजन करना।			श्रीमती रूकमणि देवी के बहुमूल्य दुलर्भ संग्रह तथा निजी वस्तुओं और दक्षिण भारतीय कला रूपों और संबंधित पुरावस्तुओं के प्रदर्शन के लिए संग्रहालय।	श्रीमती रूकमणि देवी अरूणदले से संबंधित कलाकृतियों का सूचीबद्धकरण प्रगति पर था और 2655 वस्तुओं का सूचीबद्धकरण किया गया।			
iv.	निर्माण परियोजना- आहाते की	आगुन्तक के लिए अनुकूल वातावरण और विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया			सभी परिसरों के लिए आहाता दीवार और दरवाजों के नवीकरण का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा।	नवीकरण कार्य की पहचान की गई और सभी कार्यों को पूरा कर लिया गया।			यह परियोजना वर्ष 2013-14 के दौरान शुरू की

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	दीवार, स्वागत केन्द्र और छात्रवास भवन इंजीनियरिंग शेड का निर्माण। वेस्ट टैंक स्ट्रीट, तिरूवनमियूर में पुराने घरों का नवीकरण।	करना। अवसंरचना और इंजीनियरिंग से संबंधी आवश्यकताओं से जुड़ी विभिन्न वस्तुओं को रखने के लिए एक केन्द्रीय स्थल मुहैया कराना। समुचित रूप से उपयोग करने के उद्देश्य से प्रस्तुति और प्रदर्शन के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान करने के लिए कलाक्षेत्र द्वारा नियंत्रित मौजूदा स्थान का नवीकरण और पुनर्स्थापना।			प्रतिष्ठान के नए स्वागत केन्द्र का निर्माण शुरू किया जाएगा। छात्रवास भवन एवं विद्यालय भवन के नवीकरण का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा। विभिन्न इलेक्ट्रिकल, मकेनिकल और निर्माण संबंधित संघटको को रखने के लिए क्षेत्र की पहचान करना। यह परियोजना वर्ष के दौरान शुरू की जाएगी।				जाएगी।
v.	अनुसंधान और प्रलेखन	पारंपरिक कला रूपों में कार्यकलापों को आगे बढ़ाने में सहायक कार्य करना तथा इस क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति की बराबर जानकारी रखने के लिए युवा पीढी को प्रशिक्षित करना।			पाण्डुलिपियों, दस्तावेजों के पाठ, फोटो अभिलेखागार के साथ-साथ दृश्य एवं श्रव्य अभिलेखों, जन समारोहों : परस्पर वार्ता सत्र और प्रशिक्षण कार्य को डिजिटीकृत अभिलेख।	नियमित स्टाफ प्रशिक्षण सत्रों और फील्ड ट्रिप्स के अलावा प्रतिष्ठित विषय जानकारों द्वारा तीन कार्याशालाएं और चार व्याख्यानों का आयोजन, 150 घंटे की श्रव्य अभिलेखीय सामग्री, और 250 घंटों के विडियो प्रलेखीकरण तथा 5,000 फोटोग्राफ्स का डिजीटाइजेशन किया			यह एक पूरे वर्ष चलने वाले अनवरत कार्यकलाप है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						गया। एक नृत्य नाटिका का पुनर्जीवन, नव निर्माण -। जरनलों का प्रकाशन, पुस्तिकाओं का प्रकाशन, कला कार्यों के अंतर्गत कोडालिकृप्पर साड़ी पर प्रायोगिक कार्य।			
vi.	उत्सव एवं प्रस्तुतियां	संस्कृति के संवर्धन के लिए विभिन्न उत्सवों एवं प्रस्तुतियों को आयोजित करना।			आम लोगों के लिए विभिन्न कला रूपों के प्रदर्शन के कार्यक्रम और उत्सव, प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।	चार महोत्सवों तथा कलाशिल्प बाजारों का आयोजन किया गया जिसमें समस्त भारत के कला रूपों को प्रस्तुत किया गया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत महोत्सव में भारत में विभिन्न प्रस्तुतियों तथा विदेशों में 2 प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया।			यह एक पूरे वर्ष चलने वाले अनवरत कार्यकलाप है।
(छ)	**नामग्याल तिब्बती शास्त्र संस्थान, सिक्किम**	'छोज' (बुद्घ की शिक्षा) के ज्ञान को फैलाना।	**0.70**	**0.21**	सिक्किम और हिमालयी क्षेत्र संबंधी प्रलेखन एवं प्रकाशन का जारी कार्यक्रम। संस्थान की कलाकृतियों की मरम्मत एवं रख-रखाव। सदियों पुरानी मौखिक परंपराओं एवं बौद्ध मठ संबंधी प्रथाओं का अभिलेखन एवं अनुरक्षण किया जाना। सिक्किम के पुराने एवं दुर्लभ फोटोग्राफों को खोजना, डिजिटीकरण एवं प्रलेखन	संस्थान ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान 'छोज' संबंधी ज्ञान के प्रसार से जुड़े अपने मौजूदा कार्यक्रमों को जारी रखा है।	0.62	0.63	वित्तीय मांग एन.ई. आवंटन एवं टी.एस.पी. से पूरी की जाती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					करना ।				
(ज)	**अध्येतावृत्ति स्कीम**		2.50	9.25			1.90	8.36	
	क) मंच कला, साहित्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को अध्येतावृत्ति	इस स्कीम के अंतर्गत संगीत, नाटक, रंगमंच, दृश्य कला, लोक और देशज कलाओं के साहित्य और पारंपरिक कलारूपों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।		--	200 कनिष्ठ तथा 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियॉ प्रदान की जानी है।	200 कनिष्ठ तथा 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान की गई।			
	ख) युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति	इस स्कीम के अंतर्गत भारत में उच्च प्रशिक्षण के लिए युवा उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता दी जाती है।			400 छात्रवृत्तियां दी जायेंगी।	400 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई।			
	ग) सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति की स्कीम, पूर्व में ज्ञान संस्थानों में	यह संस्थानों में विद्वानों/शिक्षाविदों के पार्श्व संचलन को संस्थानों के मुख्य उद्देश्य से संबंधित परियोजनाओं और शोध कार्य शुरू करने तथा उनको नए सृजनात्मक क्षमता से समृद्घ	--	--	15 टैगोर अध्येतावृत्ति दी जानी है और 25 टैगौर राष्ट्रीय अनुसंधान छात्रवृत्ति दी जानी है।	5 टैगोर अध्येतावृत्ति और छह टैगोर विशेषज्ञों का चयन किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सुनम्य विनियोजन स्कीम;	करने पर विचार करता है।							
(झ)	**कलाकार पेंशन स्कीम।**	उन कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जिनका कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा हो तथा जो 58 वर्ष से अधिक आयु के हैं और अभावग्रस्त परिस्थितियों में हों। बीमार कलाकारों को चिकित्सा सुविधा।	**2.35**	**15.50**	इस पेंशन स्कीम के तहत 3378 कलाकारों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। प्रसिद्घ कलाकारों को उनकी चिकित्सा एवं अन्य उद्देश्यों के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।	स्कीम के तहत 2902 कलाकारों को पेंशन सहायता उपलब्ध कराईगई।	**1.08**	**14.24**	इस स्कीम का क्रं.सं.(i) में उल्लिखित स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।
(ञ)	**सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल**	विश्व के अन्य देशों के साथ पारस्परिक आधार पर सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन	**0.95**	**--**	इस निधि का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक करार के अंतर्गत विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के सांस्कृतिक दौरों की मेजबानी करना/सम्मेलन/बैठकें आयोजित करना है। वर्ष 2013-14 के दौरान सांस्कृतिक करार के अंतर्गत विभिन्न देशों के साथ नए सीईपी हस्ताक्षरित/निष्पादित किए जाएंगे और सांस्कृतिक करार के अधीन बैठक/सम्मेलन आयोजित	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के रूप में क्षेत्र विशिष्ट प्रयासों के माध्यम से कार्य रणनीतिक उपागमों को तैयार करना। वर्ष 2013-14 के दौरान 9 सीईपी पर हस्ताक्षर किए गए दौरे : i) संस्कृति मंत्री के नेतृत्व में एक सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस और आस्ट्रिया का दौरा किया। ii) संस्कृति मंत्री के नेतृत्व में दो	**0.02**		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					किए जाएंगे।	सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बेलारूस का दौरान किया। iii) सचिव, संस्कृति के नेतृत्व में दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पेरू, क्यूबा और त्रिनिदाद और टोबेगो का दौरा किया जिसका उद्देश्य पेरू और क्यूबा में भारत का लघु महोत्सव आयोजित करना और त्रिनिदाद टोबेगो के साथ सांस्कृतिक सहयोग पर विचार-विमर्श को आगे बढ़ाना था। (ख) निम्नलिखित प्रतिनिधिमण्डलों ने भारत का दौरान किया:- 1) छह सदस्यीय चीनी प्रतिनिधिमंडल ने 27.8.2013 को दौरा किया। 2) छह सदस्यीय लातीबियाई प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। 3) छह सदस्यीय सऊदी अरब प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया।			
(ट)	**बौद्घ/तिब्बती संगठनों के परिरक्षण और**	बौद्घ/तिब्बती संस्कृति व कला के वैज्ञानिक विकास का संवर्धन एवं प्रचार करना।	--	3.50	यह कार्य पात्र आवेदनों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सिफारिशों पर निर्भर करता है।	164 पात्र गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।	--	4.71	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों की

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास के लिए वित्तीय सहाता				संस्कृति मंत्रालय अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापन देता है जिसमें बौद्घ स्कीम के अधीन राज्य सरकारों द्वारा विधिवत संस्तुत एवं अग्रेषण के साथ आवेदन करने के लिए पात्र संगठनों से अनुरोध किया जाता है। आवेदन प्राप्ति के पश्चात यह मंत्रालय उसे विशेषज्ञ सलाहकार समिति के समक्ष उसकी संस्तुतियों के लिए रखता है।				संख्या परियोजना की गुणवत्ता और संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।
(ठ)	**स्मारकों के विकास के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता।**	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	**0.50**	**9.00**	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए बहुत से स्वैच्छिक संगठनों की पहचान की गई।	छह संगठनों को कॉर्पस अनुदान प्रदान किया गया (5 गांधीवादी संस्थान और इंदिरा गांधी स्मारक ट्रस्ट)	**0.07**	**24.00**	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ड)	**स्टूडियों/थियेटर सहित सांस्कृतिक संगठनों को भवन अनुदान**	स्टूडियों थियेटर सहित सांस्कृतिक स्थानों के सृजन के लिए स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों और सरकारी सहायता प्राप्त संस्कृतिक संगठनों को अनुदान देना।	--	2.00	सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न संगठनों से प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	3 एनजीओ को अनुदान दिया गया।	--	0.06	पात्र मामलों में धनराशि जारी करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं और विशेषज्ञ समिति की बैठक की जाती है।
(ढ)	**बौद्घ और सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, तवांग मठ**	बौद्ध मठ शिक्षा प्रदान करना एवं प्राचीन बौद्घ परंपराओं का अनुरक्षण।	--	0.01	इस संस्थान में नामांकित बौद्ध भिक्षु विद्यार्थियों को बेहतर मूर्तिकला और सैंड मॉडल्स सहित बौद्घ शिक्षा एवं दर्शनशास्त्र के साथ पारंपरिक शिक्षा प्रदान की जाएगी।		--	1.21	इस मठ के कार्याकलापों का वित्त पोषण पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आवंटित निधियों से किया जाता है। सामान्यत: योजनेतर निधि वेतन एवं प्रशासन उद्देश्यों के लिए रखा

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									जाता है।
(ण)	**तिब्बत हाउस, नई दिल्ली**	तिब्बती संस्कृति का संवर्धन, परिरक्षण और संरक्षण करना, तिब्बत और गैर-तिब्बती कलाकारों व शिल्पकारों के बीच विचारों और तकनीक के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है।	--	0.75	तिब्बती संस्कृति का अनुरक्षण संवर्धन और सुरक्षा करना, तिब्बतियों और गैर-तिब्बतियों के बीच विचारों और तकनीकों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना।	इसने तिब्बती बौद्ध अध्ययन और कला के प्रति जागरूकता लाने के समन्वयन कार्यों से जुड़े अपने कार्यकलापों को कार्यान्वित/शुरू किया तथा अपने संग्रहालय का रखरखाव भी किया।	--	0.75	अनवरत गतिविधि
(त)	**केंद्रीय हिमालयी सांस्कृति अध्ययन संस्थान, दहुंग, अरुणाचल प्रदेश**	भारत की बौद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण एवं संवर्धन	1.00	0.51	संस्थान द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक पाठयक्रमों के अलावा, यह निदेशक आवास, टाइप-III आवासीय ब्लॉक का निर्माण भी जारी रखेगा। संस्थान के लिए पुस्तकालय और पुराने सीआईएचसीएस परिसर का अवसंरचना विकास।	इस संस्थान ने वर्ष 2013-14 के दौरान अपनी नियोजित गतिविधियां जारी रखीं। भूमिदाता के साथ अनसुलझे विवाद के कारण वर्ष के दौरान धनराशि जारी नहीं की गई। तथापि, कंप्यूटर/व्यवसाय प्रशिक्षण केंद्र के लिए 67.50 लाख रूपए जारी किए गए थे लेकिन इसे भूमि विवाद की वजह से इस्तेमाल नहीं किया जा सका।	1.38	0.53	सामान्यत: योजनेतर अनुदान प्रशासनिक एवं स्थापना व्यय के लिए उपयोग किया जाता है।
(थ)	**जीआरएल बौद्ध मठ विद्यालय, बोमडिला**	बौद्ध भिक्षु विद्यार्थियों को धार्मिक शिक्षा देना।	0.80	--	बौद्ध शिक्षा और दर्शन को बढ़ावा देना। गार्ड रूम आदि के साथ पारंपरिक द्वार का निर्माण।	शिक्षा प्रदान करना एक सतत प्रक्रिया है।	0.72	--	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(द)	**जलियांवाला बाग स्मारक का विकास**	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इस स्मारक के स्तर और महत्व के अनुरूप इसके वृहत्र विकास का कार्य शुरू करना।	--	--	इस स्मारक के उन्नयन हेतु विकास कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।	इस ट्रस्ट को कोई अनुदान जारी नहीं किया गया चूंकि रखरखाव के अंतर्गत किसी कार्य के किए जाने की आवश्यकता नहीं थी।	--	--	
(ध)	**अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी स्कीम।**		--	1.00			--	0.87	
		(i) अमूर्त सांस्कृतिक विरासत तथा सांस्कृतिक विविधता की सुरक्षा के संबंध में यूनेस्को अभिसमयों से उत्पन्न दायित्वों की पूर्ति करना			कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं है। सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न व्यक्तियों/संगठनों को प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और सांस्कृतिक विविधता के सुरक्षोपाय के लिए एसएनए को अनुदान जारी किया गया है।			अन्य जारी/नई स्कीमों के साथ इस स्कीम का विलय करने का विचार है।
		(ii) विविध एवं व्यापक सृजनात्मक अभिव्यक्तियों, पारंपरिक डिजाइनों तथा शिल्पों के अनंत प्रकारों को सांस्कृतिक उद्योगों के उत्पादों में बदलना।	--	--	प्रायोगिक सर्वेक्षण और कलाकारों का डाटाबेस सृजित करने तथा जेडसीसी के क्षेत्रों में स्थित सांस्कृतिक उद्योगों के लिए जेडसीसी को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस स्कीम को कार्यान्वित करने के लिए अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।	वर्ष 2013-14 से इस स्कीम को बंद कर दिया गया है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		(iii) भारत की जीवंत और विविधतायुक्त सांस्कृतिक परम्पराओं को बनाए रखना और इनका प्रदर्शन करना।	--	--	विभिन्न मीडिया के जरिए प्रलेखन के विशिष्ट कार्य सहित अर्मूत सांस्कृतिक विरासत अर्थात, भारत की जीवंत और विविधतायुक्त सांस्कृतिक परम्पराओं पर एक समन्वय तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।	कोई अनुदान जारी नहीं किया गया।			
(न)	**टैगोर सांस्कृतिक परिसर**	नए परिसरों का सृजन, मौजूदा सांस्कृतिक परिसरों का उन्नयन करना और चल रहे एम.पी.सी.सी. के कार्य पूरा करना।	--	**4.00**	प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को सहायता दी जाती है।	राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, मेघालय और मिजोरम सरकार प्रत्येक से एक-एक समेत 13 संगठनों/राज्य सरकारों को अनुदान प्रदान किया गया।	--	**2.25**	आवेदन आमंत्रित किए जाते है और पात्र मामलों में धनराशि जारी करने के लिए मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की जाती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(प)	**साहित्यिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थान व व्यक्ति**	(i) ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता। (ii) भारतीय मुद्राशास्त्र् सोसायटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।	**0.15**	**--**	इन संगठनों को नियमित वार्षिक अनुदान उपलब्ध कराया गया था जिसे 2013-14 के बाद रोक देने का प्रस्ताव है।	वर्ष के दौरान कोई धनराशि प्रदान नहीं की गई।	**--**	**--**	
(फ)	**अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यकलाप और भारत-विदेश मैत्री सोसायटियों को अनुदान**	भारत और सम्बधित अन्य देश के बीच घनिष्ट मित्रता तथा सांस्कृतिक संबधों को बढ़ावा देना, मैत्री - सोसायटियों के माध्यम से भरतीय संस्कृति के लिए सदभाव का सृदढ़ीकरण।	**--**	**5.00**	भारतीय मिशन भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए भारत- विदेश मैत्री सोसाइटी के लिए इस स्कीम के अंतर्गत प्राधिकरण के माध्यम से भारतीय मिशनों को धनराशि जारी की जाती है, जो अनुदान देने के लिए अधिकृत हैं।	विदेशों में भारतीय संस्कृति के प्रचार हेतु वर्ष 2013-14 के दौरान 54 मिशनों को 400 लाख रूपए की धनराशि जारी की गई है।		**3.94**	
(ब)	**अंतरराष्ट्रीय संबंध स्कीम**		**--**	**4.50**					इस स्कीम में(i) से (v) तक प्रदर्शित कम के अनुसार 5 घटक हैं।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		(i) -विदेशों में भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए सेमिनारों, कार्यशालाओं, उत्सवों आदि के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों को सहायता करना। **(ii)** स्वतंत्र गुरूओं द्वारा अध्ययन अथवा नृत्य, नाटक और संगीत सीखने के लिए विदेशी कलाकारों को सहायता। **(iii)** क्षेत्रीय सार्वजनिक राष्ट्रीय पुस्तक मेले आयोजित करना, दुर्लभ प्रकाशनों/पांडुलिपियों/ सरकारी दस्तावेजों की प्रदर्शनियों और अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेना।			संगोष्ठियों, महोत्सवों, आदि में भाग लेने के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों तथा भारत में भारतीय संस्कृति का अध्ययन करने वाले विदेशी कलाकारों और साथ ही अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों और पुस्तक मेलों और घरेलू पुस्तक मेलों में भागीदारी हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके अंतरराष्ट्रीय रूप से संस्कृति को बढ़ावा देना।	वित्तीय मंजूरी प्रदान नहीं की जा सकी।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विदेशों में भारतीय साहित्य	(iv) प्रकाशन उद्योग और विश्व विद्यालयों तथा विश्व के शिक्षा संस्थानों में उपयुक्त भागीदार की सहायता सहित पुस्तक मेलों और उत्सवों समेत विभिन्न माध्यमों के जरिए अनुवाद का संवर्धन और प्रसार करना। आई.एल.ए. का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक भारतीय साहित्य को प्रस्तुत करके असंतुलन को सही करना है।	--	--	अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भारतीय साहित्य का अनुवाद करना और बढ़ावा देना। अनुवाद कार्य के लिए समुचित कार्यतंत्र की स्थापना की जाएगी।	इस स्कीम के कार्यान्वयन हेतु इसे साहित्य अकादमी को हस्तांतरित कर दिया गया है।			
		(v) भारत के स्थायी राष्ट्रीय पवेलियन के लिए स्थान प्राप्त करना।	--	--	संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के वित्त और अन्य तरह के पूर्ण समर्थन सहित ललित कला अकादमी द्वारा बनवाए गए भारत के राष्ट्रीय पवेलियन।	इस स्कीम के कार्यान्वयन के लिए इस स्कीम को एलकेए को हस्तांतरित कर दिया गया।			नई योजनाओं को XIIवीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(म)	मंच कला केन्द्र और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना।		-	1.00					इस स्कीम के क्र.सं.(i) एवं (ii) में प्रदर्शित 2 घटक हैं।
(i) (ii)	राष्ट्रीय मंच कला केन्द्र स्थापित करना। कोलकाता एवं चेन्नई में मंच कला केन्द्र एवं अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्र स्थापित करना।	मंचकला के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।	-		यह स्कीम 11वीं योजना में कार्यान्वित नहीं की जा सकी और यह अब 12वीं योजना में कार्यान्वित की जाएगी। इस योजना के कार्यान्वयन के लिए एन सी पी ए मुम्बई की तर्ज पर एन सी पी ए, नई दिल्ली की स्थापना के लिए ब्यौरे तैयार किए जा रहे हैं।	आईजीएनसीए परिसर में उपलब्ध भूखण्ड पर राष्ट्रीय मंचकला केन्द्र के निर्माण का प्रस्ताव है। इस परियोजना के ब्यौरों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
य)	**राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन दांडी से संबंधित परियोजना।**	पुनरूद्घार, अनुरक्षण, संरक्षण एवं विकास के लिये साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में गांधी विरासत स्थल पोर्टल की स्थापना तथा गांधी विरासत स्थलों का विकास एवं गांधी जी के लेखनों/प्रकाशनों आदि का परिरक्षण भी करना। दांडी यात्र की **75** वीं वर्षगांठ के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गयी घोषणाओं के कार्यान्व्यन के लिए दांडी में गांधी स्मारक का निर्माण	--	45.00	महात्मा गांधी और उनके 78 अनुयायियों की भव्य प्रतिमा का निर्माण और अनावरण; दांडी में गांधीवादी अध्ययन संबंधी एक आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना; जिस मार्ग से गांधी जी और उनके अनुयायी गए थे उस मार्ग के साथ-साथ एक रास्ते सहित अहमदाबाद और दांडी को जोड़ने वाले विरासत मार्ग का निर्माण; अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान गांधी जी जिन-जिन स्थानों पर रात में रूके थे उस प्रत्येक स्थान को 'विरासत स्थल' के रूप में विकसित करना और स्थलों के संरक्षण के लिए गांधी विरासत स्थल मिशन की स्थापना करना और गांधी विरासत पोर्टल की स्थापना करना।	गांधी विरासत स्थल मिशन पूरी तरह से शुरू हो गया है। राष्ट्रीय दांडी स्मारक के विस्तृत डिजाइन/लागत आकलन अंतिम रूप प्रदान किए जाने की प्रक्रिया में है। पुस्तकालय और आडिटोरियम तथा अतिथि गृह के निर्माण हेतु 3.98 करोड़ रूपए की राशि का अनुमोदन जारी कर दिया गया है। गांधी विरासत मार्ग के विकास हेतु 59.91 करोड़ रूपए का अनुमोदन जारी कर दिया गया है जिसमें से 7.00 करोड़ रूपए गुजरात सरकार को जारी किए गए। 21 रात्रि विराम स्थलों के विकास हेतु गुजरात सरकार को 2.07 करोड़ रूपए जारी किए गए।	--	14.77	
(र)	**अंतर्राष्ट्रीय कला परिषद एवं सांस्कृतिक एजेंसी संघ (आईएफएसीसीए)**	60 देशों के संस्कृति मंत्रालय और कला परिषदें आईएफएसीसीए के सदस्य हैं।	**0.05**	--	आईएफएसीसीसए में शामिल होने के लिये वार्षिक तौर पर अंशदान किया जाता है।	आईएफएसीसीए में शामिल होने के लिए वर्ष के दौरान किसी धनराशि का अंशदान नहीं किया गया।	--	--	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(क)	**सांस्कृतिक सामंजस्य के लिए टैगोर पुरस्कार**	रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती के समारोह के भाग के रूप में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम में इस पुरस्कार की घोषणा की गई।	**1.50**	--	गांधी शांति पुरस्कार की पद्घति पर चुने हुए उम्मीदवार को टैगोर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।	भारत सरकार ने सांस्कृतिक समरसता हेतु टैगोर पुरस्कार संगीतकार श्री जुबिन मेहता को सितम्बर, 2013 में प्रदान किया गया।	**1.13**	--	
(**कख**)	**<u>नई स्कीमें</u>** भारतीय संस्कृति और विरासत को समर्पित पत्रिकाओं और जर्नलों के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम।	भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना	--	**0.10**	सांस्कृतिक कार्यकलाप में शामिल संगठनों को प्रस्ताव प्राप्त होने तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	इस स्कीम के अंतर्गत वर्ष के दौरान कोई धनराशि जारी नहीं की गई।	--	--	आवेदन आमंत्रित किए गए हैं और उपयुक्त मामलों में निधि जारी करने के संबंध में विशेषज्ञ मूल्यांकन समूहों की बैठक आयोजित ।
(**कग**)	**कला और संस्कृति पर टी.वी. कार्यक्रम के लिए स्कीम।**	यह स्कीम में कला और संस्कृति पर उच्च गुणवत्ता के कार्यक्रमों के माध्यम से युवा मस्तिष्क में कल्पनाशील सांस्कृतिक विचारों को पैदा करने पर विचार करती है।	--	**0.10**	ऐसा प्रस्ताव है कि संस्कृति मंत्रालय में इस स्कीम के अधीन एक टी.वी. निर्माण यूनिट स्थापित की जाए। यह व्यावसायिक रूप से प्रबंध विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी)होगा। यह विभिन्न संस्थानों के संसाधनों और इस क्षेत्र में उत्तम प्रतिभा को तैयार करेगा।	योजना आयोग के अनुमोदन से इस स्कीम का नाम बदलकर 'कला एवं संस्कृति संबंधी टी0वी0 कार्यक्रम एवं अन्य मीडिया प्रचार' रख दिया गया है। इस स्कीम के अंतर्गत इस वर्ष कोई राशि जारी नहीं की गई है।	--	--	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कघ)	**उत्कृष्ट केन्द्रों के स्थापना की स्कीम**	गैर सरकारी सांस्कृतिक संगठनों को सहायता देना, सुदृढ़ करना और स्तरोन्नत करना।	--	0.01	इस स्कीम के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय चुनिंदा गैर सरकारी संगठनों के साथ परस्पर सहमत कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए समझौता ज्ञापन करेगा ताकि विशिष्ट क्षेत्रों में उत्कृष्टता केन्द्रों का निर्माण किया जा सके।	सक्षम प्राधिकरण की सहमति से इस स्कीम के ब्यौरों को अंतिम रूप प्रदान किया जाना है।	--	--	
(कड.)	**राष्ट्रीय/क्षेत्रीय नाट्य विद्यालय स्थापित करना**	इन क्षेत्रों के विभिन क्षेत्रीय/स्थानीय थियेटर समूहों को अत्यावश्यक महत्व प्रदान करने के लिए इन केद्रों की स्थापना किये जाने का प्रस्ताव है ताकि इन समूहों के कार्यकलाप का उन्नयन किया जा सके।	--	0.01	12 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वतंत्र स्वायत्त राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रूप में इन स्कूलों की स्थापना की जाएगी जिसमें इनके अपने रंगमंडल होंगे।	सक्षम प्राधिकरण की अनुमोदन से इस स्कीम के ब्यौरों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है।	--	--	
(कच)	**राज्य अकादमियों को सहायता की स्कीम**	मंच, दृश्य और साहित्यक कलाओं के क्षेत्र में कार्य प्रचालन में सुधार करने हेतु राज्य अकादमियों को सहायता।	--	0.01	मंचकला, दृश्य और साहित्य कला के क्षेत्र में राज्य अकादमियों के कार्यचालन को नया रूप देने के लिए केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम शुरू की जा रही है ताकि राज्य अकादमियों द्वारा तैयार की जाने वाली वार्षिक	इसके कार्यान्वयन के लिए इस स्कीम के ब्यौरों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है।	--	--	12 वीं योजना में नयी स्कीमों को कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					कार्य योजना के आधार पर प्रत्येक राज्य को सहायता दी जा सके।				
(कछ)	बौद्घ दर्शन उच्चतर अध्ययन विद्यालय, ताबो (हिमाचल प्रदेश)	यह लाहौल, स्पीति और किन्नौर के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले बौद्ध भिक्षुओं और विद्यार्थियों की सहायता करेगा।	--	1.00	पूर्व स्नातक, स्नातकोत्तर और ओरिएंटल कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।	चूंकि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा भूखण्ड अभी हस्तांतरित किया जाना है। अंत: धनराशि जारी करने के लिए ऐसा कोई और मुख्य शीर्ष नहीं बनाया जाना चाहिए।			12 वीं योजना में नयी स्कीमों को कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।
	पुरातत्व विज्ञान, अभिलेखागार और संग्रहालय								
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन मुख्यत: प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण तथा पर्यावरणीय विकास के कार्य में कार्यरत है।	**312.00**	**245.00**			**299.41**	**207.12**	सामान्यत: योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
	प्राचीन स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण : पर्यावरणीय विकास सहित	केन्द्रीय स्तर पर संरक्षित प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण हेतु।			प्राथमिकताओं, वचनबद्धताओं तथा उपलब्ध कार्मिक शक्ति का वित्तीय संसाधनों के आधार पर ढॉचागत सरंक्षण, रासायनिक परिरक्षण तथा बागवाणी कार्यों के लिए केन्द्रीकृत	स्मारकों का परिरक्षण सांस्कृतिक पर्यटन को बढावा देगा। वैज्ञानिक परिरक्षण प्राचीन स्मारकों के और आगे नष्ट होने से उन्हें बचाएगा।			प्राकृतिक आपदाएं।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उनका रखरखाव और अनुरक्षण।				रूप से संरक्षित लगभग 1720 स्मारकों में ढॉचगत संरक्षण कार्य।				
	पर्यटकों को मूल सुख सुविधाएँ प्रदान करना।	प्राचीन स्मारकों में मूल सुख सुविधाओं का विकास, जिसमें प्रसाधनों, पेयजल सुविधाओं आदि का प्रावधान हो।			विशेष रुप से 19 विश्व विरासत स्मारकों और 116 अन्य टिकटेड स्मारकों में सूचना केन्द्र, सार्वजानिक सुविधाओं, आधुनिक टिकट काउन्टर, बेहतर संकेत सूचकों, पेयजल सुविधाएं आदि जैसी बेहतर दर्शक सुविधाएं और अन्य सुवधिाएं सृजित की जाएगी।	विश्व विरासत स्मारकों और स्थलों सहित 52 स्मारकों में बेहतर आगंतुक सुविधाएं एवं अन्य सुख-सुविधाएं।			
	उत्खनन एवं अन्वेषण	गाँव से गाँव सर्वेक्षण तथा समस्यामूलक सर्वेक्षण के अंतर्गत पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन और प्राचीन अवशेषों का अन्वेषण। (12वीं योजना प्रस्ताव के दौरान इस स्कीम को केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम किए जाने का प्रस्ताव है)।			पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन तथा पुरा अवशेषों का अन्वेषण 2. समस्यामूलक सर्वेक्षण 3. वैज्ञानिक अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण करने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक तरीके इस्तेमाल कर के और केन्द्रीकृत सैल की स्थापना करके पुरातत्वीय अनुसंधान। 4. मशीनरी व उपस्करों जैसे जीपीएस कुल स्टेशन, 3 लेजर स्कैनर, मेगनेटिक एण्ड रेसिसटीविटी उपकरण, फोटो उपकरण और औजार	(1) मशीनरी और उपस्करों, औजारों तथा संयंत्रों की खरीद। (2) विश्विवद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों को वित्तीय सहायता। (3) प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					और संयंत्र आदि की खरीद। 5. मंदिर की वास्तुकला का सर्वेक्षण 6. भवन सर्वेक्षण परियोजना, 7. विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों के लिए उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता 8. प्रकाशन हेतु द्वित्तीय सहायता 9. अन्तर्जलीय पुरातत्व विज्ञान स्कन्ध 10. पुरालेखीय सर्वेक्षण, शिलालेख का फोटो प्रलेखन आदि				
	पुरातत्वीय स्थल संग्रहालयों का विकास।	पुरातत्वीय संग्रहालयों का रखरखाव/विकास			1. 44 संग्रहालयों का अनुरक्षण 2. 14 सूत्री संग्रहालय सुधार के अनुसार 10 स्थल संग्रहालयों का चरणबद्ध आधुनिकीकरण/उन्नयन 3. पिपरहवा (उत्तर प्रदेश), ललितगिरी (उड़ीसा),शिवपुरी (मध्य प्रदेश) तथा सनाटी	• 44 संग्रहालयों का अनुरक्षण • 14 सूत्री संग्रहालय सुधार के अनुसार 10 स्थल संग्रहालयों का चरणबद्ध आधुनिकीकरण/उन्नयन • पिपरहवा (उत्तर प्रदेश), ललितगिरी (उड़ीसा),शिवपुरी (मध्यप्रदेश) तथा सनाटी (कर्नाटक) में संग्रहालय खोलना। • 14 सूत्री संग्रहालय सुधार के तहत वीथियों को पुनः व्यवस्थित करना। • सार्वजनिक सुविधाओं का उन्नयन			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					(कर्नाटक) में संग्रहालय खोलना। 4. संस्कृति मंत्रालय द्वारा पहचान किए गए 14 सूत्री संग्रहालय सुधार के तहत वीथियों को पुनः व्यवस्थित करना। 5. सार्वजनिक सुविधाओं का उन्नयन 6. ब्रोशर/प्रचलित साहित्य का प्रकाशन। 7. क्षमता निर्माण और संपर्क (आउटरीच) कार्यक्रम	• ब्रोशर/प्रचलित साहित्य का प्रकाशन। • क्षमता निर्माण और संपर्क (आउटरीच) कार्यक्रम			
	(i) प्रकाशन (ii) सांस्कृतिक जागरूकता	1 पुरातत्व और संबंधित विषयों पर शैक्षिक और सूचनात्मक प्रकाशन का मुद्रण/पुन:मुद्रण। विश्व विरासत दिवस/सप्ताह पर विज्ञापन और सांस्कृतिक जागरूकता।			(क) पुनर्मुद्रण (ख) नवीन प्रकाशन समस्त भारत में समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजी, हिन्दी तथा स्थानीय भाषाओं में विज्ञापन देना।	**नए मुद्रण** अकादमिक 1. लखनऊ के स्मारक 2. दक्षिण भारतीय शिलालेख खंड XXV, भाग-। 3. हिंदी में स्मारिका 4. तिरा-सुजानपुर के भित्तिचित्र 5. पुरातत्व का इतिहास 6. विभूतियों को याद करना। **<u>सूचनाप्रद</u>**			सम्पादकीय स्टाफ की कमी और प्रकाशन अनुभाग में रिक्त पदा इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						(क) अंतिम भुगतान मार्गदर्शिका ताजमहल (डब्ल्यूएचएस) (ख) ताजमहल मार्गदर्शिका पर स्वर्ण पर्णिका (डब्ल्यूएचएस) (ग) एएसआई को गत 150 वर्षों की अंतिम भुगतान संरक्षक (घ) लखनऊ के स्मारकों पर कॉफी तालिका पुस्तक। (ङ) कन्गनहल्ली पर उत्खनन रिपोर्ट। (च) दक्षिण भारतीय अभिलेख खंड XXV, भाग-I (छ) भारत की पुन: खोज 1961-2011 पर ब्रोशर (ज) पुरातत्व के इतिहास में निबंध **पुनर्मुद्रण** अमरावती पर मार्गदर्शिका (अंग्रेजी)			धनराशि, उपलब्ध न होना।
	राष्ट्रीय प्राचीन स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन	i) संविदा आधार पर नियुक्त सहायक कर्मचारियों के लिए पारिश्रमिक तथा परामर्शकों के लिए शुल्क			देश में सभी स्मारकों और पुरावस्तुओं (संरक्षित और असंरक्षित दोनों) के व्यापक आंकडा आधार को तैयार करने के लिए पांच वर्ष अर्थात	2013-14 के दौरान एनएमएमए ने निम्नलिखित लक्ष्य प्राप्त किए हैं:- 1. निर्मित विरासत एवं स्थलों का प्रलेखन - लदाख क्षेत्र में प्राथमिक			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		(विभिन्न परामर्श कार्य के लिए) यात्र व्यय ii) उपस्कर और साफ्टवेयर मुख्यालय और अन्य केन्द्रों में स्टेशनरी तथा अन्य संबंधित व्यय लोकप्रिय साहित्य का प्रकाशन जागरूकता कार्यक्रम प्रदर्शनी, सेमिनार आदि चुनिंदे स्मारकों का संरक्षण विविध और अन्य आकस्मिक व्यय			2007-12 की अवधि के लिए एनएमएमए को प्रारंभ किया गया था। प्राथमिक सर्वेक्षण का प्रस्ताव छोड दिया गया था और प्रकाशित तथा अप्रकाशित सहायक स्रोतों के माध्यम से आंकडों का प्रलेखन करने का निर्णय लिया गया था। इस विसंगति को दूर करने के लिए अरक्षित निर्मित विरासत तथा स्थलों का प्राथमिक सर्वेक्षण किये जाने की आवश्यकता है ताकि जीआइएस, जीपीएस, लेजर स्केनिंग, फोटोग्राफी और व्यापक सर्वेक्षण का प्रयोग करके प्रमाणिक और विश्वसनीय राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार किया जा सके। अब यह एक चालू स्कीम है जिसे संस्कृति मंत्रालय को भेजने के लिए 12 वीं पंचवर्षीय योजना प्रस्ताव में शामिल किया गया है।	सर्वेक्षण के माध्यम से लगभग 200 निर्मित विरासत और स्थलों क प्रलेखन कार्य सितम्बर, 2013 माह में शुरू किया गया। 2. पुरावस्तुओं का प्रलेखन कार्य:- एनएमएमए ने 2013-14 के दौरान 8,00,000 पुरावस्तुओं को प्रलेखित किया है। 3. निर्मित विरासत, स्थलों और पुरावस्तुओं पर डाटा अपलोड करने की प्रक्रिया: (क) संबंधित परियोजना प्रमुख द्वारा विधिवत सत्यापित प्रलेखन संसाधन केंद्रों (डीआरसी) से आंकड़ों की प्राप्ति। (ख) प्रलेखित आंकड़ों में किसी भी चूक अथवा भूल के लिए एनएमएमए द्वारा आंकड़ों की जांच करना। (ग) एनएमएमए की समुक्तियों के अनुसार डीआरसी द्वारा आंकड़ों की पुन: प्रस्तुति। (घ) सॉफ्टवेयर में संगणना से पूर्व			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एनएमएमए द्वारा आंकड़ों की पुन: जांच। (ङ) डाटा एंट्री ऑपरेटर स्तर पर सॉफ्टवेयर में आंकड़ों की संगणना करते हुए पर्यवेक्षी स्तर पर इन्हें प्रस्तुत करना। (च) वेबसाइट में अपलोड करने के लिए एनआईसी को अंतिम आंकड़ें सम्प्रेषित करना। (छ) एनएमएमए ने वेबसाइट - nmma.nic.in पर 1,24,836 प्रलेखित आंकड़ों को अपलोड किया है। (ज) 6 राज्यों में एसएलआईसी की बैठकें आयोजित की गई है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
18	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों और उनके पूर्ववर्ती निकायों के स्थायी महत्व के वर्तमान–भिन्न अभिलेखों का संरक्षक है। अभिलेख प्रबंधन कार्यकलापों तथा उनके स्थायी परिरक्षण और भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग हेतु नोडल एजेंसी।	19.18	11.00			16.68	6.71	सामान्यतया गैर–योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	अभिलेख प्रबंधन कार्यक्रम का विस्तार	i. अभिलेख सहायक द्वारा सार्वजनिक अभिलेखों का सर्वेक्षण और निरीक्षण। ii. मंत्रालयों/विभागों आदि से अभिलेखो के अंतरण के बाद मूल्यांकित अभिलेख प्रबंध (आउटसोर्सिंग से) iii. सार्वजनिक अभिलेख अधिनियम, 1993 और नियम 1997 का संशोधन iv. अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण iv			• विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 2,00,000 (लगभग) अभिलेखों का मूल्यांकन किया जाएगा और भा.रा.अ. (एनएआई) को अन्तरित किया जाएगा। • 1,50,000 रिकॉर्ड (लगभग) • 10 रिकॉर्ड प्रतिधारण अनुसूचियों का पुनरीक्षण। • 13वीं बैठक आयोजित की जाएगी तथा उनकी सिफारिशों पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी।	रिकॉर्डों का मूल्यांकन – 1,32,228 फाइलें, 31 मार्च, 2014 तक हस्तांतरित फाइलों की कुल संख्या – 12,403 फाइलें, एम्स ऑनलाइन पैकेज में विषयवार–सूचित – 36,787 फाइलें। – रिकॉर्डों का वास्तविक सत्यापन – 56,221 फाइलें रिकार्डों का परिग्रहण तथा पावती पत्र जारी किए गए – 69,546 फाइलें। रिकार्डों की वास्तविक व्यवस्था – रिकार्डों का समामेलन / कालक्रम			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		v.अभिलेखीय परामर्श बोर्ड की बैठक आयोजित करना। vi. सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम 1993 के कार्यान्वयन संबंधी डीजीए की 12वीं एवं 13वीं रिपोर्ट का संकलन। vii. डीआरओ के लिए आरएम में ओरिएन्टेशन पाठ्यक्रम आयोजित करना। viii. मंत्रालय/विभागों/कार्यालयों के डीआरआर का निरीक्षण।			• 13वीं और 14वीं डीपीजीए रिपोर्ट पूरी की जाएगी और अनुमोदित सूची के अनुसार रिपोर्ट वितरित की जाएगी। • 7 अभिमुखीकरण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। • 12 डीआरआर का निरीक्षण किया जाएगा।	– 21,868 फाइलें। – अभिलेखीय परामर्शी बोर्ड पुनर्गठित किया गया। अभिलेखीय परामर्शी बोर्ड की प्रस्तावित तेरहवी बैठक संबंधी कार्य जारी रहा। बैठक की कार्यसूची तैयार करके डीजीए को प्रस्तुत कर दी गई। उसे वापस लेने के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। पांच रिकार्ड प्रतिधारण अनुसूचियां पुनरीक्षित की गईं। बोर्ड की तेरहवीं बैठक दिसंबर में आयोजित की गई एवं अनुवर्ती कार्रवाई आरंभ की गई। अब तक 7 विभागीय निरीक्षण किए जा चुके हैं। 7 पाठ्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। डीजीए की तेरहवीं रिपोर्ट मुद्रित की गई।			
(ii)	मरम्मत एवं रेप्रोग्राफी का विस्तार	अभिलेखों की मरम्मत, पुस्तकों/खण्डों की जिल्दसाज़ी और सिलाई, राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली में अभिलेखों और दुर्लभ पुस्तकों का संरक्षण और मरम्मत, विश्व भारती विश्वविद्यालय के संग्रह में			1,10,000 शीटों की मरम्मत की जानी है, 80 पुस्तकों, 200 खण्डों और 1000 विविध मदों की जिल्दसाज़ी की जानी है, 2,50,000 शीटों का संरक्षण किया जाना है, पाम पत्ते, टरेट पत्ते और तुलत पत्ते के प्रत्येक 100 बंडलों का परिरक्षण शुरूल	सार्वजनिक रिकार्डों के आवधिक अनुरक्षण के तहत दस्तावेज की 42,441 शीटों को दुरुस्त किया गया और लैमिनेट किया गया ; तथा कुल 736 खंडों को सिलकर उन पर जिल्द चढ़ाई गई। सार्वजनिक रिकार्डों के आवधिक अनुरक्षण के तहत दस्तावेज की			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला (सीआरएल)	पाण्डुलिपियों का परिरक्षण, राष्ट्रीय अभिलेखागार के अभिलेखों के नगेटिव माइक्रोफिल्मों और पोजिटिव माइक्रोफिल्मों की तैयारी, निगेटिव माइक्रोफिल्म रोलो के पोजोटिव माइक्रोफिल्मों की तैयारी तथा डीजीटल चित्रों की तैयारी और उन्हें समनरूप चित्रों में बदलना। संगरचनात्मक सामग्री की जांच पुस्तकालय का आधुनिकीकरण अभिलेखिय सामग्री के संरक्षण पर तकनीकी जानकारी, व्याख्यान, कार्यशालाएं/सेमिनार का आयोजन			रिकार्ड और जगदेव रिकार्ड नगेटिव 720 रॉल्स को माइक्रोफिल्म किया जाना है और 60,000 एक्स पोजर पूरे किए जाने है, 28000 मीटर प्रिंटिंग पूरी की जानी है। 50,000 प्रतियों की छात्रों को आपूर्ति की जानी है 39,6000 ईमेजों को माइक्रोफिल्म स्कैनर द्वारा स्कैन किया जाना है। पांडुलिपि–300 चित्र परिरक्षणात्मक सामग्री की जांच करना ; अभिलेखीय रिकार्ड और अन्य कार्यों का जीर्णोद्धार करना। प्रयोगशाला का उचित अनुरंक्षण और आवश्यकतानुसार अन्य कार्य।	47,875 शीटों को दुरूस्त किया गया और लैमिनेट किया गया ; तथा कुल 635 खंडों को सिलकर उन पर जिल्द चढ़ाई गई। 1,00,000 शीटें दुरूस्त की गईं। जिल्द चढ़ाना : 675 खंड, पुस्तकें : 383 तथा विविध मदें – 1798 सिलाई – 301, पुस्तकें – 362, विविध मदें – 1885 ताम्र छाल पर लिखित ''बालबोधिनी'' नामक एक खंड का उपचार कार्य चल रहा है। रिकार्ड अनुभाग की फंगस लगी हुई 23 फाइलों का उपचार कार्य पूरा किया गया। 'अभिलेखीय सामग्रियों का संरक्षण – भूत को भविष्य की ओर ले जाना' नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया गया। 'अभिलेखीय सामग्रियों का निवारक संरक्षण' विषय पर आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागियों के लिए 'अभिलेखीय सामग्रियों का संरक्षण' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। रेप्रोग्राफी और संरक्षण पर 8 व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। 129 रोल माइक्रोफिल्म किए गए।			परिरक्षात्मक सामग्री का परीक्षण और जीर्णोद्धार मानक तकनीकी प्रकिया के अनुसार किया जाएगा।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						6400 मीटर मुद्रण कार्य किया गया। 1,97,565 प्रतियां विद्वानों को उपलब्ध कराई गईं। 3,40,000 आकृतियां स्कैन की गईं तथा पांडुलिपियों के लिए 6,317 आकृतियां डिजिटाइज की गईं।			
(iii)	पुस्तकालय और प्रशासन का विस्तार	पुस्तकों की खरीद, पुस्तकों/पत्रिकाओं की सूची बनाना, पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण कंप्यूटर में डाटा एन्ट्री आउटसोर्स के जरिए पुस्तकों की जिल्दबाजी, पुस्तक कार्ड तैयार करना।			बीएसी द्वारा यथा संस्तुत पुस्तकों की खरीद की जाएगी पुस्तकों/पत्रिकाओं का सूचीकरण – 1000 डाटा इन पुट शीट तैयार करना – 1000 कम्प्यूटर में डाटा इंट्री करना – 1000 पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण – 1000 पुस्तक कार्ड तैयार किए गए – 1500	3056 पुस्तकें प्राप्त की गईं, 431 पुस्तकों का परिग्रहण किया गया, 1,056 प्रस्तकें वर्गीकृत की गईं, 1,374 पुस्तकों की डाटा एंट्री पूरी की गई, 2,758 विद्वानों ने पुस्तकालय का दौरा किया, 18,901 पुस्तकें/ पत्रिकाएं जारी की गई और लौटाई गईं, 20,892 पुस्तकों / पत्रिकाओं का जीर्णोद्धार किया गया, 800 पुस्तकें ठीक करने/ पुनः जिल्द चढ़ाने हेतु भिजवाई गईं, 150 माइक्रोफिश हेतु भेजी गईं।			विभागीय स्टाफ/ठेके पर व्यक्तियों द्वारा आउटसोर्सिंग एजेंसी से भी
(iv)	राष्ट्रीय रजिस्टर या निजी अभिलेखों (एनआरपीआर)	एनआरपीआर खंडों का प्रकाशन			24 और 25 खंड का संकलन किया गया और उन्हें पूरा किया गया।	निजी रिकॉर्ड संबंधी राष्ट्रीय पंजिका के खंड सं. 24 का संकलन कार्य, विभिन्न राज्य अभिलेखागारों/ संघ शासित प्रदेशों से अपर्याप्त प्रपत्र			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	का विस्तार					प्राप्त होने के कारण बाधित हुआ।			
(v)	अभिलेखीय अध्ययन विद्यालय के कार्यकलापों का विस्तार	(क) अभिलेखागार और रिकॉर्ड प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2010–11 और 2011–12 (ख) अभिलेखीय प्रबंधन और संबंधित विधा विशेष में अल्प कालिक पाठ्यक्रम। (ग) संरक्षण, रिकार्ड प्रबंधन, स्कूल पुस्तकालय का विस्तार पर मासिक वार्ता, कार्यशाला/सेमीनार			(क) आर्काइव और रिकार्ड प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2011–12 को पूर्ण किया जाना है और एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2012–13 को आरंभ करना। (ख). अभिलेख प्रबंधन में अल्पकालिक पाठ्यक्रम – दो पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। ख. रिप्रोग्राफी – दो पाठ्यक्रम ग. अभिलेखों की साफ–सफाई और मरम्मत – दो पाठ्यक्रमा। घ. पुस्तकों/पांडुलिपियों/अभिलेखों की देखभाल और संरक्षण – दो पाठ्यक्रम। ड. अभिलेखागार प्रबंधन – एक पाठ्यक्रम। कैलिग्राफी पर एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम शुरू करना है–1 (च) तीन माह की अवधि का	अभिलेखागार और रिकार्ड प्रबंधन में एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम – 2012–2013 अभिलेखागार और रिकार्ड प्रबंधन 2013–14 में एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। 18 प्रशिक्षणार्थी शामिल किए गए। प्रशिक्षणार्थियों ने आईजीएनसीए, राष्ट्रीय संग्रहालय, सीएसएल आदि का दौरा किया। रिकार्ड प्रबंधन, रेप्रोग्राफी, रिकॉर्डों की सर्विस और उन्हें दुरूस्त करना तथा पुस्तकों के रख–रखाव एवं संरक्षण, प्रत्येक से संबंधित दो पाठ्यक्रम आयोजित किए गए एवं पूरे किए गए। अभिलेखागार तथा रिकॉर्ड प्रबंधन में एक वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों को छः माह का प्रशिक्षण दिया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अल्पकालिक शुरू किया जाएगा जिसमें शिवसंस्था (घसीट) खताती (सुलेख) सिखाया जाएगा। (छ) 2 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है।				
(vi)	पूर्वी क्षेत्र में अभिलेख केंद्र की स्थापना	क. गैर–समसामयिक रिकार्डों की प्राप्ति तथा सर्वेक्षण करना ख. रिकार्डों का मूल्यांकन करना ग. रिकार्ड रिटेंशन अनुसूची की पुनरीक्षा करना घ. इंटेक, भुवनेश्वर द्वारा रिकार्डों की मरम्मत तथा परिरक्षण, संदर्भ मीडिया रिकार्ड को तैयार करना।			उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के गैर–समसामयिक रिकार्डों की प्राप्ति तथा सर्वेक्षण। 2000 फाइलों का मूल्यांकन किया जाना है। 2 रिकार्ड रिटेंशन अनुसूची की पुनरीक्षा की जाएगी। प्रति वर्ष 15000 शीटें प्रतिदिन 15000 फाइलें	– प्रो. आचार्य भावनंद से 130 पुस्तकें दान स्वरूप प्राप्त की गईं। – श्री मन्यूमान मित्रा से 394 पुस्तकें दान स्वरूप प्राप्त की गईं। – श्री मन्यूमान मित्रा से 34 पुस्तकें दान स्वरूप प्राप्त की गईं। – कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट, कोलकाता की 10,127 फाइलों का मूल्यांकन किया गया जिसमें से 7584 फाइलों को स्थायी रूप से कायम रखने हेतु चिन्हित किया गया तथा 2543 फाइलों को समाप्त करने के लिए चिन्हित किया गया। – कोलकाता पोस्ट ट्रस्ट के भर्ती नियमों में आशोधन करने का कार्य केओपीटी के साथ उठाया गया। – रिकार्ड प्रतिधारण अनुसूची के आशोधन के लिए नालको, भुवनेश्वर, नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैप्पिंग ऑर्गेनाईजेशन,			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						कोलकाता ; केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कोलकाता से पत्राचार किया गया।			
(vii)	विदेशों से अभिलेखों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अधिग्रहण	i) संपत्तियों को पूरा करने और एनएआई की मौजूदा श्रृंखला में अंतर को पूरा करने के लिए विदेशों से भारतीय हित के अभिलेखों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अधिग्रहण। ii) पीए अनुभाग में कम्पैक्ट शेलविंग की स्थापना।			निम्नलिखित श्रृंखलाओं से रिकार्डों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अधिग्रहण करना : – 1. कैब – 127 2. एल/एमआईएल/ 7 श्रृंखला (शेष फाइलें) 3. यूरो एम एस एम 4. वन कूलर ट्रेक्ट्र 5. माउंटबैटम पेपर, प्रशासनिक अनुमोदन लेने के बाद और संस्कृति मंत्रालय का व्यय अनुमान व्यय मंजूरी जारी करता है और राष्ट्रीय अभिलेखागार यूके/ब्रिटिश लाइब्रेरी लंदन से इन माइक्रोफिल्म का अधिग्रहण करने के लिए भुगतान हेतु बैंक के जरिए एक डीडी जैयार की जाती है।	i. रिकॉर्डों की एल/पीजे 17 और एल/ एमआईएल/ 7 श्रृंखलाओं के सात माइक्रोफिल्म रोल प्राप्त किया गया। ii. सन् 1891 में प्रकाशित श्री लाजपत राय की ''लाइफ ऑफ पंडित गुरू दत्त विद्यार्थी'' नामक एक पुस्तक, श्री चौ. हरेन्द्र सिंह, एडवोकेट, मेरठ द्वारा दान स्वरूप दी गई। iii. सितम्बर – अक्तूबर 2013 माह में भारत सरकार के विशेष अतिथि के तौर पर इज़राइल के तथाकथित परिवार का भारत दौरा आयोजित किया गया। बामर – लॉरी टूरस एंड ट्रैवल्स को उन्हें भारत में विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						दर्शन कराने का कार्य सौंपा गया था।			
(viii)	अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण सहित रिकार्ड संदर्भ मीडिया को सूचीबद्ध करना।	फारसी पत्राचार खण्ड VI की विस्तृत सूची फारसी पत्राचार खण्ड –बारहवां (1805) का कलैंडर ओरियंटल बुक की माइक्रोफिकेशीट/ एमएसएस की मैनुस्क्रिप्ट रिपेयर/बुक्स/ सील्स(फॉरेन)(रिप्रिन्ट)का डाक्यूमेंटस कैटेलॉग,माइक्रोफिल्मिंग ऑफ आरियंटल रिकार्ड शिग्रॉफनामा–विलायत की चैकलिस्ट फारसी एमएसएस का अनुवाद तथा सम्पादन (आउटसोर्सिंग) फारसी/ अरबी / उर्दू को छोड.कर अन्य भाषाओं में केटेलॉग कार्डस ऑफ रिकार्डस को तैयार करना (आउटसोर्सिंग द्धारा)			संवीक्षा तथा सम्पादन कार्य। संवीक्षा तथा सम्पादन कार्य। बकाया 3800 माइक्रोफिके शीटस को सूचीबद्ध जांच उपरान्त किया जाएगा। 100 किताबों / किताबों और की दुरूस्ती और बकाया लगभग 1500 दस्तावेजों के संशोधित संस्करण माइक्रोफिल्मिंग के 300 दस्तावेजों को तैयार करना। कार्य की मात्रा का जल्दी पता लगा लिया जाएगा। कम से कम छह फासरी एमएसएस को तैयार करने के प्रयास किए जाएंगे। कम से कम 600 कार्डो को तैयार करवाने के प्रयास किए जाएंगे। समिति की कम से कम एक बैठक आयोजित करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। संग्रहण की कम से कम 15–16 हजार किताबों की केटेलॉगिंग।	सुरूर संग्रह की 5000 पुस्तकों को सुव्यवस्थित किया गया। टंकित स्क्रिप्ट का मिलान कार्य पूरा किया गया। 1 एचडीपीसी बैठक आयोजित की गई। 1276 माइक्रोफिश शीटें जांच करके सूचीबद्ध की गईं। इन परियोजनाओं का अनुवाद कार्य चल रहा है – तारीख–ए–कश्मीर ; सवाल–ओ–जवाब–ए–दाराशिकोह व बाबा लाल दास ; खुलासत उत तवारीख 4. खाल्लुक इस सियाक । परियोजना ।। : – 1 मुख्तसर तारीख–ए–गुजरात। 2. मजमुआ–ए–खुर्रानी 3. मुहर्बा–ए–काबुल–ओ–कंधार। दो पक्षों को उपरोक्त कार्य का अनुवाद करके पूरा करने हेतु अनुस्मारक चिन्ह भिजवाए गए। शिगराफनामा–ए–विलायत नामक कार्य पूरा किया गया तथा सीडी पर कैमरा रेडी कॉपी (सीआरसी)			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		ऐतिहासिक दस्तावेज खरीद समिति (एचडीपीसी) आई–ई अहमद शरूर संग्रहण				तथा उक्त खंड की एक हॉर्ड कॉपी तत्कालीन डीजीए को प्रस्तुत की गई तथा अनुमोदित कर दी गई।			
(ix)	क.पांडुलिपियों /दुर्लभ पुस्तकों के संरक्षण के लिए गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता देने की स्कीम। ख. राज्य/संघ राज्य सरकार के अभिलेखीय भण्डार और संग्रहालयों को वित्तीय सहायता की स्कीम	बहुमूल्य दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के व्यक्तियों/गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता देना। मूल्यवान प्रलेखीय विरासत और एम एस एस के परिरक्षण/संरक्षण के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अभिलेखीय भण्डारों/ सरकारी पुस्तकालयों/ संग्रहालयों को सहायता अनुदान मुहैया करना।			अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जानी है और समिति द्वारा सिफारिश की गई राशि संस्थानों को जारी की जानी है। इस स्कीम के अधीन पात्र राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संस्तुति के लिए अनुदान समिति की बैठक की जाएगी।	चलू वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान, 25 पंजीकृत स्वैच्छिक संगठनों/ व्यक्तियों को 30.92 लाख रू. की राशि जारी की गई। – 10 सरकारी संस्थानों को 1.40 करोड़ रू. की अनुदान राशि जारी की गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
19	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	यह भारत में कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रापण, संरक्षण, प्रदर्शनी और शैक्षिक कार्यकलापों के महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न है।	**9.45**	**11.35**			**9.28**	**11.09**	सामान्तयः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चों के लिए होता है।
(i)	कला वस्तुओं और समारोहों का फोटो प्रलेखन तैयार करना।	प्रदर्शनी और प्रकाशन के उद्देश्य से संग्रहालय के संग्रह, प्रदर्शों तथा प्रचार के उद्देश्य से समारोहों के रंगीन फोटो प्रलेखन का कार्य मांग के अनुसार किया जाता है।			रंगीन फोटो, संग्रहालय के संग्रहों का प्रलेखन, प्रदर्शनी और प्रकाशन प्रयोजन के लिए पदर्श ओर प्रचार प्रयोजन के लिए कार्यक्रम मांग के अनूसार आयोजित किए जाएंगे। लघु चित्रकलाएं मध्य एशियाई पुरावस्तुएं पांडुलिपियाँ	68 श्वेत एवं श्याम प्रिंट, रंगीन प्रिंट 4158 (5X7), 225 (8X10), 2 (3.5X 4.5) फीडस ; 19076 डिजिटल फोटोग्राफ ; 44 सीडी डिजिटल / इमेज की कॉपी ; 40 कॉनट्रेक्ट शीटें ; पीपी सैट 101 पीपी साइज़।			
(ii)	**क.** संग्रहालय का प्रदर्शन एवं आधुनिकीकरण , मौजूदा वीथियों का पुर्नगठन।	अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार और आधुनिक प्रोद्योगिकी के अनुसार वहाँ वीथियों और वस्तुओं के प्रदर्शन की व्यवस्था करना।			डेकटिव आर्ट गैलरी और कास्ट्यूम गैलरी का पुनर्गठन। सेन्ट्रल एशियन वॉल पेंटिंग दीर्घा पाण्डुलिपि तथा ब्रॉन्ज विथि पुरा कोलंबियाई और पश्चिमी कला वीथि समुद्री विरासत और तंजावूर	तंजौर वीथि तथा सजावटी कला–।। वीथि का नवीकरण/ आधुनिकीकरण ; एलईडी लाइट (ईआर 2015–75 एच 24 डी–जी 53 – 2800 के – 12 वी) का संस्थापन ; 6 पुरातत्वीय वीथियों में एलईडी लाइट्स संस्थापित की गई हैं			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ख. आरक्षित भण्डारों का पुनर्गठन करना	मूर्तियां, काष्ठ उत्कीर्ण, कपड़ा, पांडुलिपि, शस्त्र भण्डार आदि			वीथियां लकडी वुडन डोरक्लेशन का विशेष भण्डारण मानविज्ञान के लिए विशेष संग्रहण	नृजातीय कला की स्थायी वीथि स्थापित की गई ; कांस्य वीथि का नवीकरण : आतंरिक अभिकल्प और वीथि विन्यास तैयार करना, एचवीएटी परामर्श और अभिकल्प, वैद्युत परामर्श, आदि।			
(iii)	वस्तुओं को प्लास्टर ढाँचे में ढालना। संग्रहालय पुस्तकालय और शैक्षिक गतिविधियों तथा आउटरीच कार्यक्रम के लिए पुस्तकों का अधिग्रहण	विक्रय एवं उपहार के उद्देश्य से शिल्प वस्तुओं को और आकर्षक तथा रंगीन बनाना।			रबड़ के साँचे तैयार करना, प्लास्टर ऑफ पैरिस में प्रतिकृतियों की कच्ची ढ़लाई और संग्रहालय विपणन के लिए अनुमोदित सूची के अनुसार रॉ फिनिश और रंग करना। पुस्तकालय में 600 पुस्तकें और शामिल की जाएंगी। विभिन्न प्रतियोगिताएं/कार्यक्रम/ कार्यशाला/सेमिनार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/भारतीय कला/संग्रहालय विज्ञान पर स्मारक व्याख्यान आयोजित किए जाएंगें। संग्रहालय वीथियों की फिल्में तैयार करना और वीएचएस का संग्रहण,बिटा कैम तथा सीडी फार्मेट । भारतीय लघुचित्रकला पर रा''ट्रीय संगोष्ठी तथा	पीओपी प्रतिकृतियों का विरचन – 2517 ; प्रतिकृतियों की संपूर्ति – 2356 ; प्रतिकृतियों की रंगाई, 2000, 671 पुस्तकों और जर्नलों की खरीद, 38 समाचार पत्र और पत्रिकाएं।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					कार्यशाला आयोजित की जाएगी।				
(iv)	कलावस्तुओं का पुनरूद्धार और संरक्षण। तैल चित्रों का पनुरूद्धार/ पुरावस्तुओं/क लावस्तुओं का संरक्षण/संरक्षण में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, पाण्डुलिपियों के संरक्षण/ जिल्दसाज़ी हेतु उपकरणों का प्रापण।	• पुरावस्तुओं और कलावस्तुओं को क्षरण से बचाना। • राष्ट्रीय संग्रहालय और अन्य संग्रहालयों/संस्थानों के संग्रहालय स्टाफ को संरक्षण की नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना। • प्रयोगशाला को नवीनतम उपकरणों से सज्जित रखना।			**संरक्षण** रासायनिक संग्रहालय की संग्रहित 1000 कलावस्तुओं का परीक्षण और उपचार संसद भवन, राष्ट्रीय भवन आदि जैसे बाहर के संस्थानों से मांग के अनुसार कला वस्तुओं का संरक्षण **शिक्षण और प्रशिक्षण** पाण्डुलिपि और धातु की वस्तुओं के संरक्षण के लिए 3 महीने का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। धातु और लकड़ी की वस्तुओं पर विभिन्न संग्रहालयों/कला वीथियों के क्योरेटरों के 4 दिन का निवारक संरक्षण कार्यक्रम **राष्ट्रीय संग्रहालय की वस्तुओं का सर्वेक्षण** एक वर्ष 1000 कला वस्तुओं के संरक्षण हेतु वस्तुओं के संरक्षण की प्राथमिकता निर्धारित	वीथियों में प्रदर्शित 808 वस्तुओं का उपचार और संरक्षण, 88 सजावटी कला वस्तुओं की सफाई, पटना संग्रहालय में चित्रों की जांच तथा उसका अनुमान तैयार करना, चंबा भित्ति चित्रों की सफाई, राजघाट परिसर में बोट, बेंच और कॉनवास की सफाई और जीर्णोद्धार जिन्हें प्रदर्शित किया गया था और जिनका उपयोग महात्मा गांधी द्वारा किया जाता है, पटियाला में गुरू गोविंद सिंह के चोले का संरक्षण और जीर्णोद्धार नृजातीय कला वीथि में प्रदर्शित मानव विज्ञान प्रभागों में 60 वस्तुओं का संरक्षण, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान के एम ए (संरक्षण) के छात्रों को शिक्षण और प्रायोगिक प्रदर्शन, 1180 फोटोग्राफों का उपचार एवं वस्तुओं की रिकार्डिंग स्थिति भी तैयार की गई, अरूणाचल प्रदेश में प्रदर्शनी के लिए कपिलवस्तु अवशेषों के माइक्रोफोटोग्राफ, सुरक्षित भंडारों में			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					करने के लिए विभिन्न अनुभागों की पुरावस्तुओं की जांच करना और सुरक्षात्मक परिरक्षण करना। **कार्यशाला और सम्मेलन** • पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्यशाला • लेह में कला वस्तुओं के संरक्षण पर कार्यशाला **प्रयोगशाला का पुनर्गठन** • आवश्यकता अनुसार प्रयोगशाला के लिए उपस्करों की खरीद **स्थिति रिपोर्ट** भारत और विदेश में विभिन्न प्रदर्शनियों के लिए चयनित कला वस्तुओं के जांच करना और स्थिति रिपोर्ट तैयार करना।	577 वस्तुओं का निवारक संरक्षण, जांच किए गए 101 चित्रों की परिस्थिति रिपोर्ट तैयार की गई, अरूणाचल प्रदेश, आदि में जांच के पश्चात् पुस्तक प्राप्त की गई, 4 अवशेषों की परिस्थिति की जांच की गई।			
(v)	प्रदर्शनी	प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति को लोकप्रिय बनाना थिमेटिक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना सांस्कृतिक आदान–प्रदान			संस्कृति मंत्रालय के अनुमोदनानुसार सांस्कृतिक आदान –प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। निमंत्रण पत्र, ब्रोशर, फोल्डर,प्रचार सामग्री, आदि का मुद्रण।	'भारत से बाहर एएसआई' नामक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी ; अमीर खुसरो के जीवन से संबंधित एक प्रदर्शनी का आयोजन आगामिक प्रदर्शनी के रूप में किया गया ; 'एवरलास्टिंग फ्लेम : जोरास्ट्रियनिख इन हिस्टरी एंड इमैजिनेशन' को			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन संग्रहालय की सुरक्षा को मजबूत करना	कार्यक्रम के तहत् अन्य प्रदर्शनियाँ आयोजित करना कैटलॉग बुलेटिन, गाइड बुक,कला प्रकाशन आदि प्रकाशित करना इलेक्ट्रॉनिक सर्वे और सीसीटीवी प्रणाली तथा सुरक्षा उपस्करों का अनुरक्षण।			अनुपलब्ध प्रकाशनों और वीथियों के कैटलागों आदि का पुनः मुद्रण। आवश्यकतानुसार, सुरक्षा गैजेट्स लगाना। ईसीआईएल को एएमसी का कार्य सौंपा गया।	एसओएएस, लंदन भिजवाया गया ; योगा – दी आर्ट ऑफ ट्रांस्फार्मेशन नामक लघु चित्र वाशिंगटन, डीसी भिजवाया गया ; रामायण चित्र का एक संक्षिप्त कैटेलॉग तैयार करके रॉयल म्यूजियम ऑफ आर्ट एंड हिस्टरी, ब्रस्सेल्स भिजवाया गया ; सजावटी कला पोर्टफोलियों, पुस्तिकाएं आदि छपवाई गईं। आवश्यकतानुसार, सुरक्षा उपकरण संस्थापित किए गए।			
20	**राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद**	विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के लिए प्रदर्शनी, संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	**38.27**	**35.00**			**39.27**	**28.12**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	नवीन वीथियाँ स्थापित	देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, प्रोन्नयन			बीआईटीएम,कोलकाता में मोटिव पावर तथा नवाचार संसाधन केन्द्र (चरण-।।) की पुनर्मरम्मत,	बीआईटीएम कोलकाता में नवप्रवर्तन संसाधन केन्द्र (चरण–।।) तथा 'विद्युत' वीथि सहित विभिन्न			कार्य की प्रगति को बनाए रखने के लिए व्यय

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	करना, प्रदर्शों का उन्नयनी करण और अद्यतन, नई परिचालन योग्य प्रदर्शनिय ाँ, शैक्षणिक कार्यक्रम । प्रमुख सिविल कार्यों सहित (विज्ञान केंद्रों की स्थापना के अतिरिक्त) देश के	करना और उसे लोकप्रिय बनाना।			एसडीसी,पटना में इवोल्यूशन गैलरी, आरएससी,भुवनेश्वर में मोशन(चरण ।।) और एसएस बर्दवान, एनबीएससी,सिलीगुड़ी में ग्रीन एनर्जी (चरण-।।), एनएससी,दिल्ली में नवाचार संसाधन केन्द्र (चरण ।।) और नेक्यूलर पावर को वर्ष के दौरान पूरा किया जाएगा। इनके अलावा नई गैलरियों/ संसाधन केन्द्रों / कम्प्यूटर किओस्क के विकास का कार्य भी वर्ष के दौरान हाथ में लिया जाएगा और इस कार्य को 2013–14 में पूरा कर लिए जाने की सम्भावना है। मौजूदा 8 चल प्रदर्शनयिां जारी रहेंगी जो देशभर विभिन्न विज्ञान केन्द्रों में प्रदर्शित की जाएंगी।इसके अलावा, वन्डरफुल वलर्ड ऑपफ स्टेटिक्स और ब्रहमाण्ड को जानने से सम्बन्धित 2 चल प्रदर्शनियों को कमश बीआईटीएम, कोलकाता और सीआरटीआई में में विकसित किया जाएगा। राष्ट ्रीय विज्ञान ड्रामा/ उत्सव/ संगोष्ठी	वीथियों का निर्माण, विकास और नवीकरण कार्य पूरा कर लिया जाएगा ; एसआरएससी, गंगटोक (चरण–।) ; आरएससी, भुवनेश्वर में 'मोशन' वीथि (चरण–।।) ; एनबीएससी, सिलिगुडी में 'ग्रीन एनर्जी' वीथि (चरण–।) ; डीएससी, दीघा में 'एन साइंस' वीथि ; एससी, वर्दमान में 3डी हॉल ; डीएससी, धेनकनाल में 'मिरर मेज़' वीथि ; एनएससी, दिल्ली में 'नवप्रवर्तन संसाधन केन्द्र' ; एनएससी दिल्ली में 'न्यूक्लियर पावर' आदि का कार्य आरंभ कर दिया गया है तथा अप्रैल, 2014 या 2014–15 में पूरा हो जाने की संभावना है। बीआईटीएम, कोलकाता में 'सांख्यिकी' पर सचल प्रदर्शनी तथा देश के विभिन्न विज्ञान केन्द्रों में 8 विद्यमान सचल प्रदर्शनियां का देशभर का दौरा जारी रहा ; सीआरटीएल, कोलकाता में 'अंडर स्टैंडिंग दी यूनिवर्स' पर नई सचल प्रदर्शनी ; आरएससी, तिरूपति में			के योजनाबद्ध और नियमित प्रवाह को जारी रखने के लिए समग्र परियोजना को चार तिमाहियों में पूरा किया जाएगा।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विभिन्न भागों में स्थित 25 विज्ञान केन्द्रों की आधारिक अवसंरचना तथा मौजूदा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यवसायिक योग्यता कार्मिक प्राप्त				/ मेला/ क्वीज/ लोकप्रिय व्याख्यानों का आयोजन भी सभी संग्रहालयों तथा केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे तथा वर्षभर एनसीएसएम ऑडिटोरियमों के सुधार/ विकास/ निर्माण के मुख्य सिविल कार्यों को करेगा,स्टार्म जल निकासी व्यवस्था, अतिथि गृह,पैनोरमा बिल्डिंग्स, बिल्डिंग्स वॉल्स, कैन्टीन्स तथा आगन्तुकों के लिए लिफट की स्थापना के कार्य को भी एनसीएसएम के अन्तर्गत विभिन्न संग्रहालयों तथा केन्द्रों में पूरा किया जाएगा।	'अवर सेंसिस' ; डीएससी, तिरूनेलवेली में 'एग्रीकल्चर' को वर्ष के दौरान विकसित किया गया। उक्त वर्ष के दौरान विभिन्न विज्ञान संग्रहालयों और केन्द्रों में एनएससी, मुंबई में राष्ट्रीय विज्ञान नाट्य उत्सव ; एनएससी मुंबई में जूनियर एस्ट्रोनॉमी आलिंपियाड कार्यक्रम ; राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन / मेला ; विज्ञान शिक्षण और कंप्यूटर प्रधान अध्ययन आधारित कार्यकलापों से संबंधित इंजीनियरी मेला, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित मुख्य शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	करने के लिए विज्ञान सम्प्रेषण में एमएस पाठ्यक्रम								
(ii)	केन्द्रीय प्रापण और अन्य मुख्य उपस्करों	विभिन्न क्षेत्रीय विज्ञान केंद्रों का आधुनिकीकरण करना और उनको अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करना।			आरएससी,तिरुपति के लिए 8एम डिजिटल प्लेनेटेरियम उपस्कर, विज्ञान केन्द्र,कोलकाता, एनएससी मुम्बई और आरएससी,लखनऊ के लिए बड,ी फार्मेट फिल्म, एनसीएसएम की सभी इकाइयों के लिए 3डी फिल्म,रा''ट्रीय स्तर के विज्ञान केन्द्रों के लिए ' साइंस ऑन स्फीर '' तथा विज्ञान केन्द्र के डिजिटल पैनोरमा और आरएससी,तिरूपति,आरएससी, भुवनेश्वर एवं आरएससी,नागपुर के लिए उपस्कर की अधिप्राप्ति वर्ष के दौरान की जाएगी।	एनसीएसएम के अधीन विभिन्न केन्द्रों/ संग्रहालयों में नवीकरण, निर्माण, विकास, चमकाने और संबंधी कार्य तथा ट्रांसफार्मर, जी–जी सैट जैसे विद्युत उपकरणों का संस्थापन, अस्थायी रूफिंग, आगंतुक लिफ्ट सुदृढ़ जल निकास प्रणाली कार्य, फव्वारे का संस्थापन, ऑडिटोरियम का सौंदर्यीकरण और कुर्सियों को बदलना आदि जैसे कार्य किए गए। वर्ष के दौरान आरएसी, तिरूपति के लिए डिजिटल तारामंडल के लिए 8 एम ; एनसीएसएम की 5 इकाईयों के लिए 3 डी फिल्म ; दो (2) राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान केन्द्रों के लिए 'साइंस ऑन स्फीयर' ;			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						विज्ञान केन्द्र और आरएससी, तिरूपति, आरएससी, भुवनेश्वर एवं आरएससी, नागपुर के लिए उपस्कर ; वीआईटीएम, बंगलुरू के लिए फ्लायर सिमुलेटर की प्राप्ति की गई। विज्ञान संचार में एम.एस. पाठ्यक्रम जारी रहा ; 'भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास से संबंधित साहित्य की पहचान' पर विशेष रूप से गठित समिति के एक भाग के तौर पर वर्ष 2013–14 में एस एवं टी में पारंपरिक ज्ञान तंत्र एवं भारतीय विरासत विषय पर कॉफी टेबल पुस्तकों के प्रकाश सहित दस्तावेजीकरण कार्य। ब्रिटिश म्यूजियम, यू.के. के सहयोग से भारत सरकार द्वारा यू.के. में नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम–।। आयोजित किया गया।			
(iii)	पूर्वोत्तर राज्यों में नयी परियोजनाएँ – आर एस सी, गुवाहाटी	उस क्षेत्र के लोगों तथा विशेषतः छात्रों के मन में वैज्ञानिक रुझान बढ़ाना।			. नए प्रदर्श आदि का निर्माण कर अवसंरचना और मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ करना। . तारामंडल सहित असम राज्य (एसआरएससी जोरहाट) में	आरएससी गुवाहाटी के सुदृढ़ीकरण हेतु किए जाने वाले अन्य कार्यकलापों सहित प्रदर्श विकास के लिए कार्य 2013–14 की वार्षिक कार्रवाई योजना के अनुसार किया			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एसआरएससी, जोरहाट, एसआरएससी, गंगटोकशिलांग , मणिपुर और मिजोरम, सुकांत अकादेमी, अगरतला, त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र, स्वायत्तशासी जिला परिषद (टी टी ए ए डी सीद्ध)				नया विज्ञान केंद्र स्थापित करना। . तारामंडल सहित एस आर एस सी गंगटोक के कार्य का विस्तार। . आर एस सी, गुवाहाटी, एस आर एस सी, शिलॉंग, मणिपुर और मिजोरम में उन्नयन कार्य। . सुकांत अकादेमी त्रिपुरा, आदिवासी क्षेत्र स्वायत जिला परिषद (टी टी ए ए डी सी) के लिए विकास प्रदर्शनी	गया। तारामंडल सहित एसआरएससी, गंगटोक के विस्तार का सिविल कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। तारामंडल उपस्कर स्थापित करने का कार्य 2014–15 में जारी रहेगा। सुकांत अकादमी, अगरतला, त्रिपुरा के लिए प्रदर्शों के विकास का कार्य तथा 3डी थियेटर स्थापित करके नागालैंड व अरूणाचल प्रदेश स्थित विज्ञान केंद्रों के स्तरोन्नयन का कार्य वार्षिक कार्रवाई योजना 2013–14 के अनुसार चल रहा है। एसआरएससी, जोरहाट की स्थापना का कार्य पूरा हो गया है और उसका उदघाटन दिनांक 06. 07.2013 को किया जा चुका है।			
21.	**विज्ञान शहर**	देश के चुनिंदा केन्द्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	–	**11.55**			–	**49.05**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना खर्चों

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									के लिए किया जाता है।
	(क) **जारी नई परियोजनाएं** – आरएससी, कोयम्बटूर,आरएससी,जयपुर, आरएससी,पिलिकुला,पीसीएमसी,पुणे,आरएससी,देहरादून, एसआरएससी, जोधपुर,एसआरएससी, पांडिचेरी तथा विज्ञान केन्द्र,कोलकाता में साइंस एक्सप्लोरेशन हॉल(दूसरा चरण),एसआरएससी , श्रीनगर,आरएससी,मैसूर,एसआरएससी बारागढ, (उड़ीसा), एसआरएससी, उदयपुर (त्रिपुरा), एससी, राजमुंदरी, आरएससी, चण्डीगढ, और एसआरएससी,अम्बाला में कार्य	महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान, पुडुचेरी (सं.रा.क्षे.) असम, पश्चिम बंगाल, जम्मू, कर्नाटक, उडीसा, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, हरियाणा राज्यों में नए विज्ञान केन्द्रों की स्थापना			आरएससी,कोयम्बटूर,आरएससी,जयपुर,आरएससी,पिलिकुला,पीसीएमसी,पूणे,आरएससी,देहरादून,एसआरएससी,देहरादून,एसआरएसआरएससी,कोयम्बटूर,आरएससी,जयपुर,आरएससी,पिलिकुला,पीसीएमसी,पूणे, आरएससी,देहरादून,एसआरएससी,देहरादून,एसआरएससी,जोधपुर,एसआरएससी,पांडिचेरी तथा विज्ञान केन्द्र,कोलकाता में साइंस एक्सप्लोरेशन हॉल (दूसरा चरण),एसआरएससी, श्रीनगर,आरएससी,मैसूर,एसआरएससी बारागढ, (उड़ीसा), एसआरएससी, उदयपुर (त्रिपुरा), एससी, राजमुंदरी, आरएससी, चण्डीगढ, और एसआरएससी,अम्बाला में कार्य पहले ही प्रारम्भ हो चुका है और यह जारी रहेगा।	क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र (आरएससी), जयपुर ; विज्ञान केन्द्र, पीसीएमसी, पुणे व आरएससी, कोयम्बटूर, एसआरएससी, जोरहाट तथा एसआरएससी, जोधपुर का उदघाटन कर दिया गया है और उन्हें संबंधित राज्य प्राधिकरण को सौंप दिया गया है ; आरएससी, पिलिकुला, मंगलौर का कार्य पूरा हो गया है और इसका उदघाटन किया जाना है ; उप–क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र गंगटोक ; तारामंडल के एसआरएससी पुदुचेरी ; आरएससी, देहरादून में स्तरोन्नयन व स्थापना का कार्य चल रहा है। साइंस सिटी (द्वितीय चरण) में विज्ञान पर्यवेक्षण हॉल, एसआरएससी, मिजोरम, त्रिपुरा एवं मेघालय ; अंबाला, हरियाणा आदि का कार्य 2013–14 में आरंभ किया जाएगा वशर्ते कि संस्कृति मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त हो जाए व भूमि उपलब्ध हो जाए तथा यह			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	आरएससी बारागढ, (उड,ीसा), एसआरएससी, उदयपुर (त्रिपुरा), एससी, राजमुंदरी, आरएससी, चण्डीगढ, और एसआरएससी, अम्बाला । **पूर्वोत्तर में विज्ञान केन्द्र** आरएससी, गुवाहाटी, एसआरएससी गंगटोक, शिलांग मणिपुर और मिजोरम, सुकांता अकादमी,	पूर्वोत्तर में बड़ी संख्या में जनता और विशेष रूप से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक प्रकृति मन में बैठाना।			. आरएससी,गुवाहाटी में नए प्रदर्शों आदि का निर्माण करके अवसंरचना और मौजूदा सुविधाओं के सुदृढ़ करना। . तारामंडल सहित एसआरएससी, गंगटोक का विस्तार कार्य . एसआरएससी, शिलांग, मणिपुर, और मिजोरम का उन्नयन कार्य . सुकांता अकादमी, त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के प्रदर्शों का विकास ।	कार्य 2014–15 में जारी रहेगा।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी)								
22.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**	जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मानव जनसंख्या पर अनुसंधान कार्यकलाप पूरे करना। इसके कार्यकलापों में नृजातीय सामग्रियों तथा प्राचीन मानव कंकाल संबंधी अवशेषों का संग्रहण, परिरक्षण, अनुरक्षण, प्रलेखन और अध्ययन शामिल हैं।	**19.33**	**14.00**	योजना शीर्ष के अधीन उनके बजट का लगभग 30–40 प्रतिशत टीएसपी के अधीन सांस्कृतिक आदिवासी कार्यकलापों के लिए निर्धारित किया गया है। उनके बजट के अलावा एमईआर में कार्यकलापों के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गई है।		**17.32**	**11.47**	सामान्यतया गैर–योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	प्रलेखन और प्रचार–प्रसार	8 क्षेत्रीय केन्द्रों और कोलकाता स्थित केंद्रीय राष्ट्रीय पुस्तकालय में मानव विज्ञान पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना और इसके सुंदृढीकरण और क्षेत्रीय कार्यालयों के निर्माण सहित संग्रहालय का रख–रखाव /भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के पास। भारतीय			6000 पुस्तकालय पुस्तकों की मुख्य कार्यालय,7 क्षेत्रीय केन्द्रों,1 उप क्षेत्रीय केन्द्र,2 फिल्ड स्टेशन और 1 कैम्प ऑफिस के लिए अधिप्राप्ति। एनएनएसआई के तहत सभी मौजूदा पुस्तकालयों के लगभग 60% रिट्रो कनवर्ज़न तथा डिजिटाइजेशन पूर्ण किए गए। सर्वेक्षण में सभी पुस्तकालयों को कोलकाता में	पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण जारी रहा। सभी पुस्तकालयों के रेट्रो–कनवर्जन और डिजिटलीकरण का कार्य किया गया। कई पुस्तकें, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल, शोधपत्र आदि प्राप्त किए गए। संग्रहालय नमूनों के संरक्षण व दस्तावेजीकरण कार्य जारी रहा। सभी क्षेत्रीय / उप–क्षेत्रीय केन्द्रों के पहचान किए			जनशक्ति के अभाव से कमी हो सकती है। विद्वानों और आम लागों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों सहित 2000 से अधिक आगन्तुको ने

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	राष्ट्रीय दृश्य मानवविज्ञान केन्द्र, कोलकाता डब्ल्यूआरसी, उदयपुर में नए भवन में सामुदायिक ज्ञान हेतु रा''ट्रीय केन्द्र	सांस्कृतिक विरासत के प्रलेखन के भाग के रूप में विशिष्ट संकल्पनाओं पर परभक्षी नृजाति वर्णन की फिल्में भी मौजूदा हैं।			एन. साइंस के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय के साथ इंटरलिंक करना। मानव सर्वेक्षण के पास 1केन्द्रीय तथा 7क्षेत्रीय संग्रहालय। उदयपुर में नवनिर्मित भवन में सग्रहालयों का लगभग 75 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो गया है। सर्वेक्षण के सभी संग्रहालयों में मूर्त सांस्कृतिक विरासत के लगभग 1000 संग्रहण। एनडब्लयूआरसी,देहरादून में ओपन एअर म्यूजियम की स्थापना का 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण।सभी संग्रहालया की नमूना वस्तुओं का संरक्षण कार्य जारी। विभिन्न मानव सर्वेक्षण विषयों पर 20 प्रदर्शनियों को शुरू करना। –केन्द्र के लिए सम्पादन व्यवस्था हेतु उपस्कर की अधिप्राप्ति। दृश्य मानवविज्ञान के लिए जनशक्ति प्रशिक्षण हेतु 2 कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।	गए फोटोग्राफीय निगेटिवस का डिजिटाइजेशन जारी रहा। उज्जयंता पैलेस, अगरतला स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में मानव विज्ञान संबंधी वीथियां/ प्रदर्शनियां स्थापित की गई व उनका उदघाटन किया गया। लद्दाख के चांगपा, जम्मू एवं कश्मीर के बकरवाल तथा हिमाचल प्रदेश के गद्दी नामक 3 हिमालयी चरवाहा समुदायों का दृश्य दस्तावेजीकरण कार्य आरंभ किया गया। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने 'वैनिशिंग कलर्स एंड श्रिकिंग थ्रैड्स' नामक फिल्म तैयार की। उपक्षेत्रीय केन्द्र, जगदलपुर ने 'शिल्प एवं शिल्पकारिता' पर एक कार्यशाला आयोजित की। नागपुर में 'पीपल ऑफ इंडिया' नामक प्रदर्शनी आयोजित की गई। 'इजेडसीसी के सहयोग से सॉल्ट लेक, कोलकाता में 'संयाल उत्सव' का आयोजन किया गया। कई स्वास्थ्य जागरूकता शिविर तथा जनजातीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए			मानव विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया। 2012–13 में पूर्वोत्तर राज्यों के 1 लाख से अधिक लोग प्रत्येक स्थान में प्रदर्शनी को देखने के लिए आएंगे देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नृजाति संग्रहालय पुरावस्तुओं, फिल्मशों का व्यापक प्रदर्शनी का संगठन करना। लगभग 3–4 लाख आगुंन्तुक देखने आएंगे।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					मानवविज्ञान सर्वेक्षण के अनुसंधान कार्मिकों और इनकी आउटसोर्सिंग द्वारा 10 डाक्यूमट्री फिल्में बनायी जाएंगी। सर्वे द्वारा पहले 5 साइलेंट मूवी में साउंड ट्रेक बनाई गई की व्यवस्था की गयी थी। – डिजिटाइजेशन के लिए उपस्कर अधिप्राप्ति को पूरा करना तथा सेंट्रल डिजिटल डाटा रेपरटरि के लिए सर्वे संस्थापन। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्रों तथा मुख्य कार्यालय हेतु स्थानीय तौर पर डाटा डिजिटाइजेशन हेतु और उन्हें केन्द्रीय सर्वे हेतु हस्तान्तरित करने के लिए 2 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।	गए। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2013 तथा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा विश्व मूल निवासी दिवस मनाया गया जिसके तहत प्रदर्शनियां, जनजातीय सांस्कृतिक उत्सव, सम्मेलन आदि आयोजित किए गए। टीएसपी के अधीन संथालों की मंचकला, संथालों की टैराकोटा कला और संथालों के करम उत्सव पर कार्यशाला नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम पर आन प्रदर्शनी आयोजित की गई। 'आदि चित्र' पर एक प्रदर्शनी; 'राजस्थान के जनजातीय चित्र' पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस सर्वेक्षण की दृश्य मानव विकास प्रौद्योगिकी समिति ने 'चांगपा ऑफ लद्दाख' नामक वृत–चित्र का प्रारंभिक फिल्मांकन प्रस्तुत किया।			
(ii)	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	इस समय सर्वेक्षण के पास 47 अध्येता हैं। इसका उद्देश्य 29 अतिरिक्त अध्येतावृत्ति सहित कुल			मानवविज्ञान सर्वेक्षण के पास भारतीय विभिन्न श्रेणियों में 47 अध्येतावृत्ति हैं जिसमें से आज की तारीख तक 3 रिक्त हैं।	सर्वेक्षण की विभिन्न योजना परियोजनाओं में परियोजना कार्य को पूरा करने के लिए अनुसंधान मानवशक्ति सहायता के रूप में			चूंकि सर्वेक्षण को मौजूदा 47 अध्येता के अलावा 4

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अध्येतावृत्ति को 76 तक ले जाना है, क्योंकि ये देश में संसाधन के रूप में मानव–शक्ति विकास का महत्वपूर्ण घटक हैं।			आरएफडी 2012–13 के माध्यम से अध्येतावृत्ति को 47 से बढ़ाकर 147 करने का प्रस्ताव है जो अभी भी अनुमोदन के लिए लम्बित पड़ा है।	नियमित अनुसंधान कार्मिक नियोजित करने के साथ–साथ विभिन्न संवर्गों के अनुसंधान अध्येताओं को भी नियोजित किया गया है।			आगन्तुक अध्येता, 5 पोस्ट डोक्टोरल अध्येता–10 वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता और 10 कनिष्ठ अध्येता की आवश्यकता है।
(iii)	जनशक्ति प्रशिक्षण/ सलाहकार/ कार्यकारी समिति/विशेषज्ञों की बैठकें सहकारी स्कीमें सूचना एवं प्रौद्योगिकी	विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैठके करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है जिनमें बाह्य विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसके अलावा कार्यकारी परिषद की आंतरिक बैठकें की जाएंगी। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण कार्यशालाओं / सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों			विभिन्न अनुसंधान परियोजना के कार्यान्वयन हेतु बैठक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जरूरत होती है जिसमें बाहर के विशेषज्ञ 'शामिल हैं। 4 ईसी बैठकें आयोजित कीजाएंगी जिसमें सर्वे के सभी कार्यकारी सदस्यों को शामिल किया जाएगा। 7 एनएसी बैठकें आयोजित की जाएंगी जो सभी सर्वे गतिविधियों को दिशानिर्देश देगी और मौजूदा कार्यों का मूल्यांकन करेंगी। 50 कार्मिक कार्यशालाओं में प्रशिक्षण देंगे! सर्वे के स्कॉलर/ फेलो विभिन्न व्यवसाय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता में अपनी **राष्ट्रीय परामर्शी समिति बैठक** का आयोजन किया गया। विभिन्न योजना परियोजनाओं के लक्ष्यों और उपलब्धियों की समीक्षा करने के लिए केन्द्रीय क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर और पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता में **कार्यकारी समिति की बैठकें** आयोजित की गईं। इस सर्वेक्षण के एक वरिष्ठतम वैज्ञानिक विद्वान डॉ. बी.एन. सरकार ने वर्ष 2013 में **''फेलो ऑफ दी वेस्ट बंगाल अकादमी ऑफ साइंस एण्ड टेकनॉलोजी (एफ.ए.एससी.टी.)''** का अवार्ड प्रदान किया। सर्वेक्षण ने			जनशक्ति की कमी होने के कारण सर्वेक्षण ने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने के लिए जनशक्ति का आउटसोर्स किया और यह करना जारी रहेगा। सामान्य एवं आवसरिक

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन	के आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों का सहयोग करना जारी रखेगा। प्रयोगशाला सूचना समेत सर्वर बेस इंटरनेट सेवा का सृजन करने के लिए भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के विभिन्न कार्यक्रमों का कंप्यूटरीकरण।			लेंगे।इसमें लगभग बाहर से 100 लोगों के आउटसोर्स का भी प्रस्ताव है।ये 2010 में 39 आउटसोर्स किए गए लोगों के अलावा हैं। – यह सर्वे विभिन्न रा''ट्रीय एजेंसियों के साथ कार्यशालाओं/ सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के आयोजन हेतु सहयोग करता रहेगा।	एनसीएसएम, कोलकाता में आयोजित ''संग्रहालयों में विकास कार्यक्रम का प्रबंधन नामक कार्यशाला में भाग लेने के लिए तीन अनुसंधान कार्मिकों को प्रतिनियुक्त किया। हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इस सर्वेक्षण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने केन्द्रीय समाजशास्त्र / मानवविज्ञान विभाग, कीर्तिपुर, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में आयोजित ''सोशल इनक्लूजन और एथनोग्राफिक स्ट्डीस'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।			प्रकाशनों, न्यूज लैटर, अर्द्धवार्षिक जरनल के रूप में अनुसंधान रिपोर्टों और मोनोग्राफ का प्रकाशन।
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी शुरू करना	सर्वेक्षण में विकसित डीएनए अध्ययन में वृद्धि करना और डीएनए बैंकिंग का अनुरक्षण करना। पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी और उदयपुर, देहरादून डीएनए बैंकिंग प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास करना।			भौतिक मानवविज्ञान प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में इसने सर्वोत्कृष्ट अधुनातन सुविधाओं के सृजन का कार्य हाथ में लिया है जो इसके 5 क्षेत्रीय केन्द्रों में चालू है। आधारभूत संरचना का विकास इस प्रकार से करने की योजना है कि मानव प्रशिक्षण पूर्णतया समय प्रौढ़योगिकियों के	इस सर्वेक्षण की सभी डीएनए प्रयोगशालाओं का वार्षिक अनुरक्षण कार्य जारी है। एकत्रित डाटा / नमूनों / रक्त आदि के अनुसंधान विश्लेषण में बेहतरी के लिए डी. एन.ए. प्रौद्योगिकी अधिष्ठापन सहित प्रयोगशाला सुविधाओं के रख–रखाव और आवधिक अनुरक्षण हेतु चल रही परियोजना, विभिन्न योजना परियोजनाओं से संबंधित है। देश			इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तत्व की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	डीएनए बैंकिंग। सामुदायिक आनुवांशिकी एवं स्वास्थ्य।	देश में मानव अनुवांशिकी संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए विनियामक कार्यतंत्र विकसित करना और आईपीआर एवं कार्य संबंधी नैतिकता से जुड़े मुद्दों के संरक्षण हेतु कार्यतंत्र का विकास करना।			अनुकूल हो और जिसे सर्वे में 'शामिल किया जा सके। सर्वेक्षण सामुदायिक अथवा सांस्कृतिक पद्धति सहित आनुवंशिकी और स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। डीएनए नमूनों का एकत्रण और भण्डारण जारी है। राष्ट्रीय स्तर पर डीबीटी, आईसीएमआर और डीएसटी के साथ मानव अनुवांशिक संसाधन हेतु एक रिपोजिटरी स्थापित की जानी है।	के विभिन्न भागों से डी एन ए नमूनों को इकट्ठा करने और भंडारण का कार्य इस सर्वेक्षण की डीएनए प्रयोगशालाओं में विश्लेषण हेतु जारी है।			
(v)	समकालीन भारतीय आबादी तथा प्राचीन कंकाली सामग्री की डीएनए बहुरूपता	सांस्कृतिक पद्धति के संदर्भ में समकालीन भारतीय आबादी के डीएनए पोलिमोरफिज़्म की समझ हाल ही के मानव जिनोम अनुसंधान से विकास की दृष्टि में जीवन और पर्यावरण के संबंध में आवश्यक होगी।			मानव जीनोम विविधता के संबंध में भारतीय आबादी पर जो मूलभूत जानकारी सृजित की जा रही है, वह चिकित्सा अनुप्रयोग में उपयोगी होगी।	प्रयोगशाला विश्लेषणात्मक अध्ययनों के लिए उपभोज्य वस्तुओं का प्रापण जारी है। उत्तराखंड में जौनसारी के चार उपसमूहों और भोटिया के एक उपसमूह का अध्ययन कार्य आरंभ किया गया। दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर और मुख्यालय, कोलकाता की डीएनए प्रयोगशालाओं में एमटी डीएनए और वाई कोमोज़ोम फाइलोजनी से संबंधित अनुक्रमण कार्य एक बड़े पैमाने पर आरंभ किया गया। अब			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						तक, 70 समुदायों के लिए 24 प्राइमर सैटो हेतु एमटी डीएनए कार्य पूरा हो चुका है। **'अट्टापाड़ी के जनजातीय समुदायों के बीच नवजातों की मृत्यु' के समाचार** से अट्टापाड़ी तथा केरल और तमिलनाडू के अन्य जनाजातीय क्षेत्रों का तत्काल क्षेत्रीय दौरा किया गया। पूर्वी भारत की जनसंख्या में रेनिन जीन के प्रचार क्षेत्र में तीन नए एमएनपी की पहचान की गई जिन्हें हयूमन जीनोम बैंक (जीन बैंक) को भिजवा दिया गया।			
(vi)	पूर्वोत्तर भारत में बच्चों की शारीरिक वृद्धि और विकास – एक सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा।	पूर्वोत्तर भारत के 0–18 वर्ष की आयु के बच्चों के विकास के जैव–सांस्कृतिक निर्धारियों को समझना।			लोक स्वास्थ्य मुद्दों के रूप में बच्चों का विकास पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक मिशन मोड परियोजना है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के आदिवासी समुदायों के बीच गहन फील्ड जांच–पड़ताल शुरु करने के लिए अनुसंधान दल।	वर्ष 2013–14 के दौरान, अनुसंधानकर्ताओं के एक समूह ने पश्चिम खासी पर्वतीय जिला, मेघालय के अरोडोंगा गांव का दौरा समाप्त किया। –क्षेत्रीय परीक्षणों द्वारा एकत्रित डाटा का कम्प्यूटरीकरण और विश्लेषण कार्य जारी रहा।			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।
(vii)	शिवालिक उत्खनन और देश के अन्य	नर्मदा सागर बांध की घाटी के अन्वेषण योग्य जलमग्न की दृष्टि में केन्द्रीय नर्मदा			शिवालिक क्षेत्र में उत्खनन स्थल पर 1 फील्ड कैम्प का आयोजन किया जाना है।	भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के अनुसंधान कार्मिक पुराजीवि–मानवविज्ञान प्रयोगशाला,			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भाग	का विस्तार और सुव्यवस्थित अन्वेषण और उत्खनन			सिवालिक क्षेत्र में फील्ड अन्वेषण और उत्खनन कार्य जारी रहेगा। देश के अन्य भागों में इसी प्रकार के स्थल का पता लगाया जाएगा। एकत्रित नमूनों का विश्लेषण जारी रखा जाएगा।	मुख्यालय, कोलकाता के विभिन्न प्रागैतिहासिक स्थलों से एकत्रित पत्थर के औजारों की पहचान और वर्गीकरण में कार्यरत हैं। 2013–14 के दौरान, अनुसंधानकर्ताओं की एक टीम ने फरवरी, 2014 के तीसरे सप्ताह हिमाचल प्रदेश के ऊपरी शिवालिक क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्य और उत्खन्न कार्य आरंभ किया।			जोखिम तथ्यों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।
(viii)	अंतर्राष्ट्रीय मानव विज्ञान विद्यालय	शिक्षण कार्यों में लगे तथा मानवविज्ञान सर्वेक्षण विभाग के साथ सहयोगात्मक अनुसधान करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संकाय की सेवाओं; का उपयोग करने की परिकल्पना की गई है। और मानव जिनोम परियोजना ने मानवशास्त्र सहित सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधि चलाने से जीवन विज्ञान के सिद्धांत और पद्धति में आमूल परिवर्तन किए हैं।			अन्य संस्थाओं से आन्तरिक वैज्ञानिक सदस्यों और स्कॉलरों दोनों के लिए 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।	सर्वेक्षण द्वारा दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर में इस सर्वेक्षण के अनुसंधान कार्मिकों के बीच 24 एवं 25 जून, 2013 को 'संकट्ग्रस्त भाषाएं' विषय पर एक कार्यशाला तथा 22 से 31 जुलाई, 2013 तक उन्मुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वेक्षण द्वारा अपने पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता में 28 अक्तूबर 2013 से 1 नवंबर, 2013 तक भूविज्ञान विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय के फेकल्टी सदस्यों और पी एच डी विद्वानों के लिए ''एक अनुसंधान साधन और शिक्षण			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						सामग्री के रूप में दृश्य श्रव्य प्रौद्योगिकी के उपयोग पर उन्मुखी कार्यक्रम'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।			
(ix)	समुदाय अनुवांशिक और स्वास्थ्य (समुदाय अनुवांशिक विस्तार कार्यक्रम)	मानव अनुवांशिक में नए विकास और इसकी जटिलताओं को मानव आणविक विकास और इसके अपनाने के संबंध में आम आदमी और स्कूल के बच्चों के ध्यान में लाने की आवश्यकता है।			थैलेसिमीया सिकल सैल एनीमिया और 66 पीडी कमी के लिए उच्च जोखिम क्षेत्रों पर सामुदायिक जेनेटिक्स। हीमोग्लोबिन अव्यवस्थाओं के 1000 नमूने का सुनिश्चय करना और उनका पूर्णतया विश्लेषण। इस परियोजना के अनुसंधान निष्कर्षों पर आधारित पर आधारित 3 वैज्ञानिक दस्तावेजों का प्रकाशन किया जाएगा।	(क) मध्य प्रदेश के तमिया ब्लॉक के भारिया नामक एक पीवीटीजी समुदाय से एकत्रित 400 रक्त नमूनों के प्रारंभिक परिणामों के अध्ययन से यह पता चला है कि 11 प्रतिशत सिकल सैल वाहक है जबकि 11 नमूने 3.8 प्रतिशत से भी अधिक एचबीए 2 दर्शाते हैं जबकि छत्तीसगढ़ के बाइसन हॉर्न मारिया के 225 लड़के और लड़कियों के रक्त नमूने दर्शाते हैं कि लगभग 20 प्रतिशत में सिकल सैल लक्षण हैं और 2.23 प्रतिशत बीटा–थैलेसीमिया वाहक हैं। तीन व्यक्तियों में सिकल सैल रोग पाया गया और अगली जांच में लगभग 17 प्रतिशत को हाइपरग्लाईसिमिक (ब्लड शुगर >140मिग्रा / डीएल) होने का अनुमान लगाया गया। सर्वेक्षण ने नवंबर, 2014 में कोलकाता में 'थैलेसीमिया			इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्य की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						जागरूकता सह जांच शिविर' आयोजित किया। इस सर्वेक्षण द्वारा 2 और 3 दिसंबर, 2013 को पंढरकावा ब्लॉक के करंजी गांव, महाराष्ट्र के येउतमाल जिले में हीमोग्लोबिन के भिन्नरूपों और स्वास्थ्य संबंधी अन्य पहलूओं संबंधी कोलम के बीच जांच के लिए एक और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस सर्वेक्षण द्वारा 11 जनवरी से 18 जनवरी, 2014 तक बस्तर जिले में किलेपाल पंचायत और दर्भा ब्लॉक में एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। सर्वेक्षण ने 8 से 12 जनवरी, 2014 तक नागपुर में रमन विज्ञान केन्द्र और तारामंडल द्वारा आयोजित तृतीय साइंस एक्सपो में भी भाग लिया तथा सर्वेक्षण ने फरवरी, 2014 के पहले सप्ताह के दौरान कर्णाटक के बिदार जिले में एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया तथा एक और शिविर 8 से 15 फरवरी, 2014 तक कार निकोबार,			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह पर आयोजित किया गया। सर्वेक्षण ने 6 एवं 7 मार्च, 2014 को मध्य प्रदेश के डिंडिरी जिले में बजाग ब्लॉक के चना / चड़ा गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। (ख) गंगादिकारा वोक्कालिगा के 47 मधुमेह संबंधी मामलों और उसकी रोकथाम के लिए जीनोटापिंग कार्य आरंभ किया गया जिसमें 29 प्राइमर आरटी पीसीआर द्वारा और 12 मामलों का अनुक्रमण एबीआई 3730 सिक्वेंसर द्वारा किया गया।			
(x)	मानव और पर्यावरण	जीवमंडल में जैव सांस्कृतिक का प्रसारण। जैव सांस्कृतिक विविधता के ज्ञान का प्रसारण तथा जनसंख्या की वहनीयता।			वर्ष के दौरान लगभग दो जीव मंडल कर अध्ययन किया जाएगा। – पूर्व के जीवमंडल अध्ययनों के प्रकाशनीय स्वरूप में लगभग दो रिपोर्टों को प्रस्तुत किया जाएगा। –पूर्व में अध्ययन किए गए जीवमंडल की लगभग दो रिपोर्टों का प्रकाशन किया जाएगा। – कार्य की प्रगति के मूल्यांकन	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने भारत में सभी चौदह जीवमंडल रिजर्वों का अध्ययन करने का कार्य आरंभ किया है ताकि जैविक और सांस्कृतिक विविधता को उसी रूप में समझा जा सके जैसे कि वे प्रत्येक जीवमंडल रिजर्व में विद्यमान हैं और साथ ही साथ जनसमूह द्वारा अपनाई जाने वाले सामाजिक–आर्थिक प्रचलनों और			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					हेतु वर्ष के दौरान लगभग दो कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।	जीवमंडल रिजर्व के स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव को भी समझा जा सके। दिसंबर, 2014 में दिहांग – दिबांग जीवमंडल रिजर्व में क्षेत्रीय अध्ययन का कार्य आरंभ कर दिया गया है। नियोजित विद्वानों ने इस जीवमंडल रिजर्व क्षेत्र में फरवरी के मध्य से मार्च, 2014 तक वृहत क्षेत्रीय अध्ययन पूरा किया।			
(xi)	क्षमता निर्माण के तौर पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	जनशक्ति का विकास एसआईए को हाथ में लेगा और जहां कही आवश्यक हो, एसआईए अध्ययन किया जाएगा। – औद्योगिक संस्थापन को आरम्भ करने से पूर्व सरकार को एसआईए अध्ययन के साथ सहायता करना।			कम से कम एक एसआईए अध्ययन वर्ष के दौरान किया जाएगा। – कम से कम पूर्व में अध्ययन किए गए एक एसआईए रिपोर्ट को प्रकाशित किया जाएगा। – कार्य की प्रगति हेतु कम से कम एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी।	पश्चिम मेदिनीपुर में लालगढ़, न्यू टाउन में राजरघाट, पूर्व मेदिनीपुर में नंदीग्राम, हूगली (पश्चिम बंगाल) में सिंगुर, जगतसिंहपुर व सुंदरगढ़ जिलों में पोस्को इस्पात परियोजना और खनन, कालाहांडी जिले (उत्तर प्रदेश) में बाड़ा व कड़छना थर्मल उर्जा परियोजना पर रिपोर्टे संकलित की गईं और उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया जा रहा है।			
(xii)	**नई स्कीमें** जैव–सांस्कृतिक विविधता	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में भारत की जनता की जैव–सांस्कृतिक विविधता का			15 गांवों में अध्ययन किया जाएगा जिनमें सीमावर्ती गांव और जनजातीय क्षेत्र शामिल	यह परियोजना बारहवीं पंच वर्षीय योजना के दौरान आरंभ की गई है। तत्संबंधी दिशानिर्देशों को			शोधकार्यों को 12वीं योजना अवधि के दौरान

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पर्यावरण और बनाए रखने योग्य विकास	प्रलेखन करना; संसाधन आधारों की पहचान और प्रलेखन करना; जैस सांस्कृतिक बहुलता के परस्पर सम्पर्कों का विश्लेषण करना, सतत विकास के लिए संसाधनों का स्वामित्व और उपयोग; विभिन्न दृष्टिकोणों से विकास कार्यक्रमों की समीक्षा और महत्वपूर्ण उन्तरालों की पहचान करना।			होंगे। प्रकाशनीय स्वरूप में रिपोर्ट को 15 गांवों के शीघ्र अध्ययन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। अनुसंधान योजना की प्रगति के मूल्यांकन हेतु 4 कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। कुछ घुमंतू तथा शिल्पकार समूहों एवं यायावर व्यापारियों का अध्ययन विशेष मामले के रूप में किया जाएगा। अनुभवजन्य आंकडे. फील्ड कार्य के माध्यम से संग्रहित किए जाएंगे। पीआरए,जीएपफडी आदि जैसी विभिन्न तकनीकें उपयोग में लायी जाएंगी। गौण स्रोतों से गांव समुदायों के अध्ययन आंकडे. तथा संसाधन आधार का संग्रहण किया जाएगा।	2012 में ही अंतिम रूप दे दिया गया था। वर्ष 2012–13 के दौरान अठारह गाँवों का अध्ययन किया गया था। अंतिम रिपोर्टें प्रस्तुत कर दी गई है जिन्हें पर्यवेक्षकों द्वारा प्रकाशन योग्य रूप दिया जा रहा है। अध्ययन के अगले चरण के लिए 21 गाँवों का चयन किया जा चुका है, जो कि मार्च, 2014 में आरंभ कर दिया गया था। इसके अतिरिक्त, यह निर्णय लिया गया कि इस चरण के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित दो सीमान्त गाँवों का अध्ययन किया जाएगा। तदनुसार, बिहार–नेपाल सीमा पर स्थित जोगबनी गाँव में तथा नागालैण्ड–म्यानमार सीमा पर स्थित लोंगवा गाँव में अध्ययन आरंभ कर दिया गया है।			ही पूरा किया जाना है।
22 (क)	मानव विज्ञान के क्षेत्र के अनुसंधान परिणामों के	मानव विज्ञान के क्षेत्र में प्रलेखीकरण और डिजिटाइजेशन आदि के लिए बाह्य संगठनों को वित्तीय			भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण राज्य सरकारों के वैज्ञानिक विभागों, विश्वविद्यालयों के मानव विज्ञान विभागों, एनजीओ आदि	यह स्कीम भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा अभी कार्यान्वित की जानी है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रलेखीकरण और प्रचार प्रसार हेतु राज्य सरकारों के संगठनों और संस्थानों को सहायता।	सहायता प्रदान करना।			की प्रस्तावित परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।				
23.	**नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय**	पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित पुस्तकों, समाचार–पत्रों, अप्रकाशित संदर्भों, गैर–सरकारी पत्रों/फोटोग्राफों, फिल्मों तथा महत्वपूर्ण कागज़ातों के संकलन तथा अनुवाद के लिए भी उत्तरदायी।	**12.30**	**156.00**	योजना निधि में कॉर्पस निधि के तौर पर 150.00 करोड. रूपए शामिल हैं।		**13.22**	**174.16**	सामान्यता गैर–योजना अनुदान पेंशन ओर सेवा निवृत्ति लाभो सहित प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल की जाती है।
	(क) अनुसंधान एवं प्रकाशन 1. अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना।	तीन स्तर की अध्येतावृत्तियाँ, अर्थात् वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, अध्येतावृत्तियाँ तथा कनिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना तथा छात्रवृत्तियाँ और वित्तीय सहायता प्रदान करने की			इसमें 32 स्वीकृत अध्येतावृत्ति हैं। अध्येता विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में काम कर रहे हैं, अर्थात् क. आधुनिक भारतीय इतिहास और समकालिक अध्ययन , ख. भारतीय विकास	अध्येताओं के निष्कर्षों और उनके द्वारा तैयार किए गए शोधपत्रों को प्रकाशित किया जा रहा है। अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत की गईं अंतिम पाण्डुलिपियों को एनएमएमएल की अनुमति /			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	2. सीआर परियोजना 3. प्रकाशन कार्यक्रम 4. मौखिक ऐतिहासिक प्रभाग के सुदृढीकरण हेतु समकालिक अध्ययन केन्द्र 5. डिजिटाइजेशन सहित पाण्डुलिपि प्रभाग का सुदृढ.ीकरण 6. आईटी आधारभूत संरचना का विकास	व्यवस्था करना। आधुनिक भारतीय इतिहास के अध्ययन को संवर्धित और प्रोत्साहित करने के लिए व्याख्यानों, संगोष्ठियों, परिसंवादों और सम्मेलनों का आयोजन करना।			सम्बन्धी सम्भावनाएं तथा ग. विश्व अर्थव्यवस्था तथा नीति के परिप्रेक्ष्य में भारतीय और बदलती प्रवृत्तियां। अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत अन्तिम पाण्डुलिपि को भी पुस्तक स्वरूप में प्रकाशित करने का प्रस्ताव है। सामग्री का संग्रहण,स्व.श्री राजगोपालाचारी के चुनिंदा कार्यों के खण्ड तीन के वर्ल्ड प्रोसैसिंग डाक्यूमेंट। फुटनोट की तैयारी तथा अनुसंधान सामग्री की तुलना। माइक्रोफिल्म पाठकों की अधिप्राप्ति,कम्प्यूटर,स्कैनर आदि। उक्त कार्य हेतु मानव संसाधन। सामग्री संग्रहण हेतु देश के विभिन्न भागों की यात्रा। श्रीमती इन्दिरा गांधी के प्राक्कथन के साथ जवाहरलाल नेहरू पर एमएसएस का प्रकाशन,संगोष्ठियां ,कार्यशालाएं आदि। एनएमएमएल प्रतिष्ठित व्यक्तियों के संस्मरणों की रिकार्डिंग कार्य करेगा और प्रभाग के लिए उपस्करों की	अनुमोदन से एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा स्वर्गीय श्री सी.राजा के चयनित कार्यों के प्रकाशन की परियोजना पर कार्य आरंभ कर दिया गया है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अधिप्राप्ति करेगा। एनएमएमएल के प्राचीन पुरातात्विक दस्तावेजों का डिज्टीजेशन भी किया जा रहा है,यह पुरातात्विक दस्तावेजों के नए संग्रहण को जोड.कर किया जाएगा। – स्टाफ सदस्यों तथा अधिकारियों को प्रशिक्षण देना। आईटी आधारभूत संरचना का उन्नयन।				
(ख)	पुस्तकालयों का विकास	ऐसी पुस्तकों, पेम्फ्लेट, समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, फोंटोग्राफों, सचल चित्रों, साउंड रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्रियों के एक पुस्तकालय को तैयार करना जिसमें स्वाधीनता आंदोलन के विशेष संदर्भ सहित आधुनिक भारतीय इतिहास को समाविष्ट किया गया हो।			पुस्तकालय नई पुस्तकों को प्राप्त करना जारी रखेगा जिनमें पैम्फलेट, समाचार पत्र, पत्रिका, माइक्रोफिल्म, स्टिल फोटो आदि शामिल हैं।	सामाजिक विज्ञान संबंधी विद्वत्ता की दुनिया में एनएमएमएल पुस्तकालय के श्रेष्ठ स्थान को बनाए रखने के लिए नई पुस्तकों, पत्रिकाओं और अध्याधुनिक सूचना उपस्करों की सहायता ली गई। उक्त कार्यकलाप समयानुसार चल रहा हैं।			
(ग)	संग्रहालय का विकास	जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व से संबंधित वस्तुओं, स्मरणीय वस्तुओं, स्मृति चिह्नों तथा उनके जीवन से और भारतीय स्वाधीनता			संग्रहालय वस्तुओं का संरक्षण, सुरक्षा और विधियों में निगरानी प्रणाली स्थापित करना, संग्रहालय भवन का उन्नयन और नवीकरण, पुराने और धुंधले तथा	संग्रहालय में पुरानी कलाकृतियों व प्रदर्शो को बदलकर आधुनिक बनाया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरा संस्थापित किया जाना है। अस्थायी प्रदर्शनियां आयोजित की			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		आंदोलन से संबंधित अन्य वस्तुओं का एक संग्रहालय तैयार करना।			उसके खराब प्रिंटों तथा उनके कैप्शन को बदलकर स्थायी प्रदर्शनियों का रख–रखाव जवाहर इंदिरा और राजीव की ज्योतियों का रख–रखाव सोविनेयर, सोविनेयर शॉप चलाना अस्थायी मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन,संग्रहालय वस्तुओं,संग्रहालयों और पेंटिंग्स के रखरखाव हेतु नए 'शोपीस / रैक्स की मरम्मत और अधिप्राप्ति	जानी हैं।			
(घ)	नेहरू तारामंडल का अनुरक्षण पाण्डुलिपि प्रभाग, रिप्रोग्राफी सेवाओं, बच्चों के संसाधन केंद्रों को सुदृढ़ करना	एनएमएम एण्ड एल का नेहरू तारामंडल राजधानी में स्थित एकमात्र तारामंडल है तथा इसके कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करते हैं।			इसका प्रयास नेहरू तारामंडल को शैक्षिक उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में इसकी ख्याति को बनाए रखने एवं बढ़ाने का है। यह उन्नत टेलिस्कोपिक तथा अन्य खगोलीय यंत्रों के जरिए इसके स्तर को बनाए रखेगा तथा इसका उन्नयन करेगा। रेप्रोग्राफी के पुनर्गठन तथा सेवाओं के रखरखाव हेतु रॉ माइक्रोफिल्म्स तथा माइक्रोफिल्म्स पाठकों,डिजिटल,स्कैनर आदि की	तारामंडल का स्तरोन्नयन किया जा रहा है जिसका प्रस्तावित व्यय 11. 75 करोड़ रू है। आंगतुकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए खगोलीय अंतरिक्ष से संबंधित कार्यशालाएं समय–समय पर आयोजित की जाती हैं। –एनएमएमएल ने प्रख्यात व्यक्तियों के निजी शोधपत्रों का प्रापण जारी रखा क्योंकि ये ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए एक मुख्य स्त्रोत थे। कम से कम 20 लिखित प्रतिलिपियों को ऐतिहासिक			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अधिप्राप्ति का प्रस्ताव है। एनएमएमएल का बच्चों के लिए कई कार्यक्रम प्रारम्भ करने का प्रस्ताव है जिसमें प्रकृति/ हिस्ट्री वॉक्स/ पारस्परिक विचारविमर्श कार्यशालाओं/ फिल्म्स प्लेस आदि शामिल हैं।	अनुसंधान के मुख्य स्त्रोत के नाते अंतिम रूप दिए जाने का प्रस्ताव है। – बच्चों के लिए एक बड़ी संख्या में कार्यकलाप आयोजित किए गए जिनमें बच्चों व युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए प्रकृति /इतिहास पैदल यात्रा, संवादात्मक कार्यशालाएं, फिल्में एवं स्थान आदि सम्मिलित थे।			
(ड)	मल्टीमीडिया पुस्तकालय/ नेहरू अंकित छात्रवास उद्यान और सम्पदा का विकास	भारत और विदेशी दोनों की प्रख्यात व्यक्तियों के संस्मरणों को अभिलेख और परिरक्षित करना विद्वानों के लिए छात्रावास का प्रावधान भिन्न और समृद्ध विरासत का संरक्षण करना।			एनएमएमएल द्वारा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित प्रतिष्ठित हस्तियों की सुविधा हेतु तथा उनके संस्मरणों /साक्षात्कारों की रिकार्डिंग हेतु स्टूडियो के उन्नयन के लिए उपस्कर की प्राप्ति का प्रस्ताव है। विद्वत समुदाय के लाभार्थ छात्रावास को आवासीय कालोनी बनाना। सुन्दर बगीचे तथा वुडलैंड का रखरखाव।	नए उपस्कर प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है। वर्ष के दौरान बाग के विकास और रख–रखाव तथा अन्य पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित कार्य किया गया।			
24.	**भारतीय संग्रहालय,**	यह संस्थान सांस्कृतिक लोकाचार और परंपरा की	**7.65**	**107.88**			**7.60**	**105.18**	सामान्यता, गैर योजना अनुदान

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कोलकाता	शताब्दियों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय और विदेशी कला के अद्वितीय खज़ानों को रखने वाली वीथियों के पुनर्गठन और पुनरूद्धार में कार्यरत है।							प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	कला, पुरातत्व और मानव विज्ञान, मुद्राशास्त्रीय एवं पुरालेखाशास्त्र अनुभागों की वीथियों का आधुनिकीकरण , विकास, पुनरूद्धार और रखरखाव।	इसके उद्देश्यों में अद्यतन व्यवस्थाओं और तकनीकों सहित विभिन्न वीथियों और आरक्षित संग्रहों की पुनर्सज्जा, आधुनिकीकरण और पुनरूद्धार शामिल हैं।			1.वीथियों की आन्तरिक मरम्मत तथा आधुनिकीकरण 2. संग्रहालय की बाह्य मरम्मत तथा आधुनिकीकरण। वीथियों का आधुनिकीकरण तथा विकास,पुस्तकालय,संरक्षण यूनिट,पुरावशेष,मॉडलिंग यूनिट, सुरक्षा प्रबन्ध,प्रकाशन यूनिट आदि का रखरखाव।	मरम्मत, पुनरूद्धार और पेंटिंग पुरातत्व का बाहरी और आंतरिक आधुनिकीकरण, सजावटी कला एवं टेक्स्टाइल्स आदि गैलरी, भारहुट गैलरी का आंशिक रूप से आकर्षक बनाना, पक्षी सरीसृप और फिश गैलरी नया टिकट काउंटर, रैंप, शौचालय ब्लॉक आदि का निर्माण।			
(ii)	प्रदर्शनियां / कार्यशालाएँ एवं अन्य शैक्षिक कार्यकलाप।	विविध संगीत विद्या और सांस्कृतिक कार्यकलापों में आंगतुकों को शामिल करना इसका उद्देश्य है।			इतिहास और शिक्षा के क्षेत्र में आंगतुकों के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन।	दुर्गा दुर्गातिनाशिनी पर प्रदर्शनी; पुरातत्व विज्ञान में विज्ञान के प्रयोग पर कार्यशाला, भारतीय प्रागितिहास की 150वीं जयन्ती और राबर्ट ब्रूज़ फूट की खोज; विशेष व्याख्यान का आयोजन अंतरराष्ट्रीय संगीत दिवस का			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						समारोह, पुस्तक मेला, स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन			
(iii)	यात्रा व्यय	परियोजना कार्यों हेतु यात्रा व्यय।			वीएमएच के अनुसंधान स्कन्ध द्वारा कई परियोजनाओं को हाथ में लिया गया है।	परियोजना कार्य हेतु यात्रा व्यय संबंधी बैठक पर्यटन पर व्यय संबंधी बैठक।			
(iv)	उत्तर पूर्वी राज्यों का विकास	उत्तर पूर्वी राज्यों में विकास कार्य।			उत्तर पूर्वी राज्यों के संग्रहालयों का विकास कार्य।	उत्तर पूर्वी राज्यों के संग्रहालयों का विकास कार्य।			
(v)	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण करना।			i) वर्षभर सुरक्षा एजेंसी तथा राज्य सशस्त्र पुलिस की सेवायें लेना। ii) मौजूदा फिटिंग तथा जुड़नारों आदि को बदलना। iii) उन्नत तथा परिष्कृत सुरक्षा उपकरणों का रख–रखाव तथा खरीद। iv) समग्र परिसर क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था का विकास।	आकस्मिक व्यय संबंधी बैठक। संग्रहालय का विकास संबंधी कार्यकलाप, गैलरी का रख–रखाव आदि। कंजरवेंसी (संरक्षण) खर्च का भुगतान, संपत्ति की खरीद।			
25.	**सलार जंग**	यह राष्ट्रीय महत्व का	**10.50**	**9.50**			**14.32**	**8.20**	सामान्यतया

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संग्रहालय, हैदराबाद	संग्रहालय है जिसमें सालारजंग प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय द्वारा समग्र विश्व से संग्रहित दुर्लभ और विविधतापूर्ण कलावस्तुओं का संग्रह है।							योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	परियोजना भवन	वीथियों के विस्तार हेतु पश्चिमी खंड में अतिरिक्त तल का निर्माण।			8 नई वीथियों के लिए 5000 वर्ग गज में अतिरिक्त तल का निर्माण करना।	डॉम, पूर्वी और पश्चिमी ब्लॉक का निर्माण, इस्लामिक आर्ट गैलरी सिविल कार्य, पूर्वी ब्लॉक की रुपरेखा संबंधी कार्य, सौर ऊर्जा संयंत्र का साइड क्लाडिन्ग, स्थापना और आयोग।			
(ii)	विकासात्मक कार्य (वर्तमान भवन)	वीथियों के पुनर्गठन, भंडारों के आधुनिकीकरण, पांडुलिपियों के संरक्षण, पुस्तकालय आदि सहित मौजूदा भवन के विभिन्न विकासात्मक कार्य शुरू करना।			वीथियों के विभिन्न विकासात्मक कार्यों तथा पुनर्गठन के कार्यों को हाथ में लेना।	स्टोर रूम सिविल कार्य के विविध विकास संबंधी कार्य शुरू की एमसीसी पैनल और बिजली कला, यूरोपीय संगमरमर गैलरी की स्थापना और बाल एवं सिक्के गैलरी और एलईडी लाइट फिक्सर की प्रदर्शनी कार्य			
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	सी सी टी वी कैमरों अग्नि सूचक प्रणाली तथा अग्निशमन नल प्रणाली की व्यवस्था करके संग्रहालय में			सीसी टीवी, कैमरा, अग्नि चेतावनी प्रणाली और अग्निशमन प्रणाली उपलब्ध कराकर संग्रहायल में सुरक्षा का उन्नयन।	अनुपूरक राशि प्राप्त करने के बाद गैर–योजना शीर्ष के अधीन संग्रहालय को उन्नयन हेतु आवश्यक अतिरिक्त निधि प्रदान की			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सुरक्षा का उन्नयन किया जा रहा है।			12 महीनों के लिए सीआईएसएपफ सुरक्षा की प्रतिपूर्ति।	गई।			
(iv)	पुस्तकालय के लिए पुस्तकों, कला वस्तुओं पाण्डुलिपियों आदि का संरक्षण अन्य सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यकलाप। फोटोग्राफी पुस्तकालय व एमएसएस	संग्रहालय पुस्तकालय में उपलब्ध कला वस्तुओं/पांडुलिपियों का संरक्षण विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम चलाना, फोटोग्राफी उपस्कर का उन्नयन पुस्तकालय की पुस्तकों एवं पांडुलिपियों का प्रापण, परिरक्षण एवं संरक्षण।			प्रदर्शित किए जा रहे तथा भण्डार में रखे शिल्प तथ्यों के संरक्षण व परिरक्षण हेतु सामान्य कार्य किया जाता है। फोटोग्राफी उपस्करों का उन्नयन। ग्रीष्मकालीन कला शिविर,बाल सप्ताह,संग्रहालय सप्ताह,विशेष प्रदर्शनी,संगोष्ठियां,कार्यशालाओं आदि जैसी 'शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। पुस्तकालय पुस्तकों और पाण्डुलिपियों को अधिग्रहण,संरक्षण तथा परिरक्षण।	शैक्षिक गतिविधियाँ–ग्रीष्म कला कैंप, बाल सप्ताह, 16 विशेष प्रदर्शनी, सेमिनार, संग्रहालय सप्ताह, 2 कार्यशालाएँ, विशेष व्याख्यान, चल फोटो प्रदर्शनी आदि। एस जे एम पुस्तकालय में पाण्डुलिपियों का विशाल संग्रह हैं और फारसी, अरबी, तुर्की में पुस्तकें हैं और इसके संग्रह में लगभग 1450 सुलेख पैनल है। वर्ष के दौरान इसने ग्रीष्म कला कैंप बाल सप्ताह, हिन्दी सप्ताह और विभिन्न उत्सव/ समारोह में विविध प्रदर्शनियाँ आयोजित। विरासत वास्तु और संरक्षण पर 7 मासिक व्याख्यान आयोजित किया।			
26.	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	शैक्षिक और आउटरीच कार्यकलापों तथा ऑपरेशन भ्रंशोद्धार (साल्वेज) के माध्यम से भारत के समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक स्वरूपों के प्रलेखन, प्रदर्शन	**3.91**	**11.45**	गैर–योजना निधियों से, इन्डोर प्रदर्शनियों, 7 आउटडोर प्रदर्शनी परिसरों, सड़क नेटवर्क, भवन तथा पुस्तकालय,फोटोग्राफी, संरक्षण आदि जैसी पुरातात्विक यूनिटों के रखरखाव के कार्य को		**3.80**	**14.41**	सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजना अनुदान इस्तेमाल किया

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		और प्रचार–प्रसार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बुनियादी सुविधओं का विकास करना।			प्रत्येक वर्ष शुरू किया जाता है।				जाता है।
(i)	अवसंरचना विकास				योजना कार्यकलाप **क) अवसंरचना विकास** 1.स्पेशिमेन स्टोर के लिए शेड निर्माण। 2.इन्डोर म्यूजियम बिल्डिंग, बिलों निपटान। 3. सीमा दीवार के निर्माण को पूरा करना। 4. आगन्तुक अनुकूल सुविधाओं का विकास। 5. संग्रहालय भवन के भीतर कुछ गैलरियों का वातानुकूलन 6. प्रदर्शन स्थल का निर्माण / प्रेक्षागृह / उन्नयन, स्थल विकास। **मुक्ताकाशीय प्रदर्शनियों का विकास :** इस साल संग्रहालय प्रदर्शों के रूप मे नए गृह प्रकारों को शामिल करेगा। रॉक आर्ट विरासत पर एक पूर्व	चरईवेती में स्पेसिमेन स्टोर स्लेड का निर्माण पौराणिक कहानी संबंधी मुक्त प्रदर्शनी में भूत गृह का निर्माण, चारदीवारी का निर्माण, नदी–घाटी प्रदर्शनी में शेड और मार्ग का निर्माण, रॉक आर्ट भवन में मनो गुणवत्ता टाइल्स प्रदान करना और लगाना। संग्रहालय के मुक्त प्रदर्शनी के रख–रखाव और मरम्मत पूरी की गयी। परंपरागत तकनीकी और पौराणिक विषय संबंधी मुक्त प्रदर्शनी में परंपरागत ज्ञान प्रणाली का चित्रण करने वाली तीन प्रदर्शनियाँ और पश्चिम बंगाल से वान देविर तान की एक प्रदर्शनी			यह संगठन आदिवासी उपयोजना कार्यक्रम के अधीन योजना आवंटन का भगभग 50 प्रतिशत खर्च करेगा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधीन गतिविधियों के लिए पर्याप्त राशि निर्धारित की जाएगी। **गैर–योजना अनुरंक्षण और रख रखाव :** क. आंतरिक प्रदर्शनिया क्षेत्र

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					ऐतिहासिक पार्क का विकास करेगी, महानदी रिवर घाटी से प्रदर्शो का विकास, विभिन्न संस्कृतियों में स्वस्थ तथा अच्छे जीवन की परम्परागत अवधारणा के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण हेतु मुक्ताकाशीय प्रदर्शनियों का विकास, प्रस्तुति हेतु ओपन एअर प्रदर्शन स्थल का सृजन, इन्डोर प्रस्तुति/निपटारा स्थल, प्रेक्षाग्रह का उन्नयन, सभी मुक्ताकाश मौजूदा प्रदर्शनियों आदि में दर्शक सुविधाओं का उन्नयन, आडियो पर्यटन और आडियो पोस्ट सुविधा का विकास, ब्रेल में पाठ और स्तर उपलब्ध कराना, प्रदर्शनी स्थलों पर एस्कैलेट सुविधा उपलब्ध कराना, ओपन एअर प्रदर्शनियों में विभिन्न स्थानों पर सूचना क्योस्क ;पी सी आधिरित) और दर्शकों के लिए संचार सुविधा। और ध्वनि और प्रकाश शो का विकास। **आंतरिक संग्रहालय में प्रदर्शनी वीथियों का विकास** : इस वर्ष	शामिल की गई। सिक्किम के लिंबो समुदाय के परंपरागत गृह रीति का निर्माण कार्य पूरा किया गया।			4000 वर्ग मीटर तल क्षेत्र लगभग ख. 80 एकड भूमि में सात बाहरी प्रदर्शनियों परिसर फैले हुए हैं ग. सड़क नेटवर्क लगभग 5 कि.मि बिजली और पानी आपूर्ति लगभग 125 एकड में ग. भवन क्षेत्र लगभग 15000 वर्ग मीटर घ. पुस्तकालय फोटोग्राफी की संरक्षण, माडलिंग ग्राफिक कला आदि जैसी

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ मौजूदा प्रदर्शनियों वीथियों को उन्नयन करने का प्रस्ताव है और आंतरिक आडिटोरियम और अन्य वीथियों में सीसीटीवी की स्थापना द्वारा आगन्तुकों की सुविधाओं,सुरक्षा तथा सुरक्षा सामग्रियों को बढाया जाएगा और चोर घंटी और अग्निशमन उपकरण लगाकर प्रदर्शित सामग्री सुरक्षा में वृद्धि की जाएगी। शारीरिक रूप से विक्लांग व्यक्तियों के सुचारू रूप से चलने के लिए प्रावधानों का उन्नयन किया जाएगा और नई प्रदर्शनियों का विकास किया जाएगा, विभिन्न विषयों पर प्रदर्शो को रखने के लिए सैंटलाइट प्रदर्शन स्थान का निर्माण करना। **संगठननात्मक ढांचा** : आईजीआरएमएस मौजूदा स्टाफ तथा संविदा आधार पर लगे अतिरिक्त कार्मिकों की सहायता से कार्यक्रमों को जारी रखेगा।				अभिलेखीय यूनिटें।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					संग्रहालय अन्य सरकारी/ गैर सरकारी संगठनों और समुदायों के सहयोग से भी अपनी गतिविधियों का संचालन कर रहा है। इस वर्ष मौजूदा यूनिटें पर्याप्त जनशक्ति के साथ सुदृढ. की जाएंगी।				
					ख) **संग्रहालय शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमः** 1. क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में विकास सुविधाएंः भारतीय समुदायों की जीवन प्रणाली पर ओपन एअर प्रदर्शनी का विकास। यह मैसूर में सेमिनार/सिंपोजिया, शिक्षा कार्यक्रम तथा फील्ड कार्य का भी आयोजन करेगा। नया क्षेत्रीय केंद्र भी स्थापित करने का प्रस्ताव है। 2. विशिष्ट और विषयक संस्कृति व्याख्या केन्द्रों का सृजन और प्रबंधन : ये केन्द्र समुदायों के लिए स्रोत केन्द्र और क्षेत्र की उनकी ज्ञान प्रणाली के रूप में कार्य करेंगे।	इंडोर म्यूजियम बिल्डिंग में गुजरात के राठवा समुदाय के कलाकारों द्वारा भील संस्कृति पर एक गैलरी का नवीकरण कार्य किया जा रहा है। लगभग 3 करो और सीखो संग्रहालय शिक्षा कार्यक्रम, 1 कलाकार कार्यशाला, 1 सांस्कृतिक कार्यक्रम। मानव विज्ञान के अध्यापकों और छात्रों के लिए संग्रहालय और मानव विज्ञान नामक 2 राष्ट्रीय कार्यशालाएं तथा संरक्षण पर 1 कार्यशाला का आयोजन भुवनेश्वर में किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					3. अस्थायी और चल प्रदर्शनियाँः लोक और आदिवासी केन्द्रों सहित विभिन्न विषयों पर कुछ और प्रदर्शनियाँ आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। 4. संग्रहालय और विरासत प्रबंधन पर अंतर – विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। नए संग्रहालय–शास्त्र (संग्रहालय कामगारों के लिए) पर एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न विश्वविद्यालयों में मानवविज्ञान विभाग के अध्यापकों और विधार्थियों के लिए संग्रहालयों और मानवविज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला/ संगत विषयों पर सेमिनार/ संगोष्ठी, संग्रहालय बातचीत / प्रसिद्ध व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष कुछ अन्य संस्थानों के सहयोग से लगभग 10 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है। **5**. समुदाय की ज्ञान प्रणाली का प्रदर्शन : कलाकार कैम्प,	इस अवधि के दौरान संग्रहालय ने भोपाल तथा भारत के अन्य भागों में लगभग 11 अस्थायी एवं सचल प्रदर्शनियों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान लगभग 12 कार्य करके सीखों संग्रहाल शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए और राष्ट्रीय बालरंग–2014, राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व विकलांग दिवस आदि से जुड़े कार्यक्रमों, लगभग 18 कलाकार कार्यशालाएं और शिविर तथा और मंचकला प्रदर्शन के लगभग 19 कार्यक्रम तथा भोपाल तथा भारत के अन्य स्थानों में बहुत से अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। अवधि के दौरान तीन संग्रहालय लोकप्रिय व्याख्यान, एक वार्षिक आईजीआरएमएस व्याख्यान, 8 सेमिनार / परिसंवाद आयोजित किए गए।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					आदिवासी रोगहर कैम्प, मंचकला प्रस्तुतियां, रंगमंचीय प्रस्तुति, पूनम, बलरेग राष्ट्रीय उत्सव विद्यालय, करो और सीखो आदि ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम। 6. शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम/वीडियो/वृत्त चित्र फिल्मों के लिए सहायक इकाइयों का विकासः विभिन्न प्रचालन यूनिटों को जनशक्ति, आधुनिक उपकरण और उनकी कार्य क्षमता के उन्नयन के लिए जुगत प्रदान कर सुदृढ़ किया जाएगा। संग्रहालयों के लक्ष्य और उद्देश्यों से संबंधित विभिन्न पहलू पर नियमित प्रकाशन प्रकाशित किए जाएंगे ।	इस वर्ष संग्रहालय ने 4 पुस्तकों, 1 जर्नल, 1 वार्षिक रिपोर्ट 2012–13, तिमाही न्यूज लैटर और बहुत सी पुस्तिकाओं, फोल्डरों, बुकलेट, पोस्टरों आदि का प्रकाशन किया।			
					ग– ऑपरेशन साल्वेज. 1– सहयोग मानवशास्त्रीय अनुसंधान परियोजना। 2– नृजाति शास्त्र और मंचकला से मौखिक परम्पराओं के विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन 3– दुलर्भ वस्तुओं की पहचान	इस अवधि के दौरान संग्रहालय के स्टाफ ने भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी वस्तुओं के संग्रहण और प्रलेखन के लिए भारत के विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों में फील्ड कार्य किया। कुल मिलाकर 947 वस्तुएं प्राप्त हुईं हैं और			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					और भ्रंशोद्धार 4– संस्कृति संबंधी वस्तुओं की सामग्री का संग्रहण 5– नमूनों का संरक्षण 6– शैलकला अनुसंधान 7– सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति। 8– विद्यार्थी प्रशिक्षुता कार्यक्रम	भारत के विभिन्न समुदाओं से संबंधित संग्रहालय के नमूना भंडार में परिगृहीत की गई हैं।			
27.	**अन्य कार्यक्रम (संग्रहालय)**								
(क)	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण में लगी हुई विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं की क्षमता का विकास करना और संग्रहालय, अभिलेखागार, पुरातत्व विभागों, और अन्य समान संस्थानों को संरक्षण सेवाएँ प्रदान करना।	**4.28**	**2.50**			**4.44**	**1.95**	सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है। 2014 में वरिष्ठ और कनिष्ठ स्तर के स्टाफ की बड़ी संख्या में सेवा निवृत्ति।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**अनुसंधान और विकास**	बनाए रखने योग्य समाधान संरक्षण विकास			नीचे उल्लिखित पांच अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा। – कला वस्तुओं का विश्लेषण(100 नमूने) –लाइम प्लास्टर का सर्वेक्षण,सैम्पलिंग और विश्लेषण –ऐतिहासिक संरचनाओं के मॉर्टर – पेपर पर काली स्याही करोशनके प्रभाव को कम करने की विधि (3–5 अनुसंधान परियोजनाएं) एंटीफंगल की इन–विट्रो तथा इन–सीटू जांच तथा जैविक मेन्थोल से विकसित कीट निरोधक	200 नमूने का विश्लेषण किया गया / व्याख्या की गई। – आतिथेय संस्था से सकारात्मक प्रतिक्रिया के अभाव के कारण परियोजना शुरू नहीं हुई। –विभिन्न पदार्थों से चूना लेप के नमूने एकत्रित किये गये और भौतिक रासायनिक मापदंडों के संदर्भ में परीक्षण किया जा रहा है। – दो कृत्रिम इंक्स, प्रयोगशाला में तैयार की गई और सेलूलोज पेपर, जापानी पेपर, ऊतक पेपर और नेपाली हस्तनिर्मित पेपर जैसे विभिन्न पेपरों में परीक्षण पूरा किया गया। –विकसित मेन्थाल निर्माण के फील्ड ट्रेल्स राज्य संग्रहयल (लखनऊ) राज्य अभिलेखाकार (लखनऊ) और अमीर–उद–दौला पुस्तकालय (लखनऊ) में आयोजित की गई।			
(ii)	**फील्ड परियोजनाएं**	संग्रहों का संरक्षण करना। कला कार्य और संरक्षण विद्यार्थियों तथा प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षुता और			सर जे.जे.स्कूल ऑफ आर्ट्स, मुम्बई की 200 पेन्टिंग्स, 89 पाषाण. मूर्तिकला. सेन्ट्रल म्यूजियम, नागपुर की 100	–11भित्ति चित्र सहित 200 पेंटिंग्स का संरक्षण किया गया। –22 तेल चित्र, 640 ताड पत्तेर की पाण्डुलिपियाँ, 16 पत्थर की			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सहायता सृजित करना			पेन्टिंग्स,150 टेक्स्टाइल वस्तुएं, एसएसएम थियेटर क्राफ्ट म्यूजियम, नई दिल्ली के 200 मास्कस तथा पपेट्स, रविन्द्र भारतीय विश्वविद्यालय, कोलकाता की 37 ऑयल पेन्टिंग्स,मैसूर पैलेस की 13 बडे. आकार की पेन्टिंग्स, मंजूषा म्यूजियम, धर्मस्थल उत्तर कर्नाटक की 17 ऑयल पेन्टिंग्स, श्रीचित्रा आर्ट गैलरी, तिरुवनन्तपुरम की 25 पाणिकर पेन्टिंग्स।	वस्तुएँ 120 पेपर चित्र और 880 पाण्डुलिपियों का जिल्द पूरा किया गया। –365 वेशभूषा और 228 कठपुतलियों का संरक्षण किया गया। –4800 पुरालेख संबंधी जिल्द का संरक्षण किया गया। –31 के सी एस पणिक्कर चित्रों का संरक्षण किया गया। 34 चित्र, 1 कछुआ खोल चित्र और 6 धातु वस्तुओं का संरक्षण किया गया। –10 आदमकद तेल चित्र संरक्षण किया गया।			
(iii)	**सूचना स्रोत और संचार**	संरक्षण सूचना का प्रसार			– सूचना संसाधनों का अधिग्रहण (160 पुस्तकें और 40 पत्रिकाएं) – सूचना संसाधनों का प्रलेखीकरण (2012 के लिए नई अधिग्रहण सूची के सूचना संसाधन का प्रलेखीकरण)	50 पुस्तक ग्रहण की गई और 15 नई पत्रिकाओं की सदस्यता ली गयी। 75 चित्रों की रूपरेखा का संरक्षण तैयार किया गया।			राष्ट्रीय स्तर के अखबारों में मुक्त विज्ञापन के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों का चयन करना। शौध प्रबंधन के लिए विद्यार्थियों का नामांकन
(iv)	**संरक्षण में**	संरक्षकों और पुनः संग्राह–			संग्रहालयों के गैलरी सहायकों	3 सेवाकालीन प्रत्याशी सहित 12			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रशिक्षण	कों को विकास			को संग्रहालय वस्तुओं की सावधानी पूर्वक हैंडलिंग के बारे में विशेष पाठ्यक्रम। – पुस्तकालय सामग्रियों के लिए एहतियाती संरक्षण कार्यक्रम – संग्रहालय वस्तुओं की देखभाल तथा रखरखाव हेतु 10–दिवसीय पुनश्चर्या कार्यशाला –डीएचआरएम, नई दिल्ली, बीएचयू, वाराणसी, एसएसयू, वाराणसी तथा आरबीयू, कोलकाता के विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक पाठ्यक्रम – कला वस्तुओं के संरक्षण हेतु छह माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।	प्रत्याशियों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया। –भारत और श्रीलंका के विभिन्न संग्रहालय / अभिलेखागार से 6 सेवाकालीन प्रत्याशियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। –चौबीस छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया – एन एम आई से 5 छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।			उनके संबंधित विश्वविद्यालों द्वारा किया जाता है। संग्रहालयों पुस्तकालयों और अन्य सांस्कृतिक संस्थान को वार्षिक सेमिनारों/ कार्यशालाओं का वार्षिक कैलेंडर परिचालित किया जाता है खुली निविदा विश्वव्यापी निविदा के जरिए खरीदारी।
(ख)	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता**	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास का चित्रण करने वाले काल से संगत सामग्री और आँकड़ों को इकट्ठा करने में शामिल समकालीन कला	**4.21**	**8.00**	सामान्यतया प्रशासनिक तथा स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।		**4.41**	**6.01**	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संग्रहालय।							
(i)	सीपीडबल्यूडी/ एएसआई द्वारा विशेष मरम्मत और नवीकरण कार्य किया जाता है। उद्यान विकास प्रेक्षाग्रह सह प्रशासनिक	स्मारक भवन, छत का मरम्मत कार्यकरण, आन्तरिक और मध्य भागों की रासायनिक सफाई। बगीचे का समूचित रख–रखाव, प्रांगणों का सौन्दर्यीकरण। अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदर्शनियों हेतु स्थल प्रदान करना सेमिनारों सार्वजनिक सुविधाओं की व्यवस्था			भूतल क्षेत्र में हवा की आवाजाही हेतु विशेष मरम्मत तथा सुधार एवम् मौजूदा ग्लास टेल–टेल्स का भूतल क्षेत्र, पुराना पुस्तकालय, शिक्षा कार्यालय, प्रशासनिक अधिकारी कक्ष तथा दरबार हॉल के रूफ ट्रिटमेंट में प्रतिस्थापन। –एएसआई / सीपीडब्यूडी द्वारा भवन का वार्षिक रखरखाव। – भवन के बाहरी तथा आन्तरिक भाग को रसायन से धोना। – टैंक इम्बेंकमेंट की मरम्मत तथा पेन्टिंग्स,उत्तरी तथा दक्षिण दवारों पर सीमेंट कंकरीट की लेवलिंग ताकि इन क्षेत्रों में पानी का जमाव न हो, स्प्रिक्लर्स,हाइड्रैंट्स और अंडरग्राउंड पाइप लाइन आदि की मरम्मत। – ग्रेवल रोड की रि–सर्फेसिंग । – सीपीडब्यूडी (बागवानी) दवारा चरणबद्ध तरीके से लिए गए बगीचे के बकाया भाग का विकास और विकसित क्षे; का	सीपीडब्ल्युडी को निधि प्रदान की गई और कार्य प्रगति पर है। उद्यान कार्य प्रगति पर है। कार्य प्रगति पर है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	खण्ड हेतु एजेन्सी भवन का निर्माण				रखरखाव। – मैमोरियल के मुख्य भवन से लगे एनेक्सी भवन का निर्माण जिसमें आगंतुकों हेतु अतिरिक्त सुविधाएं होंगी।				
(ii)	अस्थायी आधार पर घरेलू प्रदर्शनी, विदेशों में प्रदर्शनियां।	समग्र जनता को संग्रह की समृद्धि के बारे में जानकारी देना और हमारे भूतकालीन इतिहास, संस्कृति और सुरुचिसंपन्नता के बारे में उन्हें बताना और भारत में किसी भी एक महानगरीय शहर में कम–से–कम एक भ्रमणशील प्रदर्शनी भेजना।			वीएन की वस्तुओं के संग्रह पर चार अस्थायी प्रदर्शनियां आयोजित करना। भारत और विदेश दोनों की संस्थाओं/ कलाकारों की तीन प्रदर्शनियां आयोजित करना। उत्सव/ कार्यक्रमों में भाग लेना।	–दिनांक 17.06.13 को आयोजित की गई। –दिनांक 11.05.2013 को आयोजित की गई। –फरवरी, 2014 में आयोजित की जाएगी। –दिनांक 24.08.13 को आयोजित की गई। –जनवरी, 2014 में आयोजित की गई। –दिनांक 13.11.13 को आयोजित की गई।			
(iii)	प्रकाशन प्रलेखन, कैटलॉग	उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन तथा यूरोपीय कलाकारों की कृतियों के हमारे अद्वितीय संग्रह के संबंध में कुछ अधिप्रमाणित कैटेलॉग निकालना।			मेमोरियल गार्डन के प्रकाशनों का मुद्रण तथा समाप्त प्रकाशनों का पुनर्मुद्रण। – ऐक्सेशन एवं कैटलाग बनाना, फोटो प्रलेखन। लगभग 2000	समझौते के निबंधन और शर्तों के संबंध में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस के साथ समझौता बातचीत की जा रही है। –अगली तिमाही में प्रकाशित की जाएगी।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बनाना, एक्सेशन, कला वस्तुओं की पड़ताल, फोटो प्रलेखन आदि।				वस्तुओं के प्रलेखन का डिजिटीकरण और आरबीएस पुरावस्तुएं और प्रत्यक्ष सत्यापन।	–तैयारी चल रही है। – तीन प्रकार के बैग का निर्माण किया है और प्रकाशन काउंटर से बिक्री पर है। –अभी तक शुरू नहीं हुई। –अगले वित्तीय वर्ष में प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।			
(iv)	सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना	कलावस्तुओं और स्मारक की कलाकृतिध्वंसन और चोरी से रक्षा करना और सांस्कृतिक संपदा की सुरक्षा करना।			सभी भंडारों में सीसीटीवी (नाइट विजन कैमरा), लगाया जाएगा। –नाइट विजन सहित चार दूरबीन की खरीद करना। –ग्लासब्रेक डिटेक्टर, डोर स्विच (कॉन्ट्रेक्ट, प्रेशर मैट लगाना)। –सीआईएसएफ तैनात करना। –सीआईएसएफ की तैनाती तक 46 कोलकाता पुलिस कार्मिक और 17 निजी सुरक्षा एजेंसी के कार्मिकों का सुरक्षा प्रबंध जारी करना एवं 17 कार्मिकों की निजी सुरक्षा एजेंसी से तैनाती। –परिधि दीवार पर 10'–12' बार फैंसिंग का निर्माण करना।	पर्यटन मंत्रालय से निधि के आबंटन हेतु संस्कृति मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया है कार्य प्रगति पर है। ई सी आई एल को निधि आबंटित की जाएगी। कार्य प्रगति पर है।			
(v)	वीथियों की स्थापना/	समुचित प्रदर्शन, प्रकाश व्यवस्था तथा मौसम नियंत्रण			परित्यक्त रेस्टोरेंट और डोरमेटरी की मरम्मत और नवीकरण।	मेसर्स एनबीसीसी लिमिटेड को निधि प्रदान की गई है। कार्य			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	आधुनिकीकरण तथा कलावस्तुओं का भंडारण और संस्थापना, प्रकाशन–व्यवस्था, मौसम नियंत्रण, दर्शक सुविधाएं इत्यादि।	के साथ मेमोरियल की सभी वीथियों का पुनर्गठन तथा पुनर्संरचना।			भवन से प्रशासनिक और लेखा यूनिट को शिफ्ट करना। थिमेटिक और वैज्ञानिक प्रदर्शन सहित वीथियों का आधुनिकीकरण। जलवायु नियंत्रक फिक्चरों और आधुनिक भंडार उपकरणों सहित कुछेक भंडारों का आधुनिकीकरण करना।	प्रगति पर है।			
(vi)	कला वस्तुओं का परिरक्षण, पुनरुद्धार और संरक्षण	आधुनिक भारत के इतिहास की सॉस्कृतिक विरासत का परिरक्षण करना।			विक्टोरिया हॉल के स्वामित्व में आरबीएस संग्रहण से पेन्टिंग्स की स्टेटस रिकार्डिंग तथा इन सीटू संरक्षण। – धात्विक वस्तुओं/ अस्त्रशस्त्रों का संरक्षण। – वीथियों तथा भण्डारों में क्लाइमेटिक डाटा का रिकार्ड रखना। – विक्टोरिया हाल,कोलकाता की रक्षा हेतु पर्यावरणीय प्रबन्धन योजना – अन्य संगठनों को तकनीकी सहायता	अब तक 479 वस्तुओं की स्थिति दर्ज की गई है। –22 पेपर वस्तुओं का संरक्षण किया गया। –वस्त्र संरक्षण पर सेमिनार और कार्यशाला दिसंबर, 2014 को आयोजित की गई। –4 टेक्स्टाइल वस्तुओं का संरक्षण किया गया। –कार्य चल रहा है। –उच्च न्यायालय और राज भवन, कोलकाता को तकनीकी सहायता दी गई। –एक कार्यशाला –सह – सेमिनार			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					– विदेश से उपस्कर खरीद तथा स्थानीय बाजार से रसायनों की खरीद। – सेमीनार/कार्यशाला/प्रशिक्षण –यूके से विशेषज्ञ जेनी लाइटफूट से सहायता लेकर टेक्स्टाइल संग्रहण का संरक्षण ।	आयोजित की गई। –शिकागो के आर्ट इनस्टिट्यूट में एक कर्मचारी ने प्रशिक्षण में भाग लिया।			
(vii)	अनुसंधान तथा डाटा सैल	विक्टोरिया मैमोरियल तथा कोलकाता के इतिहास सम्बन्धी अनुसंधान हेतु संविदा आधार पर अनुसंधान स्कॉलरों, सेवानिवृत्त प्रोफेसरों,स्कॉलरों और कम्प्यूटरों सहायकों नियोजित करना।			सांस्कृतिक अनुसंधान हेतु टैगोर रा''ट्रीय फैलोशिप ,कोलकाता इतिहास तथा मॉडर्न बंगाल, विक्टोरिया मैमोरियल,अनुसंधान और डाटा संग्रहण, अभिलेखागार और पुस्तकालयों में विजिट करना।	प्रो. ए सुभान द्वारा फारसी पाण्डुलिपि पर अनुसंधान शुरू हुआ।			
(ग)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यकलापों में कला वस्तुओं का अधिग्रहण, वीथियों और आरक्षित संग्रहों का पुनर्गठन जिससे, पुस्तकालय और फोटोग्राफी इकाई और प्रकाशन समृद्ध होते हैं।	2.16	2.90	गैर योजनागत अनुदान से चिकित्सा, प्रतिपूर्ति, फर्नीचर और फिक्चर, टेलीफोन और विद्युत प्रभार, कानूनी प्रभार आदि की भी पूर्ति की जाती है।		2.83	1.92	सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	भवन का	कर्मचारी एवं दर्शकों के लिए			संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य	विविध नवीकरण कार्य पूरा करने			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुनरूद्धार	अपेक्षित स्थानों एवं सुविधाओं में वृद्धि होगी।			तथा इसके संगत भाग की प्रगति को भी ध्यान में रखा जाएगा।	के लिए कार्यकारी समिति द्वारा प्राक्कलन का अनुमोदन किया गया और संबंधित एजेंसियों के लिए कार्य के पुरस्कार की प्रक्रिया की जा रही है।			
(ii)	पुस्तकालय फोटोग्राफी प्रलेखन तथा उसका सुदृढ़ीकरण	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ बनाना तथा संग्रहालय द्वारा स्वामित्व में रखी गई पत्रिकाओं तथा सेटों के खंड भी प्राप्त करना, कतिपय पुस्तकों तथा पत्रिकाओं, की संग्रहालय कार्मिकों का एक दल भेजकर माइक्रोफिल्म बनाना, जो उपलब्ध नहीं है तथा संग्रहालय के पुस्तकालयों को समृद्ध बनाने के लिए पुस्तक और पत्रिकाएँ प्राप्त करना।			पुस्तकालय में पहले से नई पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं,इस बात को सुनिश्चित करने के बाद ही अतिरिक्त पुस्तकों की खरीद की जाएगी। फोटो प्रलेखीकरण एक निश्चित समय के भीतर पूरा कर लिया जाएगा और जब कभी प्रयोजन हो,गतिविधियों को कवर किया जाएगा।	विविध विषयों पर 227 पुस्तकें प्राप्त की गई और अभिग्रहण किया गया। 110 पुस्तकें वर्गीकृत की गई और सूचीबद्ध किया गया। 5757 पाठकों ने पुस्तकालय में प्रवेश किया और विद्वानों द्वारा 415 पुस्तकों से परामर्श किया गया। 111 पुस्तकों की जिल्दसाजी की गयी। 10 रैग्स खरीदी गई। सेमिनार, व्याख्यान, कार्य, प्रदर्शनी आदि सभी क्रियाकलापों की प्रस्तुति के अलावा पुरावशेष और कला वस्तुओं पर फोटो प्रलेखन भी किया गया।			
(iii)	वीथियों का आधुनिकीकरण	उद्देश्यों में शामिल हैं : लकड़ी के पैनल लगाना, नए शो–केस, लकड़ी के ब्लॉक तैयार करना, संग्रहालय की			वीथियों में 'शोकेस का सुधार कार्य,गैलरियों में पालिसिंग और पेन्टिंग कार्य,टिप्पणियों को विस्तृत रूप में प्रस्तुत करना, कुछ	गाँधी गैलरी जो वर्ष 2007 में बनायी गयी थी अब पूरी कर ली गई। आधुनिक पेंटिंग गैलरी को उसकी पेंटिंग्स के दृश्य प्रभाव को			प्रस्तावित कार्यों का निष्पादन धनराशियों की उपलब्धता पर

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		विभिन्न मौजूदा वीथियों में आधुनिकीकरण/पुनर्गठन।			गैलरियों में पैनलिंग आदि के कार्य को संग्रहालय के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में हाथ में लिया जाएगा।	बढ़ाने के लिए नए लेबल और दीवार को स्टील नीले रंग से रंगकर चमका दिया है। गैलरियों, केन्द्रीय हॉल के पेंटिंग कार्य को पूरा किया गया है। कुमारस्वामी प्रदर्शन हॉल का नवीकरण। हॉल को उचित प्रकाश और चौखटे से चमका दिया गया है।			निर्भर करेगा।
(iv)	कलावस्तुओं का अधिग्रहण	उपयुक्त अंतरालों पर कला खरीद समिति की बैठक के आयोजन के माध्यम से संग्रहालय के लिए कलावस्तुओं का अधिग्रहण।			प्राचीनकालीन वस्तुओं को क्रय समिति की सिफारिशों पर प्राप्त किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञ शामिल होंगे।	कला क्रय समिति ने 4.21 लाख रु की कुल राशि हेतु कला वस्तुओं और पुरावशेषों की सिफारिश की है।			
(v)	प्रदर्शनी और प्रदर्शन। आरक्षित संग्रह का पुनर्गठन। माडलिग खण्ड। शैक्षिक व अन्य कार्य कलाप अनुसंधान अध्येतावृत्ति अन्वेषण तथा	देश के उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करना तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के धर्म और संस्कृति के ज्ञान को बढ़ाना।			इलाहाबाद संग्रहालय में प्रसिद्ध कलाकारों की प्रदर्शनियां विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और भारत में संग्रहालयों में आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, एक प्रदर्शनी चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी। –प्रदर्शनी हॉल,स्वतंत्रतासेनानी गैलरी की मरम्मत। रिजर्व संग्रहण में ऑर्गनिक सामग्रियों/ सिक्कों/बहुमूल्य वस्तुओं को नए	संग्रहालय ने भारतीय हॉकी कप्तान डेनिश मुज्तबा के फोटोग्राफ, ट्रॉफी पदक, भारत के उल्लेखनीय स्मारकों की प्रदर्शनी और इलाहाबाद की विरासत संपत्ति, यामिनी रॉय की 125वीं जन्म शताब्दी पर प्रदर्शनी, असित कुमार हल्दर की पेंटिंग पर प्रदर्शनी, बंगाल स्कूल पेंटिंग पर प्रदर्शनी, कुंभ मेला, इलाहाबाद–2013 पर फोटोग्राफिक प्रदर्शनी, गांधी स्मृति			प्रदर्शनी के मानकों में सुधार लाने के लिए आधुनिक प्रदर्शन स्टैण्ड अधिग्रहीत किए गए हैं।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला				सिरे से व्यवस्थित करना। – प्रतिकृतियों आदि को मॉडलर/ मॉडलिंग सहायक द्वारा किया जाएगा और यदि आवश्यक हो,तो बाहरी प्रतिष्ठित कलाकारों के जरिए यह कार्य किया जाएगा। – संग्रहालय की भारतीय कला,संस्कृति और पर्यटन में पैठ है।विरासत प्रबन्ध संस्थान की स्थापना।इसे भारतीय कला,संस्कृति और संग्रहालय में शामिल किया जाएगा। – प्रतिष्ठित स्कॉलर और फैलोशिप पुरस्कार विजेता संग्रहालय के लिए अनुसंधान कार्य करेंगे। – दीमकरोधी उपचार और कला वस्तुओं, कागजों, सिक्कों, पाण्डुलिपियों, फोटोग्राफ,पेन्टिंग और काष्ठ वस्तुओं के संरक्षण का कार्य हाथ में लिया जाएगा और उसे पूरा किया जाएगा।	वहन प्रदर्शन, तिब्बती और चीनी तन्कास पर प्रदर्शनी, महिला पर डाक टिकट संग्रह पर प्रदर्शनी, वसंत उत्सव शीर्षक से एक प्रदर्शनी जैसे विविध प्रदर्शनी आयोजित की। –समय–समय पर प्रदर्शन हेतु बारी बारी से धुमाने के लिए पुरावशेषों को आरक्षित संग्रह में रखा गया है। संग्रहालय द्वारा व्याख्यान, कार्यशालाएँ, विश्वविरासत दिवस समारोह, विश्व पुस्तक दिवस, अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, शास्त्रीय चलचित्र, वृत्तचित्र शो की स्क्रीनिंग आदि सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। –अध्येतावृत्ति का पुरस्कार, उपयुक्त और प्रख्यात विद्वानों की उपलब्धता के आधार पर है। –491 पुरालेख की मूर्तियाँ, 73 चित्र, 10 टेकस्टाइल, 13 पुरालेख संबंधी सामग्री, 100 पुस्तक और पाण्डुलिपि, 41 धातु पदार्थ, 18 टेराकोटा, 3 काठ की वस्तुएँ और 1 प्राकृतिक इतिहास नमूने सहित			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						कुल 804 वस्तुओं को लिया गया और इन कला वस्तुओं का संरक्षण किया गया। कला वस्तुओं का आवधिक धूमन, दीमक प्रवण क्षेत्र में दीमक विरोधी उपचार, पाण्डुलिपि / स्वतंत्रता सेनानी गैलरी रिजर्व। पीपल / टेराकोटा रिजर्व संग्रह का निरीक्षण भी शुरू किया गया।			
(घ)	**राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान : कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, संरक्षण के विशिष्ट क्षेत्रों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करना और कलावस्तुओं का पुनरूद्धार तथा संग्रहालय में उनका प्रदर्शन एवं रख–रखाव।	**0.29**	**5.00**			**0.20**	**3.27**	सामान्यतया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	शैक्षिक कार्यक्रम नोएडा परियोजना	कला का इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का प्रचार–प्रसार तथा उन्नति। सेक्टर–62, नोएडा में 3 एकड़ भूमि पर अपना भवन स्थापित करना।			– 55 विद्यार्थी मास्टर डिग्री कोर्स हेतु तथा पीएच.डी.कोर्सो हेतु उपयुक्त संख्या जो संस्थान की आधारभूत संरचना और अभ्यर्थियों के प्रारम्भिक परीक्षा/ साक्षात्कार में दर्शित निष्पादन पर निर्भर रहेगा। – अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में 225 विद्यार्थियों का प्रवेश	वर्ष के दौरान एम ए में 17 छात्र ओर पी एच डी में 8 छात्र उत्तीर्ण हुए, प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम जुलाई, 2013 में पूरा किया गया। रंगलमाला पेंटिंग्य परियोजना, वियतनाम से चाम, मूर्तियों और भातीय कला के साथ इसका इंटरफेस; संग्रहीत डेटा का संगठन विश्लेषण और व्याख्या; प्रकाशन			पी एच डी की अवधि 5 वर्ष है। अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की अवधि 5 माह है।

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय -IV (ख) - विगत वर्ष 2013-14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					जिसमें 1-2 अन्तररा''ट्रीय सेमिनार और 3-4 रा''ट्रीय सेमिनार/ कार्यशाला/ सम्मेलनों का आयोजन होगा। -12 विशेष व्याख्यान जिसमें प्रत्येक शिक्षण में 4 व्याख्यान होंगे। यह परियोजना 12वीं योजना अवधि दौरान हाथ में ली जानी सम्भावित है।	कार्य के पाण्डुलिपियों की तैयारी; छात्र / शोध छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रदर्शनी, विचार गोष्ठी, विशेष व्याख्यान और एशियाई एवं यूरोपीय देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग से पूरी की गई। छात्रों के लिए फील्ड ट्रिक्स और अध्ययन यात्रा, क्षमता निर्माण हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया गया। युनेस्कों के साथ उत्सव दिनांक 13 सितंबर को पूरा किया गया। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, उ.प्र. और लेह, लद्दाख चल रहा है। विविध आई सी एच परियोजना से दृश्य-श्रव्य पुरालेख डेटा एकत्रित किए गए, अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशाला, विचार गोष्ठी सहित संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।			कीमतों में आयी तेजी के कारण निर्माण लागत का अनुमान लगाया गया है और संशोधित किया गया है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ड.)	**वृदावन अनुसंधान केन्द्र वृंदावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण	0.25	0.60	महाभारत के नकुल द्वारा अश्व व्यवहार सम्बन्धी पाण्डुलिपियों का प्रकाशन, ब्रज क्षेत्रों में मुगल सम्राटों द्वारा मन्दिरों हेतु भूमि दान आदि।ब्रज संस्कृति का विश्वकोष। पाण्डुलिपियों और फोटोग्राफ	ब्रज सलिला प्रकाशन का द्वितीय अंक संरक्षण हेतु प्रकाशन के लिए भेजा गया। लगभग 2160 समाचार पत्र, 11000 फोलियो और पत्रिकाएँ / मैगज़ीन, 900 कला पुस्तक की तैयारी, 162 भारतीय विद्वान और 7 विदेशी विद्वानों ने पुस्तकालय सेवा हेतु दौरा किया। पाण्डुलिपियों का संरक्षण इसका डिजिटीकरण सहित शुरू किया गया।	0.23	0.50	
(च)	**संग्रहालय स्कीम** क्षेत्रीय एवं प्रादेशिक संग्रहालय का संवर्धन और सुदृढीकरण। बडे पैमाने पर संग्रहालय की स्थापना हेतु	क्षेत्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण का संवर्धन। देश के विभिन्न भागों में संग्रहालयों की उपलब्धता में अंतर को दूर करना। देश में कुछेक संग्रहालयों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों	--	25.75	दिसम्बर, 2012 तक लगभग 80 प्रस्ताव विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त हुए हैं और लगभग 45 संग्रहालय अनुदान प्राप्त करेंगे। सार्वजनिक निजी भागीदारी के तौर पर राज्य सरकारों और सिविल सोसायटी के सहयोग से वृहत पैमाने के संग्रहालयों जैसे कोलकाता आधुनिक कला संग्रहालय	संग्रहालय स्कीम के अंतर्गत कुल 38 मामलों को स्वीकृति दी गई। 18 पुराने मामलों सहित 30 एन जी ओ। मध्य प्रदेश सरकार से 3 परियोजनाएँ। हिमाचल प्रदेश सरकार से दो परियोजनाएँ। जम्मू एवं कश्मीर, आंध्रप्रदेश और पश्चिम बंगाल प्रत्येक से परियोजना।		24.16	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए निजी सार्वजनिक भागीदारी स्कीम (पीपीपी) महानगरीय शहरों में संग्रहालय के आधुनिकीकरण की स्कीम	के बराबर लाना।			(केएमओएमए) और अन्यों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। भारतीय संग्रहालय,कोलकाता के आधुनिकीकरण के दूसरा चरण के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।				
(छ)	**संग्रहालय सम्बन्धी शिक्षण हेतु संग्रहालय संग्रहण और शैक्षणिक सुविधाओं का डिजिटीकरण।**		–	1.00					

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	इंटरनेट पर उपलब्धसूची पत्रों/ छाया प्रतियां तैयार करने के लिए संग्रहालय संग्रह के डिजीटिकरण के लिए वित्तीय सहायता। संग्रहालय संबंधी विषयों के लिए प्रबंधन पाठ्यक्रम और अन्य अतिरिक्त शैक्षिक सुविधाओं के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम।	विभिन्न स्तर पर संग्रहालयों में उपलब्ध सभी कला वस्तुओं तथा प्राचीन वस्तुओं का रा''ट्रीय डाटाबेस का विकास करना ;रा''ट्रीय ,राज्य,क्षेत्रीय तथा स्थानीय संग्रहालय इसका उद्देश्य मौजूदा संस्थानों के सहयोग से संग्रहालय संबंधी विभिन्न विषयों पर शैक्षिक इनपुट सहित प्रशिक्षण प्रदान करना।			इसके दो घटक होंगे, पहला अवसंरचनात्मक स्थापना और दूसरा सभी संग्रहों के डिजीटिकरण से संबंधित होगा। केन्द्रीय/राज्य सरकार, पंजीकृत निजी संग्रहालय आदि के अंतर्गत सहायता दी जाएगी। मौजूदा संस्थानों को सुविधाएं बढाने तथा नए विभागों की स्थापना करने और अपेक्षाकृत नए पाठ्यक्रमों की सुरूआत करने के लिए वर्ष के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	इन स्कीमों को फरवरी 2013 में एक ही शीर्ष के अंतर्गत विलय किया गया। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस स्कीम का इसके कार्यान्वयन हेतु अनुमोदन किया गया। वर्ष 2013–14 के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत किसी अनुदान को स्वीकृति नहीं दी गई।			
(ज)	**संग्रहालय व्यावसायिकों**	संग्रहालय कार्मिकों के सम्पूर्ण पूल की दक्षता/	––	0.10	संग्रहालय स्टाफ के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण हेतु दक्ष	रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस स्कीम का			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	के लिए क्षमता निर्माण तथा प्रशिक्षण योजना	योग्यता स्तर को बढ़ाने का उद्देश्य			संग्रहालय कार्मिकों का समर्पित कैडर तैयार किया जाएगा।	इसके कार्यान्वयन हेतु अनुमोदन किया गया। वर्ष 2013–14 के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत किसी स्कीम को संस्वीकृति नहीं दी गई।			
(झ)	**राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता**	देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण के लिए प्रभावी और सकिय उपायों को सुनिश्चित करने हेतु एक राष्ट्रीय विरासत स्थल स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।	**0.00**	**0.10**	राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसे राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग विधेयक के अंतर्गत स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।	सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस स्कीम के ब्यौरे का अनुमोदन किया जाना है।			12वीं योजना में नई स्कीमें कार्यान्वित की जानी प्रस्तावित हैं।
(ञ)	**राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता**	इसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।	**--**	**9.00**	एएमएएसआर अधिनियम 2010 के अंतर्गत स्थापित राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	चालू वित्तीय वर्ष से इस प्राधिकरण ने अपनी कार्य पद्धति शुरू कर दी है। प्राधिकरण को 4.15 करोड रू की राशि जारी की गई है।	**--**	**4.15**	
(ट)	**प्रस्तावित राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण के लिए वित्तीय सहायता**	इसका उद्देश्य संग्रहालयों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक विनियामक निकाय के नियंत्रण के अधीन विभिन्न संग्रहालयों को लाकर देश में संग्रहालय आंदोलन को बढ़ावा देना है।	**--**	**0.10**	एक केन्द्रीय प्राधिकरण अर्थात राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण का गठन करना। तथा यह नियम ए को सहायता अनुदान के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान करना।	सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस स्कीम के ब्यौरे का अनुमोदन किया जाना है।	**--**	**--**	
(ठ)	**केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय**	इसका उददेश्य देश में सांस्कृतिक जागरूकता आंदोलन को बढावा देना है।		**0.10**	विभिन्न सांस्कृतिक विषयों से संबंधित एक केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना के	सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस स्कीम के ब्यौरे का अनुमोदन किया जाना है।			12वीं योजना की नई स्कीमों को कार्यान्वित

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता				लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है।				किया जाना प्रस्तावित है।
28.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के भंडार के रूप में सेवा प्रदान करना।	**24.48**	**16.50**			**21.68**	**13.41**	सामान्यतया योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	संग्रह निर्माण एवं पुस्तक निर्माण सांख्यिकी	भारत में प्रकाशित पुस्तकों तथा अन्य मुद्रित सामग्रियों को एकत्रित करना। विदेशी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण।			पुस्तक वितरण अधिनियम के माध्यम से खरीद विदेशी पुस्तकें – 4500 शीर्षक – 720 40,000 भारतीय प्रकाशनों की खरीद का लक्ष्य है।	37400 भारतीय प्रकाशनों को प्राप्त किया गया। 3205 विदेशी पुस्तकों को खरीदा गया। ई–जरनल समेत विदेशी जरनलों के 720 शीर्षकों को खरीदा गया।			पुस्तक एवं समाचार–पत्र वितरण अधिनियम, 1954 के तहत् पुस्तक जमा होना मुख्यतः प्रकाशकों के सहयोग पर निर्भर करता है।
(ii)	पाठकों के लिए सेवा ; रेडियो	रेट्रो–संरक्षण, डिजिटीकरण तथा प्रयोगशाला, परिरक्षण कम्प्यूटर यूनिटों का			बाहरी एजेंसी द्वारा रेडियो फ्रिक्वेंसी यंत्र के माध्यम से पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की	20 लाख पन्नों का पहले ही डिजिटीकरण किया गया है।			समय पर प्रशासनिक अनुमोदन की

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	फ्रिक्वेंसी पहचान यंत्र परियोजना (आरएफआईडी) और पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों का डिजिटीकरण	आधुनिकीकरण।			पहचान करना। यह परियोजना प्राचीन दुर्लभ भंगुर पुस्तकों के परिरक्षण के लिए शुरू की गई। 2.5 मिलियन से अधिक पृष्ठों का स्कैन किया गया और 25 लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण किया जाना है।				शर्त के अध्यधीन
(iii)	प्रशासन का सुदृढ़ीकरण	भाषा भवन की सुरक्षा और संरक्षण सेवाओं की आउटसोर्सिंग			पुस्तकालय के लिए आउटसोर्सिंग गार्ड, सफाई वाला और अन्य को भुगतान।	पुस्तकालय के आउटसोर्स व्यक्तियों को भुगतान किया गया।			
29.	**दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी**	दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।	**12.96**	**5.00**	सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।		**13.50**	**5.00**	सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	संग्रह विकास	आम जनता में पढ़ने की आदत डालने के लिए पुस्तकालय बढ़ाने के लिए भाषाओं में पुस्तकें, सीडी/डीवीडी की खरीद।			लगभग 5000 शीर्षक ऑडियो तथा वीडियो कैसेटें सन्दर्भ/पुस्तकों आदि के अलावा डी पी एल प्रणाली हेतु अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में (60,000 मल्टीपल प्रतियाँ) खरीदी जानी	लगभग 15722 पुस्तकें और 336 डीवीडी / सीडी खरीदी गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					हैं।				
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	सावधानी और मरम्मत द्वारा पठन सामग्रियों का अनुरक्षण।			लगभग 20–25 हजार नई पुस्तकों की व्यापारिक पुस्तक जिल्दसाज के माध्यम से जिल्द चढ़वानी है। किराए की एजेंसी द्वारा पुस्तकों के दुर्लभ संग्रह को डिजिटीकृत किया जाना है।	विभाग द्वारा जिल्द चढ़ाने के लिए जिल्दसाजों को पुस्तकें हस्तांतरित की गई। 2500 पुस्तकों पर जिल्दसाजों द्वारा जिल्द चढाई गई।			
(iii)	पुस्तकालय का आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी विकास पब्लिक इंटरनेट के जरिए सदस्यता अभियान	पाठकों को बेहतर सेवाए प्रदान करना। पाठकों को पब्लिक इंटरनेट पहुँच और अन्य आधुनिकीकरण सेवाएं प्रदान करना। इसके साथ ही पुस्तकालयों के पाठकों की संख्या और आगे बढ़ाना।			लीज लाइन कनेक्शन के माध्यम से डीपीएल, 9 इकाइयों में निःशुल्क इंटरनेट पहुँच सेवा प्रदान करता है। ऐसी लीज लाइनों और ब्राड बैंड कनेक्शनों के लिए वार्षिक शुल्क सेवा प्रदाताओं के लिए प्रदान किया जाना है। मौजूदा डीपीएल वैबसाइट संरचना को अपग्रेड करना और केन्द्रीयकृत निर्गम/ पुस्तकों की वापसी के लिए नेटवर्किगके साथ सभी कम्प्यूटर युक्त पुस्तकालयों को जोड.ना।	अन्य 8 इकाइयों अर्थात करोल बाग, विनोभा पुरी, जनक पुरी, नरेला, आर के पुरम सेक्टर 8 और शाहदरा, एन्ड्रूज गंज और श्रीनिवास पुरी पुस्तकालय के लिए मुक्त इंटरनेट सेवा की विस्तार किया गया। डीपीएल, 11 इकाइयों को किराए पर लाइन कनेक्शन द्वारा मुक्त इंटरनेट एक्सेस सेवा प्रदान करता है। किराए पर लाइन और ब्रॉड बैंड कनेक्शन हेतु वार्षिक शुल्क सेवा प्रदाताओं को भुगतान किया जाता है।			
(iv)	सेमिनार / व्याख्यान / प्रशिक्षण	कर्मचारियों में नया व्यावसायिक कौशल तथा क्षमता विकसित करना।			वर्ष के दौरान लगभग 25 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना है। विभिन्न कार्यशालाएं/ सेमिनार आदि आयोजित की				

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					जाएंगी।				
	नई स्कीमें सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम अशोक विहार,पटपटगंज और बवाना में पूंजी परियोजनाएं पुस्तकालय भवन	पाठकों के घर तक पुस्तकालय सेवा पहुँचाना दूरस्थ क्षेत्रों में पुस्तकालय सेवाएं बढ़ाना दिल्ली के अन्य भागों में उपयुक्त तरीके से पुस्तकालय सेवाओं को प्रदान करना।			समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए परामर्शी सेवाएं,शिक्षण सहायता दक्षता को प्रोत्साहन तथा सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन। अशोक विहार,पटपटगंज और बवाना में पुस्तकालय भवन का निर्माण।	डीपीएल ने टीईआरआई के सहयोग से 13 नवंबर को अपशिष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण पर कथा सत्र एवं एक कार्यशाला आयोजित की। बवाना पुस्तकालय भवन के निर्माण हेतु सीपीडब्ल्यूडी को भुगतान किया गया।			
30.	**राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान'**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना।	**4.31**	**36.00**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।		3.45	41.44	
	मैंचिंग स्कीम : क) पुस्तकों के पर्याप्त स्टॉक	पुस्तकालयों के बुक स्टॉक की पुनःपूर्ति।			10000 पुस्तकालयों को 3 करोड़ पुस्तकों से सहायता दी जानी है।	पुस्तकें – 12329			राज्य सरकारें समय पर अंशदान देने में असफल रहीं

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	के निर्माण हेतु सहायता। ख) सचल पुस्तकालयों तथा ग्रामीण पुस्तक जमा केन्द्रों के गठन के प्रति सहायता। ग) पुस्तकों के भंडारण के प्रति और स्थान में वृद्धि करने के लिए सहायता। घ) स्थान में वृद्धि करने के लिए सहायता। ङ) संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और पुस्तक प्रदर्शनियों के प्रति सहायता। ।	दूरस्थ कोनों में पुस्तकालय सुविधा प्रदान करना। भंडारण सामग्रियाँ प्रदान करना। भवन सामग्रियाँ प्रदान करना। पुस्तकालय व्यवसायिकों को जागरूकता, उन्मुखता उपलब्ध कराना। श्रव्य–दृश्य सहायता की आपूर्ति तथा स्वचलीकरण हेतु			पुस्तकालय – 10 पुस्तकालय – 3700 पुस्तकालय – 120 संगठन – 60 पुस्तकालय – 110	पुस्तकालय – 8 पुस्तकालय – 1421 संगठन – 76 पुस्तकालय – 176			परिणामस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में देर लग सकती है। तदनुसार कार्यान्वयन में भी देर हो सकती है। तदनंतर वित्तीय वर्ष के एकदम अन्त में बड़ी संख्या में प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	च) शैक्षिक प्रयोजन हेतु टी वी–सह–वी सी पी के अधिग्रहण/ पुस्तकालय अनुप्रयोग हेतु कम्प्यूटर।	कम्प्यूटरों की आपूर्ति।							
	गैर–मैचिंग स्कीमः क) वाले स्वैच्छिक संगठनों को सहायता (ख) विभिन्न और संबंधित विभिन्न सामान्य सार्वजनकि पुस्तकालयों के विकास के लिए सहायता। ग) राज्य केन्द्रीय	पुस्तकालय सेवा प्रदान करने के प्रति स्वैच्छिक उत्साह को प्रोत्साहित करना। बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना। हाल की कीमती पुस्तकों से पुस्तक स्टॉक की पुनः पूर्ति।			पुस्तकालय – 120 पुस्तकालय – 120 पुस्तकालय – 382 पुस्तकें – 1.5 करोड़	पुस्तकालय – 57 पुस्तकालय – 81 पुस्तकालय – 43 पुस्तकालय – 368			राज्य सरकारें कभी–कभी आवेदन भेजने में असफल रहती हैं परिणामस्वरूप प्रस्तावों की अंतिम रूप देने में देर हो सकती है। –पुस्तक चयन

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तकालयों तथा जिला पुस्तकालयों को पुस्तकों के केन्द्रीय चयन के माध्यम से सहायता।								समिति की बैठक पर निर्भर करता है।
	घ) सेमिनार सम्मेलन के प्रति अखिल भारतीय पुस्तकालय एसोसिएशन को सहायता।	राष्ट्रीय व्यावसायिक संगठनों को प्रोत्साहित करना।			संगठन – 10	संगठन – 10			– पुस्तकालय एसोसिएशन से वैध प्रस्ताव प्राप्त होने पर।
	ङ)केन्द्रीय प्रायोजित पुस्तकालयों को सहायता	ग्रामीण जनता में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहन देना			पुस्तकालय – 37	पुस्तकालय – 18			– राज्य प्राधिकरण द्वारा भूमि के आवंटन में कार्यान्वयन में देरी हो सकती है।
	च) शताब्दी समारोह के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 10	पुस्तकालय – 15			– पुस्तकालय एसोसिएशन से वैध प्रस्ताव

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	को सहायता								
	छ) सांख्यिकी के संग्रहण तथा संकलन के सम्बन्ध में सहायता	बाल प्रयोक्ताओं को आकर्षित करना।			पुस्तकालय – 1	पुस्तकालय – 19			प्राप्त होने पर।
	ज) बाल कॉर्नर के विकास के सम्बन्ध में सहायता झ) विकलांगों के कॉर्नर के विकास के सम्बन्ध में सहायता **अन्य संवर्धनात्मक गतिविधियां**	विकलांगों को पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करना।			पुस्तकालय – 50 पुस्तकालय – 20 सेमिनार कार्यशाला –2				– चूंकि ये कार्यक्रम अनुभव की जा रही आवश्यकता के आधार पर कार्यान्वित किए जा रहे हैं,इसलिए जोखिम कारक स्वतः कम हो जाता है।
31.	**अन्य पुस्तकालय**								
(क)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय,**	भारतीय राष्ट्रीय सूची ग्रंथ (रोमन लिपि तथा संबंधित	**2.40**	**0.63**			**2.32**	**0.39**	सामान्यतया योजनेतर

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कोलकाता'	भाषा लिपियों में) जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के वर्तमान भारतीय प्रकाशनों की ग्रंथ सूची है, का (क) संकलन तथा प्रकाशन और (ख) इंडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन।							प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
	भारतीय राष्ट्रीय सूची ग्रंथ तथा इंडेक्स इंडियाना **क.** भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची वार्षिक खंड 2011 का प्रकाशन **ख.** भारतीय राष्ट्रीय ग्रन्थ सूची वार्षिक खण्ड 2010 और 2011	1. आई एन बी वार्षिक खंड 2010 का प्रकाशन। 2. जुलाई 2010 और जनवरी से अक्तूबर 2011 आई एन बी का मासिक अंक 3. इंडेक्स इंडियाना का संकलन तथा प्रकाशन।			क. आईएनबी 2011 का वार्षिक अंक। ख. 2011 वार्षिक खण्ड ग. 2013 आईएनबी का मासिक अंक इडेक्स इंडियाना 2004–10 का मुद्रण तथा प्रकाशन संचयी खण्ड	आईएनबी 2010 के वार्षिक खंड की 250 प्रतियां, आईएनबी 2011 का मुद्रण पूरा किया गया। आईएनबी के जनवरी से मई 2012 तक के मासिक अंक ए वी 2011 पूरा किया गया और बिक्री के लिए तैयार है। इन्डेक्स इंडियाना, 2004–2010 संचयी खंड का मुद्रण और प्रकाशन और सभी प्रकाशित किए गए। पाण्डुलिपि पूरी की गई और मुद्रण के लिए तैयार है।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	का संकलन **ग.** आईएनबी का मासिक अंक जनवरी –दिसम्बर 2013 इंडेक्स इंडिआना 2004–2009								
(क) **(ख)**	**अन्य कार्यकलाप** ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुता क्षेत्रीय भाषा में ग्रंथ सूची के संकलन में पूर्वोत्तर क्षेत्र के	1– ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुतावृत्ति। 2– पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास कार्यक्रम।			क. 5 विदयार्थियों के 8 बैच प्रशिक्षित किए जाने हैं। ख. 3 प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला/ सेमिनार	यह परियोजना शीघ्र शुरु की जाएगी। प्रशिक्षण /कार्यशाला / सेमिनार सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। मलयालम 2011 प्रकाशित की गई और उर्दु ग्रन्थसूची 2006–10, बंगाल ग्रन्थ सूची 2011 प्रकाशित की गई फ्रंकफर्ट में 2013 में अंतरराष्ट्रीय नूक मेला में भाग लिया। सी आर एल के मौजूदा भवन के ऊपर छत निर्माण कार्य पूरा किया गया।			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय -IV (ख) - विगत वर्ष 2013-14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ग) (घ) (ड.)	व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण। भाषा ग्रंथ सूची, बंगाली, तमिल, हिन्दी, मराठी, मलयालम, गुजराती, उर्दू। कंप्यूटर नेटवर्क का उन्नयन पूंजीगत व्यय	3- भाषा ग्रंथसूचियां, बंगाली, तमिल, हिन्दी, मलयालम, उर्दू।			ग. उर्दू गंथसूची 2012,मराठी-2011-12, तमिल 2011-12, असमिया 2010-11,बंगाली 2010-12, उड़ीया - 2010-12 घ. आईएनएम डाटाबेस को नेट पर डालना।				
(ख)	**खुदा बख़्श ओरियंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना**	यह पुस्तकालय महान पुस्तक प्रेमी तथा विद्वान मौलवी मुहम्मद बख़्श के निजी संग्रह से विकसित किया गया है। इसमें 20,000 से अधिक पांडुलिपियाँ तथा कुछ दुर्लभ मुद्रित पुस्तकें हैं।	2.67	1.75			3.27	1.50	सामान्यतया योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चो के लिए किया जाता ले जिसमें वेतन,बोनस, एलटीसी,

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									समयोपरि भत्ता,चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि शामिल है।
(i)	अधिग्रहण : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों, वीडियो तथा ऑडियो कैसेटों की खरीद।	पाठकों के उपयोग हेतु पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों, ऑडियो तथा वीडियो सी डी को प्राप्त करना।			5,000 मुद्रित, 50 पांडुलिपियों तथा 120 पत्रिकाओं की खरीद।	पुस्तक–4031, पाण्डुलिपि–69, सिक्के, पत्र–पत्रिका, 77 टाईटिल्स, 25 समाचार पत्र खरीदे गए।			
(ii)	पाण्डुलिपियों के विवरणात्मक सूची को तैयार करना।	बाहरी पाठकों को छिपे खजाने से परिचित करना/ इन पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचियों का संकलन और तत्पश्चात मुद्रण/ वेब पर डालना।			300 पाण्डुलिपियों की वर्णनात्मक सूची का संकलन।	इस स्कीम के अंतर्गत वर्ष के दौरान कोई कार्य नहीं किया गया।			विद्वान उजरती दर के आधार पर वर्णात्मक सूची को संकलित करने में लगे हुए हैं।
(iii)	अनुसंधान तथा प्रकाशनः दुर्लभ सामग्री का	पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण संस्करण निकालना, दुर्लभ महत्व की पुस्तकों का प्रकाशन तथा विशिष्ट अध्येताओं के व्याख्यान।			20 पुस्तकों का प्रकाशन, 3 का अंग्रेजी अनुवाद, 1 का हिंदी अनुवाद और पुस्तक की 2 दुर्लभ पाण्डुलिपियों की अनुकृति। वर्णनात्मक सूची पत्र के दो खंडों	10 पुस्तकें खरीदी गई 1 लोकप्रिय व्याख्यान 1 प्रदर्शनी आयोजित की गई, 1 पुस्तक प्रकाशन समारोह एवं 1 राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए गए। 2			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन,पुस्तक सूची का मुद्रण,अनुसंधान सेमिनार,व्याख्यान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम,खुदा बख्श अनुसंधान फैलोशिप तथा तिमाही जर्नल का प्रकाशन।	बाहरी पाठकों को छिपे खजाने से परिचित करना/ इन पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचियों का संकलन,सेमिनारों का आयोजन,प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान ।ख्यातिप्राप्त स्कॉलरों को छात्रवृत्तियां।			तथा हैंड लिस्ट का 1 खंड का मुद्रण। आयोजन : राष्ट्रीय सेमिनार – 2, वार्षिक व्याख्यान – 1, विस्तार व्याख्यान – 4 लोकप्रिय व्याख्यान – 12 सांस्कृतिक कार्यक्रम – अनेक वरिष्ठ अध्येतावृत्ति – 3 कनिष्ठ अध्येतावृत्ति – 7 अध्येताओं को शोध परियोजनाएं सौपना। 1 टैगोर राष्ट्रीय प्रकाशन पुरस्कृत, तिमाही पत्रिकाओं के 4 अंकों का प्रकाशन।	सेमिनार अध्येता, 5 कनिष्ठ अध्येता काम कर रहे हैं। तिमाही पत्रिका के 4 अंकों का प्रकाशन।			
(iv)	संरक्षण और परिरक्षणः परिरक्षण पुस्तकालय और पुस्तकों के परिरक्षण का विकास तथा रेप्रोग्राफिक सुविधाएं।	नेमी रख–रखाव, उपचारात्मक और निवारक एवं संरक्षण हेतु परिरक्षण प्रयोगशाला। पुस्तकों को अच्छी हालत में रखना।			पुस्तकों और पांडुलिपियों के निवारक और उपचारात्मक परिरक्षण हेतु नित्य कार्यकलाप पांडुलिपियों को अनुबंध आधार पर जिल्दसाजी कराई गयी। पुस्तकालय प्रशासनिक खण्डों के प्रस्तावित अतिरिक्त 2 तलों के लिए आन्तरिक फीटिंग, नए भवन हेतु फर्नीचर की खरीद, नए भवन हेतु फर्नीचर और फिक्चर।	10 बाह्य हार्ड डिस्क की खरीद की गई और स्कैन किए गए आंकड़ों का संग्रहण कार्य चल रहा है एण्ड कंप्यूटरीकरण कार्य हेतु कंप्यूटर परामर्शदाता को पारिश्रमिक भुग्तान की गई। टेलिफोन सेट की खरीद। पुस्तक स्टाक क्षेत्रों के धूल झाडने सफाई हेतु कार्यरत कामगारों की मजदूरी। दिनांक 2–3 अगस्त को संस्थापक दिवस मनाया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	आधुनिकीकरण और स्वचालन कार्यकलापों तथा प्रदर्शनियों के संगठन				पाण्डुलिपियों के डिस्टिजेशन की प्रायोगिक परियोजना का कार्य लगभग पूरा हो गया है और इसका शेष कार्य 2013–14 के दौरान हाथ में लिया जाएगा।	निर्माण कार्य प्रगति पर है। पाठकों द्वारा पुस्तकों की खोज के लिए 1 लिबसिस साफ्ट्वेयर खरीदी गई और पाठकों के लिए ऑनलाइन सुविधा हेतु लीस और सुविधाएं शुरू की गईं।			
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	संस्कृति व ज्ञान का यह एक अमूल्य भंडारण है। 16वीं सदी में इसे रायल पैलेस पुस्तकालय के रूप में अभिकल्पित किया गया था।	––	**0.50**			––	**0.38**	
(i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि में पांडुलिपियों से पुस्तकों का प्रकाशन	पांडुलिपियों को अनूदित करना, उनका लिप्यांकन करना तथा पुस्तकों को प्रकाशित करना।			वर्ष के दौरान 10 नई पुस्तकों तथा 5 पुनर्मुद्रणों पर कार्य किया जाएगा।	16 नई और पुनर्मुद्रित पुस्तकें प्रकाशित की गई।			
(ii)	संरक्षण	ताड़पत्रों पर सिट्रोनेला तेल लेपित करना तथा कागज की पांडुलिपियों/मूल्यवान दुर्लभ पुस्तकों इत्यादि का परिरक्षण करना।			पांडुलिपियों के 120000 पत्रों को साफ किया जाना है, 1500 पुस्तकों की मरम्मत की जानी है तथा उन्हें परिरक्षित किया जाना है।	पाण्डुलिपियों के 6 लाख पत्रों का संरक्षण / सफाई की गई और परिरक्षण किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	रेप्रोग्राफी	परिरक्षण हेतु पांडुलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों का माइक्रोफिल्म।			तमिल की 1 पांडुलिपि का माइक्रोफिल्म किया जाना है। नई पुस्तकों के मुद्रण हेतु 18 कम्प्यूटरों का इष्टतम उपयोग किया जाए।	150 पाण्डुलिपियों के माइक्रोफिल्मिंग के लिए 10 रोल फिल्म / पाठकों के लिए 18000 पुस्तकों की जेरॉक्स प्रतियाँ जारी की गई।			
(घ)	**तिब्बती रचनाओं के लिए पुस्तकालय एवं अभिलेखागार, धर्मशाला, हि.प्र.**	बौद्ध अध्ययन,सांस्कृतिक अनुसंधान,प्रकाशन,शैक्षणिक कार्यक्रम आदि का परिरक्षण एवं प्रोत्साहन।	**1.50**	**0.58**	शोध, शिक्षण प्रकाशन, संवर्धन, परिरक्षण, विकास आदि। पुस्तकालय अभिलेखागार,संग्रहालयों आदि का आधुनिकीकरण/उन्नयन। विद्यार्थी छात्रावासों का निर्माण।	वर्ष के दौरान बौद्ध दर्शन शास्त्र और कला एवं संस्कृति में शोध सुविधाएँ शुरू की गई।	**1.35**	**0.27**	योजनेतर क्षेत्र के अन्तर्गत प्राप्त निधियों का उपयोग मुख्यतः स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(ङ)	**रामपुर रज़ा पुस्तकालय, रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत–इस्लामी पांडुलिपियों, लघुचित्रों, पुस्तकों तथा पुस्तकालय में अन्य कला तथा विज्ञान वस्तुओं का अधिग्रहण एवं संरक्षण और एक संदर्भ एवं अनुसंधान के केन्द्र के रूप में सेवा प्रदान करना तथा साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महत्व की कलाओं के केन्द्र के रूप में कार्य करना।	**1.37**	**3.50**			**1.81**	**3.65**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	प्रकाशन एवं मुद्रण	अरबी, फारसी, संस्कृत पांडुलिपियों के पाठों की पुस्तकों का प्रकाशन।			पुस्तकों, जर्नल्स, कलैंडर, तकनीकी रिपोर्टों और पेन्टिंग्स का प्रकाशन।	तीन पुस्तकों का प्रकाशन किया गया और शेष प्रक्रियाधीन है			
(ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण एवं पुनरूद्धार।	रजा पुस्तकालय के दो ऐतिहासिक महल नामतः हमीद मंजित तथा रंग महल पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं। इन्हें तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है जिसे रामपुर रजा पुस्तकालय बोर्ड की 37वीं बैठक में अनुमोदित किया गया था।			रजा लाइब्रेरी और ख्याबन–आई–रजा नामक दो भवन पुस्तकालयों के दुर्लभ संग्रहण को दीमक से बचाना। यह उपचार बहुत जरूरी है।इन भवनों तथा इसके परिसरों के लिए दीमक–रोधी,रासायनिक उपचार के कार्य को हाथ में लिया जाएगा।	लघु मरम्मत कार्य किया गया है।			
(iii)	पुस्तकों, पांडुलिपियों का अधिग्रहण, छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार, सेमिनार/ कार्यशालाएँ/ प्रदर्शनियाँ और संग्रहों का संरक्षण। कंप्यूटरीकरण और आईटी का प्रयोग,	शोध छात्रों की मांगों को पूर्ण करने के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों, पुस्तकों और कलावस्तुओं का अधिग्रहण। अध्येताओं, शिक्षाविदों के मेलमिलाप हेतु शैक्षिक तथा सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुस्तकालय के बहुमूल्य संग्रह का संरक्षण करना।			पुस्तकों का अधिग्रहण एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। 2013–14 के दौरान पुस्तकों, दुर्लभ एमएसएस प्राप्त किए जाएंगे ।8 छात्रवृत्तियां, 2 पुरस्कार, लगभग 45 अनुवादक को दुर्लभ एमएसएस का अनुवाद कार्य सौंपा जाएगा, 2 सेमिनार, 2 कार्यशालाएं, 5 प्रदर्शनियां और 4 व्याख्यान मुशायरा और कवि सम्मेलन। एमएसएस का प्रलेखीकरण, पेंटिंग्स, कला वस्तुओं आदि का प्रलेखीकरण।	186 पुस्तक, 19 एमएसएस खरीदी गई। 6 अध्येतावृत्ति सम्मानित की गई 30 अनुवादकों को अनुवाद कार्य के लिए सम्मानित की गई। पाण्डुलिपि, पेंटिंग्स और कलावस्तुओं का प्रलेखन किया जाना है। एम एस एस के 1554 पन्ने पुस्तकालय सग्रह के मुद्रित पुस्तकों के 2640 पन्ने आदि का वैज्ञानिक रूप से जीर्णोधार किया गया। लगभग 2 लाख पन्ने का डिजिटीकरण किया गया। 26 सुरक्षा गार्डों को तैनात			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सीआईएसएफ प्रशिक्षण कार्यक्रम और दरबार हाल संग्रहालय का आधुनिकीकरण ।				दुर्लभ एमएसएस के लगभग 10,000 पैट्स, पुस्तकों, पेटिंग्स आदि को संरक्षित रखा जाएगा। सुलेखन के लगभग 4 लाख पृष्ठों के एमएसएस नमूनों को डिजिटलाइज किया जाएगा। 26 गॉर्डो को नियोजित किया जाएगा। मशीनरी उपस्कर,फर्नीचर तथा फिक्सर, बगीचों तथा लॉन का रखरखाव, प्रचार तथा विज्ञापन, सीआईएसएपफ का नियोजन, आईटी आवेदन पत्र का कार्य भी हाथ में लिया जाएगा। दरबाल हॉल म्यूजियम का आधुनिकीकरण जैसाकि बोर्ड की 37वीं बैठक में अनुमोदित किया गया था।	किया गया। फर्नीचर और फिक्सचर चल रही परियोजना है। उद्यान एण्ड लॉन और दरबार हॉल संग्रहालय का रख–रखाव चल रही परियोजना है।			
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटलॉग बनाना, उनका संरक्षण करना और संग्रह करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना और गौरवपूर्ण	--	9.00			--	11.50	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पांडुलिपियों के कैटलॉगों का डिजिटीकरण करना है।							
(i)	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय एवं माइक्रोफिल्मिंग ।	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय बनाना और माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकड़े बनाना।			दो वर्षों में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय बनाना। माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकड़े बनाना।	10,667 पाण्डुलिपियों के 80,39,407 पन्ने का डिजिटीकरण किया गया।			
(ii)	एम आर सी के माध्यम से नेटवर्किंग	एम आर सी में उपलब्ध पांडुलिपियों का प्रलेखन करना।			57 मौजूदा एमआरसी हैं। अनुदान 4.5 लाख जमा 4.5 लाख जमा 4.5 जमा 6 लाख की दर से जारी किये जाते हैं जो वास्तविक निष्पादन के आधार पर सीमित होता है।	एनएमएम ने प्रारंभिक चरण में सभी एम आर सी हेतु लक्ष्य सुनिश्चित किया है। वर्तमान में एम आर सी को पाण्डुलिपियों के संरक्षण और प्रलेखन हेतु दूरदराज के क्षेत्रों में जाना पडता है। इस कारण इनमें से अधिकांश प्रस्तावित लक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ रहे हैं तथापि निकट के भंडार का पहले ही पूरा कर लिया गया है।			
(iii)	पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों	संरक्षण और एवं संबद्ध क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने का			50 मौजूदा एमसीसी हैं। अनुदान 2.5 लाख जमा 2.5 लाख जमा	निवारक –112,41,185 फोलियो उपचारात्मक – 1,49,961			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(एमसीसी) के माध्यम से नेटवर्किंग	लक्ष्य एवं मांग के आधार पर भी संरक्षण मुहैया कराना।			2 लाख की दर से जारी किया जाता है जो वास्तविक निष्पादन के अनुसार सीमित होता है।	फोलियो			
(iv)	संरक्षण कार्यशाला और प्रशिक्षण	मांग के आधार पर निवारक दुर्लभ सहायता, क्यूरेटिव कार्यशाला आदि			निवारक, दर्लभ सहायता, क्यूरेटिव कार्यशाला चलाना और मांग के आधार पर संरक्षण प्रदान करना	सभी दस कार्यशालाएँ आयोजित की गई। उपचारात्मक पर दो (02) कार्यशालाएँ आयोजित की गई।			
(v)	अनुसंधान और प्रकाशन एवं सार्वजनिक लोगों तक पहुंच	मुद्रित पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन करना। तत्वबोध व्याख्यानों का आयोजन करना और सेमिनारों / प्रदर्शनियों का आयोजन।			शोध और प्रकाशन। तत्वबोध पर व्याख्यान श्रृंखलाओं का आयोजन करना। तत्वबोध व्याख्यानों का संचालन और सेमिनारों/ प्रदर्शनियों का आयोजन।	11 खंड प्रकाशित किए गए। सभी छः सेमिनार आयोजित किए गए। सात व्याख्यान आयोजित किए गए। एक अंक (कीर्ति रक्षण) का प्रकाशन किया गया।			प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत में वैदिक परम्परा,लेखन परम्परा,विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान देना।
(vi)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण और पश्च सर्वेक्षण	पांडुलिपियों को पहचानने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			सर्वेक्षण में एमएसएस की उपलब्धता का पता करना और पता चले एमएसएस का प्रलेखन करना।	लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के कारण सिक्किम राज्य में राष्ट्रीय सर्वेक्षण की शुरूआत दिनांक 31.3.2014 के पहले संभव नहीं है।			
(vii)	पांडुलिपि विज्ञान और प्राचीन शिला	विश्वविद्यालयों के माध्यम से पांडुलिपि विज्ञान को प्रोत्साहित करना।			I/II/III स्तर की कार्यशाला और प्रशिक्षण आयोजित करना। – पूर्वोत्तर में एमआरसी /	पाँच (05) बुनियादी स्तर की कार्यशालाएँ आयोजित की गई।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लेख अध्ययन कार्यशाला एवं प्रशिक्षण				एमसीसी चलाना।				
(छ)	**राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन।**	विशेष रूप से सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर ध्यान देना तथा एक निर्धारित समय–सीमा में सार्वजनिक पुस्तकालयों के बुनियादी ढाँचे तथा प्रौद्योगिकीय स्थिति का उन्नयन।	--	**50.00**	इस मिशन के अन्तर्गत, आरआरआरएलएफ आधुनिकीकरण तथा नेटवर्किंग हेतु 100 संगठनों को सहायता प्रदान करेगा,मॉडल लाइब्रेरी के निर्माण हेतु 62 संगठन,आधारभूत संरचना के उन्नयन हेतु 105 संगठन। 1 संगठन राष्ट्रीय वर्चुअल पुस्तकालय तथा विषयवस्तु सृजन हेतु। प्रशिक्षण के लिए 12 संगठन 45000 संगठन पुस्तकालय संगणना हेतु,10 संगठन मॉडल समुदाय सूचना केन्द्रों और 10 संगठन सलाह तथा आउटरीच कार्यक्रम हेतु।	राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन–दिनांक 28.11.2013 को मंत्रिमंडल आर्थिक कार्य समितियों द्वारा अनुमोदित आम लोगों को सेवाएं प्रदान हेतु पुस्तकालय का उन्नयन। स्कीम के कार्यान्वयन का आदेश, दिशा निर्देश और राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की वेबसाइट, दिनांक 3.2.2014 को शुरू की गई। सी एसल (2.50 करोड), एन एल (2.50 करोड), आर आर एल (2.50 करोड) और टी एम एस एम एल (1.00 करोड) हेतु आर आर आर एल एफ को 7.17 करोड रु की सहायता अनुदान जारी की गई है।	--	**7.17**	21वीं सदी के भारत को नॉलेज सोसाइटी में परिवर्तित करने के चुनौतीपूर्ण अधिदेश को देखते हुए राष्ट्रीय मिशन पुस्तकालय को 12वीं योजना के दौरान कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(ज)	**एशियाटिक सोसायटी मुम्बई**	एशिया के संबंध में सामान्य तौर पर और भारत के संबंध में विशेष तौर पर दर्शन, भाषा, कला और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रमुख शोध संस्थान। इसकी	--	**1.25**	600 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, प्रतिदिन 800 पृष्ठों की माइक्रोफिल्म बनाना, दुर्लभ पुस्तकों का डिज्टीजेशन – 750 पृष्ठ प्रतिदिन, 1450 पुस्तकों का रक्षण/ रसायन उपचार जिन्हें	धूमन द्वारा लगभग 1782 पुस्तकों का संरक्षण कार्य, 25,995 पुस्तकों का अम्लीकरण किया, 24771 पन्नों को तंतुयुक्त किया, पन्नों से कवकों को साफ करना एवं क्षतिग्रस्त 235 पुस्तकों को	--	**1.00**	लघु अनुसंधान अध्ययन, आकस्मिक प्रकाशनों के रूप में मीमियोग्राफ या

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भूमिका को बनाए रखने और उसे बढ़ाने के लिए सोसायटी दुर्लभ पाण्डुलिपियों और कला वस्तुओं का एक पुस्तकालय और विरासत संग्रहालय का रख–रखाव करती है।			धुआं दिया जाएगा 70,000, पृष्ठों को विअम्लीकृत किया गया। 60000 पृष्ठों की जरदोजी की जाएगी और 2000 नक्शों को धुआं दिया जाएगा। अल्पकालिक अनुसंधान अध्ययन,मिमिओग्राफ़्ड अथवा मुद्रित ओकोसैंड प्रकाशन। साहित्यिक उत्सवों का आयोजन, 19वीं शताब्दी के दुर्लभ समाचार पत्रों का परिरक्षण। कैटलॉग को तैयार करना तथा उसका मुद्रण।	सुखाना। अब तक 30,460 पन्नों की माइक्रोफिल्मिंग की गई। आधुनिक पूर्व के 167 पुस्तक और आधुनिक 340 पुस्तकों की खरीद! 52 मुद्रित पत्रिकाएँ। निशुल्क 19 टाइटिल्स। सिनिमाई दृष्टि से सिटि को दिखाने के लिए एक प्रदर्शनी 'सिनेमा एवं सिटी, व्याख्यान श्रृंखला वार्तालाप आयोजित की है। स्वयंभू पूर्ण अध्याय VII एवं VII (526 छंद) पूरा हो गया है। मराठी में उत्तरार्ध अध्याय 15–16 का अनुवाद पूरी की गई है। 11,817 सिक्के का विवरण एवं डिजिटल छवि सहित प्रलेखन । अधिकतर आईटी उन्नयन कार्य पूरा हो चुका है। पाँच (5) मनोग्राफ का मुद्रण और प्रकाशन कार्य प्रगति पर है।			मुद्रित करना।
(झ)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 तथा पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के प्रावधानों के तहत पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित	**0.01**	**0.25**			--	**0.19**	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		करना।							
	राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण / कम्प्यूटरीकरण/ डिजिटीकरण/ उन्नयन।	दुर्लभ पुस्तकों तथा पांडुलिपियों का डिजिटीकरण : डी बी ए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण / रूपांतरण			डी. बी. ए. सेक्शन में प्राप्त 20000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 300 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से प्रोसेस किया जाना है तथा 2 लाख पाठकों को पुस्तकालए सेवाएं मुहैया करायी जाएगी।	सभी प्रकार के सामान्य पाठक, शोधार्थियाँ विशेष पाठक और विद्वानों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार पठन सामग्री प्रदान की गई।			रिट्रो–कन्वर्सन,डिज्टिजेशन,आईटी अनुपयोग को भी पुस्तकालय के लिए प्राथमिकता तौर पर रखा जाता है।
(ञ)	**कोन्नेमारा पब्लिक लाइब्रेरी, चेन्नई**	यह यथा संशोधित पुस्तकालय, पुस्तक एवं समाचार–पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) वितरण अधिनियम, 1954 के प्रावधानों के तहत् भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को निःशुल्क प्राप्त करने वाले चार सार्वजनिक भंडारणों में से एक है। यह यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है।	**0.35**	**0.65**	पुस्तकालय का उन्नयन तथा सही समय पर सही प्रयोगता को सही सूचना प्रदान करना। पठन सामग्री पुस्तकों संबंधी खरीदे गए मुद्रित प्रलेखों का डिजिटीकरण। सदी प्राचीन पुस्तकालय भवन का रखरखाव और नया शमिल किया गया पुस्तकालय भवन	पुस्तकालय ने सही उपयोगकार्ताओं के लिए उन्नयन और प्रतिपादन सेवा शुरू की है। पुस्तकालय भवन आदि की मरम्मत और डिजिटीकरण से संबंधित कार्य भी शुरू किया है।			सामान्यया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक तथा स्थापना सम्बन्धी व्यय के लिए किया जाता है और जिसमें वेतन,बोनस,एल टीसी,समयोपरि भत्ता,चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि शामिल है।
(ट)	**प्रकाशन**	मंचकला और थियेटर के	–	**0.50**			–	–	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्कीम	माध्यम से संस्कृति और विरासत के सम्वर्धन से संबंधित कार्यकलाप शुरू करना।							
i	क. संस्कृति संबंधी शोध (ख) महत्वपूर्ण पांडुलिपि (ग) इतिहास का रिकार्ड (घ) संस्कृति संबंधी पुस्तक के सह–प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता	इसका अभिप्राय संस्कृति विरासत और संस्कृति से संबंधित महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का प्रकाशन ऐतिहासिक महत्व के रिकार्ड, पुस्तकों का सह–प्रकाशन आदि करना है।			संस्कृति से संबंधित शोध कार्यों विरासत और संस्कृति से संबंधित पांडुलिपियों के प्रकाशन के लिए सोसायटी के न्यासों, विश्वविद्यालयों सहित गैर–लाभकारी संगठनों को वित्तीय सहायता दी जायेगी।	रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान संबंधित संगठनों व्यक्तियों के लिए कोई अनुदान जारी नहीं किया गया।			
ii	पुराने और दुर्लभ प्रलेखन/ पाडुलिपि के संरक्षण और परिरक्षण के लिए पुस्तकालय/ केन्द्रीय संस्थान को	पांडुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ कागजात का उचित रख–रखाव और परिरक्षण तकनीकी का इस्तेमाल।			पांडुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ कागजात का उचित रख–रखाव और परिरक्षण के लिए पुस्तकालयों / सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान संबंधित संगठनों व्यक्तियों के लिए कोई अनुदान जारी नहीं किया गया।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	वित्तीय सहायता। ग.इतिहास का रिकार्ड रखना घ.संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तक का सह प्रकाशन								
32	**पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम की परियोजना/ स्कीमों के लिए प्रावधान।**			---					

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
32.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए परियोजना/स्कीम**	पूर्वोत्तर क्षेत्र की विशिष्ट कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण।		72.70	पूर्वोत्तर राज्यों में कला और संस्कृति के संवर्धन के क्षेत्र में विविध कार्यक्रम स्कीमें आयोजित करना तथा विभागीय स्कीमों के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों/व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना।	मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित विविध स्कीमों से पूर्वोत्तर से अनेक एन जी ओ / व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं। अमादमियों आई जी एन सी ए और अन्य संगठनों ने सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु विविध सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुरू किए है।		*	*सांस्कृतिक संगठनों / स्कीमों द्वारा संचालित विभिन्न कार्यकलापों पर हुए खर्चों को संबंधित संगठनों / स्कीमों के अंतर्गत दर्शाया गया है।
32.2	**पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय**	पुरातत्व, अभिलेखागारों और संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।		66.45	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र में एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना। उत्तर–पूर्व क्षेत्र में स्थित विभिन्न प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण व परिरक्षण।	एन ई आर में स्मारट / साइट का संरक्षण और परिरक्षण कार्य ए एस आई द्वारा शुरू किया गया है। एम एस एस और अभिलेखाकार के हेतु एनजीओ / राज्य सरकार को वित्तीय सहायता दी गई है। एन ई आर में स्थित संगठनों को निजी / सरकार संग्रहालय के विकास के लिए अनुदान जारी किया गया है।	–	*	
32.3	**पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का संवर्धन		4.35	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास करना।	विविध पुस्तकालयों को उनके उन्नयन हेतु वित्तीय सहायता दी गई है।	–	*	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
32.4	**बौद्ध तथा तिब्बती अध्ययन**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध/ तिब्बती संस्कृति को प्रोत्साहन देना।	––	––	इस क्षेत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र में विविध कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।	पूर्वोत्तर के सी आई एच सी एस तवांग मोनास्ट्री और अन्य संगठनों को सहायता अनुदान और एन जी ओ को भी सहायता दी गई है	–	*	
32.5	**स्मारक,शताब्दी और अन्य**	गांधीवाद/नेहरू तथा मौलाना आजाद के विचारों को पूर्वोत्तर में फैलाने हेतु प्रोत्साहन।	–	–	जीएसडीएस,एनएमएमएल और एमएकेएआईएएस पूर्वोत्तर क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों को शुरू करेगा।	संगठनों ने पूर्वोत्तर क्षेत्रों में विविध सांस्कृतिक कियाकलाप आयोजित किए हैं।	–	*	
	योग (पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु व्यवस्था)		––	143.50			–	*	
	जोड (राजस्व)		627.00	1498.00			611.60	1345.00	
33.	**संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की भवन परियोजनाएँ**								
1.	**राष्ट्रीय– भारतीय अभिलेखागार**								
	(i)	राष्ट्रीय अभिलेखागार भवन सौंध में परिवर्धन तथा मरम्मत कार्य। जयपुर, पाडिचेरी और	–	6.00	यह परियोजना वर्ष 2012–13 के दौरान शुरू की जा सकती	कार्य प्रगति पर है।	–	2.73	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भोपाल में रिकार्ड सेंटर			है।				
	(ii)	अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के प्रकार्यात्मक भवन का निर्माण			निर्माण कार्य प्रगति पर है।	कार्य प्रगति पर है।			
	(iii)	राष्ट्रीय अभिलेखागार सौंध भवन में एसी प्लांट का प्रतिस्थापन।			राष्ट्रीय अभिलेखागार सौंध भवन में एसी प्लांट का प्रतिस्थापन।	पूरा किया गया।			
	(iv)	ऑडीटोरियम तथा छात्रावास भवन का निर्माण।				शुरू नहीं किया गया।			
2.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**		**–**	**14.00**			**–**	**13.99**	
		साल्ट लेक, कोलकाता में द्वितीय चरण के कार्यालय भवन का निर्माण।			मुख्यालय भवन साल्ट लेक, कोलकाता के द्वितीय चरण के भवन।	निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है।			
3.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	आरसीएल मैसूर में प्रयोगशाला का निर्माण	–		कार्य प्रगति पर है।	कार्य अभी शुरू किया जाना है।			निर्माण कार्य का पूरा होना सीपीडब्ल्यूडी की क्षमता पर निर्भर करता है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
4.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय**	दिल्ली में आवधिक वीथि के रूप में एनजीएमए के पुराने भवन का नवीकरण/ विकास और रख–रखाव।	–	3.00	वर्ष के दौरान कार्य शुरू किया जाएगा।	भंडारण सुविधाएँ प्रदान करने हेतु मैसर्स गोदरेज को आंशिक रूप से भुगतान किया गया।		3.84	
5.	**राष्ट्रीय संग्रहालय,नई दिल्ली**	राष्ट्रीय संग्रहालय में विभिन्न लम्बित निर्माण कार्यों का रख–रखाव तथा उन्नयन।	--		संग्रहालय भवन के रख–रखाव / विकास कार्य हेतु।	कार्य पूरा किया गया।			
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	नागपुर में एएसआई के लिए कार्यालय भवन का निर्माण, 24, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में भवन निर्माण, औरंगाबाद में रसायन प्रयोगशाला हेतु कार्यालय भवन का निर्माण, औरंगाबाद सर्किल कार्यालय के कार्यालय भवन का निर्माण। आगरा में निदेशक (बागवानी) के लिए कार्यालय भवन का निर्माण। गांव करवाना, मुस्तकली में सीआईएसएपफ और एएसआई स्टाफ के लिए आधारभूत संरचना का	--	15.00	कार्य चल रहा है। वर्ष के दौरान नई परियोजनाओं को भी शुरू किया जाएगा।	कार्य प्रगति पर है।		11.28	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –IV (ख) – विगत वर्ष 2013–14 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2014 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च 2014 तक वित्तीय उपलब्धियां (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां/ जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		निर्माण और तैयार शुदा भवन आवास की खरीद/ विभिन्न स्थानों में स्थित एएसआई कार्यालय भवन का निर्माण । विभिन्न स्थानों में केन्द्रीय तौर पर संरक्षित स्मारकों के निकट भूमि का अधिग्रहण।							
7.	**सार्वजनिक पुस्तकालय**	**राष्ट्रीय पुस्तकालय** टाइप II और III क्वार्टरों और नए पुस्तकालय भवन का निर्माण।	–	1.00	संस्कृति मंत्रालय से अनापत्ति प्राप्त करने के पश्चात इस परियोजना को शुरू किया जा सकता है।	कार्य को अभी शुरू किया जाना है।	––	––	
		योग (भवन परियोजनाएँ)	––	39.00			––	31.84	
		सकल योग **(कला और संस्कृति)**	627.00	1537.00			611.60	1376.84	